राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | शिक्षकों के लंबित मामलों को शून्य ...

सौर ऊर्जा के नक्शे पर चमकेगा दरभंगा... | 08

वर्ष : 14 | अंक : 129 | पटना, मंगलवार, 18 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' से छात्रों की समस्या खत्म होगी, शिक्षा व्यवस्था में आयेगी पारदर्शिता: सम्राट

मुख्य बिंदु :-

- छात्र-छात्राओं की समस्याओं के त्वरित समाधान और आधुनिक शिक्षा सुविधाओं के लिए 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' का लोकार्पण
- विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक या छात्रावास से जुड़ी शिकायतें और सुझाव पोर्टल या टोल-फ्री हेल्पलाइन 1100 पर दर्ज करा सकते हैं

विद्यार्थी आगे बढ़ेंगे तभी बिहार समृद्ध होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ही बिहार की समृद्धि और विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा। सरकार का संकल्प है कि बिहार का कोई भी विद्यार्थी अवसरों के अभाव में पीछे न रहे और शिक्षा, कौशल एवं रोजगार के माध्यम से अपने भविष्य के साथ-साथ राज्य और देश के भविष्य को भी नई दिशा दे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी समस्यायें और सुझाव खुलकर सरकार तक पहुँचायें। बिहार के विद्यार्थी आगे बढ़ेंगे तभी बिहार समृद्ध होगा और विकसित भारत का लक्ष्य पूरा होगा।

विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को अधिक बनाया जा रहा है किफायती

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को अधिक किफायती बनाया जा रहा है। 10 रुपए में इंजीनियरिंग और 5 रुपए में पॉलिटेक्निक शिक्षा जैसी पहल से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से करीब 18,000 करोड़ रुपए की सहायता उपलब्ध कराई गई है। 534 प्रखंडों और प्रमुख शहरों को मिलाकर 551 स्थानों पर मॉडल स्कूल व्यवस्था विकसित करने तथा विद्यार्थियों को घर से पढ़ाई के लिए लाइव शिक्षक सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को जेडी वीमेंस कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने जेडी वीमेंस कॉलेज में उपस्थित छात्राओं के साथ संवाद कर शैक्षणिक गतिविधियों और समस्याओं के बार में जानकारी ली।

हर महीने के चौथे मंगलवार को शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित होंगे: इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था को अधिक आधुनिक, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। राज्य के विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक, छात्रावास एवं अन्य समस्याओं तथा सुझावों का त्वरित समाधान करना है। यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क और गोपनीय है तथा विद्यार्थी सहयोग शिविर से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नम्बर 1100 उपलब्ध है। छात्रों की शिकायतों पर 10 दिनों में कार्रवाई शुरू न होने पर 11वें दिन मुख्यमंत्री कार्यालय से स्वतः नोटिस जारी होगा और अधिकतम 30 दिनों के भीतर हर हाल में समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर कभी भी ऑनलाइन परिवाद दर्ज कर सकते हैं। परिवाद दर्ज करने की तिथि से 30 दिनों के अंदर उनका निष्पादन सुनिश्चित कर आवेदक को लिखित सूचना दी जायेगी। हर महीने के चौथे मंगलवार को शिक्षण संस्थानों में शिविर आयोजित होंगे, जहां छात्र सीधे अपनी समस्याएं और सुझाव रख सकेंगे। 25 अगस्त से बिहार के सभी स्कूलों एवं छात्रावासों में विद्यार्थी सहयोग अभियान शुरू किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सहयोग शिविर के माध्यम से प्राप्त 6.42 लाख आवेदनों में 96 प्रतिशत मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित नोटिस प्रणाली लागू की गई है। शिकायत पर 10 दिन तक कार्रवाई नहीं होने पर 11वें दिन स्वतः पहला नोटिस, 20वें दिन दूसरा और 25वें दिन तीसरा नोटिस जारी होता है। इसके बाद भी 30 दिन तक समाधान नहीं होने पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की व्यवस्था है। इससे शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूती मिलेगी।

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य बिहार के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उनके अपने राज्य में उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें बेहतर शिक्षा के लिए बाहर जाने की मजबूरी न हो। इसी उद्देश्य से उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है।

लखीसराय में अशोक धाम मंदिर में भगदड़, सात श्रद्धालुओं की मौत

- अफवाह फैलने से हुई घटना, दर्जनों घायल

प्रात : किरण

लखीसराय। बिहार के लखीसराय जिले में मंदिर के बाहर भगदड़ से कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 12 से अधिक लोग इस घटना में घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना अशोक धाम स्टेशन से मंदिर जाने वाले रास्ते पर हुई। पवित्र सावन महीने के तीसरे सोमवार पर अशोक धाम मंदिर में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु वहां जमा हुए थे। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, रात में इस रास्ते पर बिजली का पोल तार समेत गिर गया था। श्रद्धालुओं के बीच यह अफवाह फैल गई कि एक खंभे में बिजली का करंट आ गया है। इससे लोग घबरा गए और बचने की कोशिश में अलग-अलग दिशाओं में भागने लगे। इसके बाद भगदड़ मच गई, जिसमें कई श्रद्धालु फंस गए और एक-दूसरे के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों और अन्य श्रद्धालुओं ने तुरंत भीड़ में फंसे लोगों को बचाने की कोशिशें शुरू कर दीं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। बचाव कार्य शुरू किए गए और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाने की व्यवस्था की गई। अभी तक कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत होने की जानकारी सामने आई। बताया गया कि मृतकों में सभी महिलाएं थीं। अभी मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है।

सीएम सम्राट ने जताया दुख

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लखीसराय के अशोकधाम में हुई भगदड़ की घटना पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु की खबर से मन व्यथित है। मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित और त्वरित इलाज के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, लखीसराय के अशोकधाम की घटना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु की खबर से मन व्यथित है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के समुचित व त्वरित इलाज के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने व्यक्त किया शोक

लखीसराय। लखीसराय जिले के अशोकधाम मंदिर में सोमवार को हुई भगदड़ को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, बिहार के लखीसराय जिले में भगदड़ की दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मैं शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, बिहार के लखीसराय में भगदड़ से हुई मौतों ! से दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घायल लोग जल्द स्वस्थ हों। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की मदद कर रहा है।

भीड़ बढ़ने के दौरान बैरिकेडिंग टूटने से हुआ हादसा: हादसे की वास्तविक वजह की जांच की जा रही है। लखीसराय के जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि बताया कि सोमवार को अप्रत्याशित रूप से भीड़ बढ़ गई थी। शाम करीब साढ़े छह से पौने सात बजे के बीच दो ट्रेनों के ठहराव के कारण भी श्रद्धालुओं की संख्या अचानक और बढ़ गई।

डीएम ने बताया कि पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की ओर से पहले से ही एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। करीब छह बजकर 40 से 45 मिनट के बीच खेत की ओर भीड़ बढ़ने के दौरान बैरिकेडिंग का एक हिस्सा टूट गया। इसके बाद लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर गए। प्रशासन ने तत्काल करीब 10 लोगों को एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा।

बंगाल के तारापीठ में आग का कहर, 6 लोगों की दर्दनाक मौत

तारापीठ। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के तारापीठ से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां भोर में करीब 4:30 बजे तारापीठ पुलिस स्टेशन के पास एक तालाब के किनारे स्थित विदेशिनी होटल में आग लग गई। इस आग में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग झुलस गए। घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी गई। मामले की जानकारी होते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन फायर डिपार्टमेंट को आशंका है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी हो सकती है। घटना की जानकारी मिलने के बाद तारापीठ और रामपुरहाट पुलिस स्टेशनों की पुलिस मौके पर हैं।

परिजनों को 4-4 लाख की मदद का ऐलान

पटना। बिहार सरकार ने सोमवार को लखीसराय के अशोक धाम मंदिर में भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। वहीं, इस घटना पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत्क्ष एनडीए के कई नेताओं ने दुख जताया है।

खनिज संपदा का लाभ बिहार की जनता के कल्याण और राज्य के विकास में होगा : मुख्यमंत्री

मुख्य बिंदु :

- बिहार के 44 माइनिंग ब्लॉक का सरकार द्वारा सर्वे कराया जाएगा और रिकॉर्ड 9 महीने के भीतर खनन ब्लॉक को शुरू करने की दिशा में कार्य होगा

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को होटल मौर्या में कोयला एवं खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण एवं सामरिक खनिज ब्लॉकों की नीलामी एवं एनएमईडीटी के कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

30 सितम्बर के पहले 30 से अधिक माइनिंग ब्लॉक आवंटित कर दिये जायेंगे: इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोयला एवं खान मंत्रालय, भारत सरकार के आठवें चरण के खनिज ब्लॉकों की नीलामी के कार्यशाला में उपस्थित आप सभी लोगों का स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि बिहार में खनिज ब्लॉकों का अध्ययन कराया गया है। ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासतों का संरक्षण हम सभी की जिम्मेवारी है, उसको कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत तथा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के सपने को पूरा करना है। वर्ष 2005 के बाद से पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में कई विकास कार्य किये गये हैं। आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। आधारभूत संरचनाओं में पत्थर सहित अन्य खनिज तत्वों की जरूरत पड़ती है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता के हित में यहां के संसाधनों का सदुपयोग किया जायेगा। कई खनिज ब्लॉकों का टेंडर किया गया है और कई की प्रक्रिया चल रही है। हमारे पदाधिकारी इस काम में लगे हुये हैं, 9 महीने में हमलोग इस काम को पूर्ण करेंगे। 44 माइनिंग ब्लॉकों में से 28 माइनिंग ब्लॉकों में सर्वे का काम आगे बढ़ा है। 30 सितम्बर के पहले 30 से अधिक माइनिंग ब्लॉक आवंटित कर दिये जायेंगे। 15 अक्टूबर से बिहार में खनन कार्य शुरू करने की दिशा में पहल होगी।

बिहार में संसाधन की कमी नहीं: मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में संसाधन की कमी नहीं है। संसाधनों का भरपूर उपयोग करते हुये जनता के हित में इसे गति देनी है। रोहतास में लाइम स्टोन, औरंगाबाद में मिनिरल बेल्ट का बड़ा रिसोर्स है, जहानाबाद तथा जमुई में मैग्नेट, गया, बांका एवं भागलपुर में भी मिनिरल्स का बड़ा रिसोर्स है, इन सभी का सदुपयोग करना है। उन्होंने कहा कि खनिजों से प्राप्त होने वाली रॉयल्टी का उपयोग बिहार की जनता के हित और राज्य के विकास के लिए किया जाएगा। खनिज संपदा का किसी भी स्तर पर दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा। राज्य में खनिज केंद्र स्थापित करने के साथ नवंबर तक 5 लाख करोड़ रुपए के निवेश लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास किया जाएगा। केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार जी किशन रेड्डी जी से भी बात हुयी है। श्री सतीश चंद्र दुबे बिहार के ही हैं वे भी काफी सक्रिय हैं और बिहार के हित के लिये काम कर रहे हैं, उन्हें भी बधाई देते हैं।

उद्योगों की स्थापना के लिये निवेशकों कोदी जा रही है रियायतें: मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में उद्योगों की स्थापना के लिये निवेशकों को कई प्रकार की रियायतें दी जा रही है। हमारा सभी से आग्रह है कि आप खुले मन से बिहार में निवेश करें। बिहार को आगे बढ़ाने में मदद करें। आप पूरी तरह यहां सुरक्षित हैं और निर्भीक होकर अपने काम को आगे बढ़ायें। बिहार सरकार हर तरह से आपका सहयोग करेगी। कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार सतीश चन्द्र दुबे ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया।

ये रहें मौजूद:-कार्यक्रम को कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार सतीश चन्द्र दुबे तथा कोयला एवं खान मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव कदम संदीप वी ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ प्रमोद कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव अवनीश कुमार सिंह, कोयला एवं खान मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक आशीष सक्सेना सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सिर्फ ज्ञान ही काफी नहीं है, जीवनभर सीखते रहना भी जरूरी : उपराष्ट्रपति

तिरुवरूर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को तिरुवरूर में सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु के 11वें दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाई और अपनी जिंदगी के एक अहम पड़ाव तक पहुंचने पर ग्रेजुएट होने वाले छात्रों को बधाई दी। छात्रों को संबोधित करते हुए सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि दीक्षांत समारोह सिर्फ डिग्री मिलने का जश्न नहीं है, बल्कि यह शिक्षा की बदलाव लाने वाली शक्ति, ज्ञान की खोज और उस समर्पण, लगन और हिम्मत का भी जश्न है, जिसकी वजह से छात्र इस अहम पल तक पहुंच पाए हैं। उन्होंने ग्रेजुएट होने वाले छात्रों के माता-पिता और शिक्षकों को भी बधाई दी। उन्होंने उनके त्याग को सराहा और कहा कि उन्होंने अपने बच्चों और छात्रों के शानदार भविष्य के लिए अपनी आज की कई सुख-सुविधाओं का त्याग किया है। तिरुवरूर के महत्व पर जोर देते हुए सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि यह पवित्र शहर, जहां शानदार त्यागराज मंदिर स्थित है, सदियों से आध्यात्मिकता, विद्वता और कलात्मक उत्कृष्टता का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र भूमि ने संतों, विद्वानों और कर्नाटक संगीत की महान त्रिमूर्ति को जन्म दिया है।

एनटीए की गलती की कीमत छात्र क्यों चुकाए : राहुल

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा प्रश्न पत्रों में कई त्रुटियां पाए जाने के बाद तीन विषयों के यूजीसी नेट परीक्षा पत्रों की पुनर्परीक्षा की घोषणा के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि इन परीक्षा अनियमितताओं के कारण छात्रों के साल बर्बाद हो रहे हैं। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मोदी जी, देखिए आपकी एनटीए ने अभी क्या किया है। उन्होंने कहा कि सोशियोलॉजी, इंग्लिश और कॉमर्स के लिए यूजीसी-नेट परीक्षाएं 22 से 30 जून के बीच आयोजित की गई थीं। करीब दो महीने बाद एनटीए ने इन परीक्षाओं को रद्द कर दिया, क्योंकि कथित तौर पर गलत प्रश्नपत्र सेट किए गए थे और पुराने सवाल दोहराए गए थे। राहुल गांधी ने कहा कि हजारों अभ्यर्थियों ने वर्षों तक तैयारी की, परीक्षा फॉर्म भरे, फीस जमा की और दूर-दराज के परीक्षा केंद्रों तक यात्रा की। अब उन्हें सितंबर में दोबारा परीक्षा देनी होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि गलती एनटीए की है, लेकिन इसकी कीमत छात्रों को क्यों चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि वह कोटा, देहरादून और प्रयागराज में पहले भी यह मुद्दा उठा चुके हैं और आगे भी उठाते रहेंगे। उनके मुताबिक मौजूदा व्यवस्था अब शिक्षा व्यवस्था नहीं, बल्कि एक्सट्रैक्शन मशीन बन गई है, जो छात्रों का पैसा, समय, मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास छीन लेती है और बदले में उन्हें पर्याप्त अवसर नहीं देती। राहुल गांधी ने एनटीए से यह भी सवाल किया कि क्या परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और एनटीए अपनी गलतियों की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते और गड़बड़ी वाले मामलों में जवाबदेही तय नहीं होती।

बैठक | ग्रामीण विकास विभाग एवं नाबार्ड के बीच अभिसरण के प्रगति की विभागीय मंत्री श्रवण कुमार ने की समीक्षा

हाट बाजार विकसित होने से मिलेगा नया आयाम : श्रवण

- मंत्री बोलें- हाट बाजार के लिए 725 स्थान चयनित

प्रात : किरण

पटना। ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को ग्रामीण विकास विभाग एवं नाबार्ड (नाबार्ड) के बीच विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के साक्षा या अभिसरण (कन्वर्जेंस) को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। राज्य में 725 स्थानों को ग्रामीण हाट बाजार तैयार करने के लिए चिन्हित किया गया है। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि ग्रामीण हाट बनाने के लिए चिन्हित किए गए स्थलों की समुचित तरीके से समीक्षा करने के बाद इनमें निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए। इन हाट को विकसित करने के लिए तीन तरह के मॉडल को अंतिम रूप से अनुमति प्रदान की गई है। इसमें एक मॉडल 20 डिसमिल क्षेत्र वाला है, दूसरा 50 डिसमिल और तीसरा 1 एकड़ क्षेत्रफल वाला है। इनके आधार पर ही हाट को विकसित किए जाएंगे। इससे इनमें एकरूपता बनी रहेगी। नाबार्ड की वित्तीय सहभागिता से पहले चरण में 20-49 डिसमिल के एक-एक ग्रामीण हाट के निर्माण करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी जिलों को इसके आधार पर स्थान की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिए एक गूगल शीट जारी की गई है।

मंत्री ने कहा कि 20 डिसमिल से अधिक वाले ग्रामीण हाट का निर्माण करने को लेकर 7 जिलों अररिया, बांका, भागलपुर, कटिहार, मधेपुरा, सुपौल तथा समस्तीपुर से प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। शेष जिलों से प्रस्ताव तैयार कर जल्द नाबार्ड को उपलब्ध करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण हाट के लिए अधिकतम 40 लाख रुपये की राशि केंद्र सरकार के स्तर से प्रस्तावित है। इस राशि में बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना में पहाड़ी इलाकों के निवासी, अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों और बकरी पालन की योजना को क्रियान्वित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। दूधारू बकरी पालन को प्रोत्साहित करने की कार्ययोजना तैयार की गई है।

मंत्री श्री श्रवण कुमार ने विभाग एवं नाबार्ड के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, संसाधनों के समुचित उपयोग तथा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लाभ को अंतिम पायदान तक पहुंचाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि इन हाटों के निर्माण से जीविका दीदियों को अपने उत्पादों को ग्रामीण अंचल से बाहर निकालकर सीधे बाजार तक पहुंचाने या इन्हें बेचने में बेहद सुविधा होगी। इन्हें विकसित करने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आयाम मिलेगा। दीदियों के लिए विशेष सुविधाएं इन हाटों में मुहैया कराई जाएगी। नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक गौतम कुमार सिंह ने बिहार में ग्रामीण विकास एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नाबार्ड की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि नाबार्ड राज्य सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के साथ मिलकर काम करने तथा आवश्यकता के अनुसार हरसंभव तकनीकी, वित्तीय एवं संस्थागत सहयोग प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने विभिन्न प्रस्तावित एवं संचालित योजनाओं की प्रगति, संभावित नए क्षेत्रों तथा आपसी सहयोग के माध्यम से बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई गति देने की संभावनाओं पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया।

इस दौरान बिहार में ग्रामीण विकास, आजीविका संवर्धन, ग्रामीण आधारभूत संरचना, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास, स्वयं सहायता समूहों एवं ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने सहित विभिन्न क्षेत्रों में नाबार्ड एवं ग्रामीण विकास विभाग के बीच समन्वय एवं अभिसरण के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार, नाबार्ड बिहार क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) गौतम कुमार सिंह तथा ग्रामीण विकास विभाग और नाबार्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार में चिकित्सा क्रांति: एम्स पटना ने रचा इतिहास, अत्याधुनिक लिवर ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में नया मील का पत्थर किया हासिल

●सुलभ और किफायती इलाज:एम्स रिलीफ फंड से बीपीएल परिवारों को मिलेगी वित्तीय मदद, अब महंगे इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा राज्य से बाहर

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। चिकित्सा विज्ञान की विशेषज्ञता, एक परिवार के अटूट साहस और संस्थागत संकल्प के संगम ने बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल के दूरदर्शी नेतृत्व में संस्थान ने राज्य का पहला *लिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट* सफलतापूर्वक संपन्न कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इससे पूर्व एम्स पटना बिहार का पहला डीसिज्ड डोनर लिवर ट्रांसप्लांट भी सफलता पूर्वक कर चुका है।

पत्नी के साहस से बचा 54 वर्षीय मरीज का जीवन

इस ऐतिहासिक सफलता के केंद्र में पटना की एक 54 वर्षीय महिला हैं, जो ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं। इस स्थिति में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली लिवर को नष्ट करने लगती है। जब बीमारी अंतिम चरण में पहुंची, तब मरीज के पास ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प बचा था। ऐसे संकट के समय उनकी पत्नी ने अप्रतिम साहस का परिचय देते हुए अपने स्वस्थ लिवर का एक हिस्सा दान करने का फैसला लिया गहन चिकित्सीय मूल्यांकन के बाद एम्स की विशेषज्ञ टीम ने इस बेहद जटिल और जोखिम भरे ऑपरेशन को सुरक्षित रूप से अंजाम दिया। आधुनिक चिकित्सा में ह्यलिविंग डोनर लिवर ट्रांसप्लांट ह्य सबसे कठिन प्रक्रियाओं में से एक माना जाता है, जिसमें डोनर और प्राप्तकर्ता दोनों की सर्जरी एक साथ की जाती है।

बहु-विषयक विशेषज्ञ टीम का संयुक्त प्रयास

सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष *प्रो. उत्पल आनंद* के कुशल नेतृत्व में इस ट्रांसप्लांट को पूरा किया गया। मुख्य टीम में डॉ. कुणाल पारस, डॉ. बसंत नारायण सिंह और डॉ. किसलय कांत शामिल रहे। सहयोगी विभाग: एनेस्थीसियोलॉजी (प्रो. उमेश कुमार भदानी, डॉ. कुणाल सिंह, डॉ. रजनीश कुमार), इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (प्रो. राजीव नयन प्रियदर्शी), और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (प्रो. रमेश कुमार)। विशेष मार्गदर्शन:* सेंटर फॉर लिवर एंड बाइलरी साइंसेस के *प्रो. सुभाष गुप्ता की टीम का विशेष सहयोग मिला। प्रशासनिक संबलः उप निदेशक (प्रशासन) नीलोत्पल बल और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. प्रशांत कुमार सिंह के प्रशासनिक सहयोग से अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स संभव हो सका।

आर्थिक बोझ से राहत: बीपीएल परिवारों के लिए बड़ी पहल

एम्स पटना न केवल विश्वस्तरीय इलाज उपलब्ध करा रहा है, बल्कि इसे किफायती बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। शुरूआती पांच पात्र बीपीएल (BPL) परिवारों को *एम्स रिलीफ फंड* के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिससे इस जटिल और महंगे इलाज का बोझ आम जनता पर न पड़े।

बिहार के मरीजों को अब बाहर जाने की जरूरत नहीं

इस सफल ट्रांसप्लांट के बाद अब बिहार और पड़ोसी राज्यों के मरीजों को लिवर ट्रांसप्लांट जैसे जटिल उपचार के लिए दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। एम्स पटना का यह कदम राज्य में विश्वस्तरीय, सुरक्षित और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्रेशन कार्य में तेजी लाने का निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। पटना जिला में डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी श्री कुन्दन कुमार ने इस कार्य की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को कार्य में और तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर इसे पूर्ण करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्रेशन किसानों के हित में अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इसके माध्यम से किसानों का अद्यतन एवं प्रमाणिक डाटाबेस तैयार होगा, जिससे उन्हें सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कृषि संबंधी सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने में काफी सहूलियत होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्रेशन के कार्य में राजस्व कर्मचारी, राजस्व अधिकारी एवं अंचल अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र किसान फार्मर रजिस्ट्रेशन से वंचित न रहे। साथ ही, किसानों को रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि सभी किसानों का फार्मर रजिस्ट्रेशन पूर्ण होने तथा फसलों का डिजिटल सर्वे होने से किसानों तक सरकार की योजनाओं और सुविधाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं सुगम तरीके से पहुंचाने में मदद मिलेगी। कृषि संबंधी योजनाओं का लाभ, सरकारी सहायता एवं अन्य सुविधाएं पात्र किसानों तक समय पर पहुंच सकेंगी। इससे किसानों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी तथा उन्हें सरकारी सेवाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। किसानों के राजस्व रिकार्ड की विसंगति को ठीक करने पर भी अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी एवं राजस्व कर्मचारी दें विशेष ध्यान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि यदि किसी किसान के खेत, भूमि अथवा नाम से संबंधित राजस्व अभिलेखों में किसी प्रकार की त्रुटि, विसंगति या रिकॉर्ड संबंधी समस्या है, तो संबंधित राजस्व पदाधिकारी एवं कर्मी उसका नियमानुसार शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। किसानों की वास्तविक समस्याओं को पहचान कर उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि रिकॉर्ड संबंधी कठिनाइयों के कारण किसी पात्र किसान को सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न होना पड़े। उन्होंने कृषि एवं राजस्व विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्रेशन के कार्य की नियमित रूप से निगरानी की जाए तथा क्षेत्र स्तर पर कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि तकनीक के आधारित यह पहल कृषि क्षेत्र को अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की सुविधा एवं कल्याण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्रेशन के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक सुगमता और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा राज्य समृद्ध, सशक्त एवं खुशहाल बनाने के सरकार के संकल्प को और गति मिलेगी। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी गंभीरता, तत्परता एवं समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

बाबू देवशरण सिंह जी का व्यक्तित्व और कृतित्व समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत : डॉ. प्रेम कुमार

फतुहा। बाबू देवशरण सिंह जी की 126वीं जयंती समारोह के अवसर पर बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने उन्हें भावपूर्ण नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बाबू देवशरण सिंह जी का संपूर्ण जीवन समाज, राष्ट्र और जनसेवा के प्रति समर्पित रहा। उनका व्यक्तित्व सादगी, समर्पण, दृढ़ इच्छाशक्ति और सामाजिक सरोकारों का अद्भुत उदाहरण था। उन्होंने जीवनभर समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के हितों के लिए आवाज उठाई तथा सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी महापुरुष की वास्तविक पहचान उनके पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उनके विचारों, कर्मों और समाज पर पड़े सकारात्मक प्रभाव से होती है। बाबू देवशरण सिंह जी का जीवन आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देता है कि समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए निष्ठा, ईमानदारी और त्याग की भावना आवश्यक है। डॉ० प्रेम कुमार ने कहा कि आज उनकी जयंती के अवसर पर उन्हें याद करना केवल श्रद्धांजलि अर्पित करना नहीं, बल्कि उनके आदर्शों और विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लेना भी है।

मंत्री राम कृपाल यादव के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा पीएम बालिगा सीनियर सेकेंडरी स्कूल से निकाली गई

दानापुर खगौल नगर के अंतर्गत देशव्यापी अभियान हर घर तिरंगा महोत्सव 2026 के तहत सोमवार को खगौल स्थित पीएम श्री बालिगा सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से तिरंगा यात्रा माननीय सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव जी के नेतृत्व में निकाली गई। आजादी के पावन पर्व के अवसर पर आयोजित यात्रा में विद्यालय की छात्राओं के साथ शिक्षक, प्रबंधन समिति के सदस्य और अभिभावक शामिल हुए।तिरंगा यात्रा के दौरान ह्यभारत माता की जयह्व और ह्यवंदे मातरमह्व केजयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। हाथों में तिरंगा लेकर छात्राओं ने देशभक्ति का संदेश दिया।यात्रा बालिगा सीनियर सेकेंडरी स्कूल से शुरू होकर मोती चौक, थाना रोड लाल चौक होते हुए वापस बालिगा सीनियर सेकेंडरी स्कूल पहुंचकर यात्रा का समापन किया गया कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य अमन चंद्रवंशी, लाल कृष्ण कुमार,मेहरे दरख्शॉ, प्राचार्य, आशुतोष श्रीवास्तव, अनिल कुमार, मनोज केशरी, राकेश कुमार,प्रीतम कुमार,प्रसुन साहा सरोज राम,सेराज अहमद, शैलेश तिवारी और प्रीतम कैलाश प्रसाद समेत स्कूल के बच्चे शिक्षक,अभिभावक एवं सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

शनिवार को हाफ डे पर अलग से निर्देश जारी करने पर शिक्षा विभाग गंभीर

पटना। शिक्षा विभाग ने राज्य के कुछ जिलों में सक्षम प्राधिकार की अनुमति के बिना शनिवार को हाफ डे के दौरान विद्यालय संचालन के संबंध में अलग से निर्देश जारी करने की सूचना को गंभीरता से लिया है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के आदेश के बाद सोमवार को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र के जरिए सख्त हिदायत दी गई है कि विभागीय अनुमति के बिना अपने स्तर से विद्यालय संचालन के संबंध में कोई पृथक निर्देश जारी नहीं करें। विभागीय आदेश के अनुसार राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में शनिवार को प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक विद्यालय का संचालन किया जाना है। इस व्यवस्था में विभाग के स्तर से कोई बदलाव नहीं किया गया है।

युवाओं ने श्रमदान कर रेलवे क्रॉसिंग के नीचे जलजमाव और कीचड़ की समस्या दूर की

प्रात: किरण संवाददाता

फतुहा। मौजीपुर पंचायत के रेलवे क्रॉसिंग के नीचे लंबे समय से नाले का गंदा पानी और कीचड़ जमा रहने के कारण लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। खासकर बिक्रमपुर, दौलतपुर एवं मौजीपुर गांव के लोगों के साथ-साथ आसपास के करीब पांच किलोमीटर क्षेत्र के लोगों के लिए यह प्रमुख आवागमन का रास्ता है। जलजमाव और कीचड़ के कारण कई वाहन चालक गिरकर चोटिल भी हो चुके थे। स्थानीय स्तर पर समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने पर मंटू यादव एवं उनके युवा साथियों ने इसे सफाई अभियान के रूप में लेने का निर्णय लिया। युवाओं ने आपसी सहयोग से रेलवे क्रॉसिंग के नीचे जमा गंदे पानी को बाहर निकाला और ईंट व छाई डालकर रास्ते को समतल किया, जिससे लोगों को आवागमन में राहत मिल सके। मंटू यादव ने कहा कि यह स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने विधायक डॉ. रामानंद यादव से इस समस्या का स्थायी निदान कराने तथा बेहतर सड़क निर्माण कराने की मांग की, ताकि भविष्य में लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है। इस सफाई अभियान में केरला स्कूल, सुरेश जी, एसबीएम भट्ठा एवं बुतुरु मलिक सहित कई लोगों का सहयोग रहा। मंटू यादव ने सभी सहयोगियों एवं विशेष रूप से युवा साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग के बिना यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

गांधी आश्रम सह शहीद स्मारक विकास समिति ने अगस्त क्रांति के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रम । गाँधी आश्रम सह शहीद स्मारक विकास समिति द्वारा मंगलवार को समिति संयोजक अरुण कुमार आजाद की अध्यक्षता में बिक्रम शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की गई. मौके पर आयोजित समारोह का संचालन सह संयोजक शशांक शेखर मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन अधिवक्ता प्रमोद शर्मा ने किया। इस दौरान स्वतंत्रता संग्राम में अगस्त क्रांति 1942 के दौरान बिक्रम थाना पर तिरंगा झंडा फहराने के क्रम में अंग्रेजी सिपाहियों की गोली से शहीद हुए क्षेत्रीय क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी गई. विदित हो कि 17 अगस्त 1942 को बिक्रम थाना पर राष्ट्र ध्वज फहराने निकले क्रांतिकारियों पर अंग्रेजी सिपाहियों द्वारा गोलीबारी की गई थी जिसमें गोरखरी निवासी रंगनाथ सिंह, सोरमपुर निवासी बुटाई राम,काब निवासी त्रिवेणी सिंह और दो गुमनाम सहित पाँच वीर पुत्र शहीद हो गए, इसके अलावे कई लोग घायल भी हुए थे। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने 17 अगस्त को बिक्रम के लिए गौरवशाली दिवस बताते हुए स्वतंत्रता संग्राम के अमर्त्य वीर पुत्रों,सेनानियों को नमन किया व उनका सपना साकार करने का संकल्प लिया. मौके पर शहीद त्रिवेणी सिंह के दो नाती पूर्व मुखिया उदय कुमार एवं उलार पैक्स अध्यक्ष अरुण कुमार, तथा शहीद रंगनाथ सिंह के पौत्र सुब्रत वासुदेव भी उपस्थित रहे। शहीदों के वंशजों ने गांधी आश्रम सह शहीद स्मारक विकास समिति के कार्यों की सराहना करते हुए सरकार की उपेक्षा पर असंतोष जताया तथा तीनों नामित शहीदों की अगले 17 अगस्त 2027 के पूर्व अपने स्तर से प्रतिमा स्थापित करने का भरोसा दिया । मौके पर पूर्व कांग्रेस कमिटी प्रखंड अध्यक्ष रामदयाल शर्मा,परमानंद शर्मा, अंजनी कुमार विनोद, आमनीश कुमार,समरेन्द्र प्रसाद समरेश, नरेंद्र सिंह, झूलन सिंह,विपिन शर्मा, कौशल किशोर, संधीर यादव, सतीश कुमार दास,अजीत कुमार, आदि मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम के समापन पर स्थानीय विधायक सिद्धार्थ सौरभ ने भाजपा कार्यकताओं के साथ शहीदों को श्रद्धांजलि दी तथा उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लिया ।

उदय चंद्र रविदास के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर भाकपा माले ने निकाला विरोध मार्च

फतुहा। उदय चंद्र रविदास की हत्या के विरोध में भाकपा माले के फतुहा प्रखंड कार्यालय से विरोध मार्च निकाला गया। मार्च में शामिल कार्यकर्ता उदय चंद्र रविदास के हत्यारों को गिरफ्तार करो, महादलित की हत्या क्यों, सम्राट चौधरी जवाब दोह्व, महादलित की हत्या क्यों, बिहार सरकार जवाब दो, हत्या की उच्चस्तरीय जांच करोह्व और पीड़ित परिवार को मुआवजा दोह्व आदि नारे लगाते हुए फतुहा चौराहा पहुंचे, जहां मार्च प्रतिरोध सभा में तब्दील हो गया। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले के फतुहा प्रखंड सचिव शैलेंद्र यादव ने कहा कि बिहार में दलित, महादलित और अति पिछड़े समुदाय के लोगों की लगातार हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मानसिंहपुर पंचायत के ऐनियो गांव निवासी उदय चंद्र रविदास की खेत में ले जाकर हत्या कर दी गई, जिसके हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए। उन्होंने पटना एसएसपी से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने तथा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर भाकपा माले बड़े आंदोलन की तैयारी करेगी। विरोध मार्च में साधु शरण यादव, सरिता देवी, सुशीला देवी, अवधेश कुमार, सुदामा रविदास, जयराम रविदास, सुलेखा देवी, कृष्ण यादव, जितेंद्र पासवान, महेश दास, विष्णु कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया।

शहीद त्रिवेणी सिंह के वंशज से मिलीं कुसुमराज मनीअम पब्लिक स्कूल की छात्राएं, किया सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

बिहटा । शहादत दिवस को लेकर बिक्रम के मोरियावां स्थित कुसुमराज मनीअम पब्लिक स्कूल द्वारा सोमवार को शहीद एवं युद्ध वीर परिवार के घर भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षाविद सह पत्रकार गोपाल विद्यार्थी के नेतृत्व में कुसुमराज मनीअम पब्लिक स्कूल की छात्राओं की एक टीम 17 अगस्त 1942 को बिक्रम थाना पर राष्ट्र ध्वज फहराने के क्रम में शहीद हुए काब गाँव निवासी त्रिवेणी सिंह के वंशज सह बिहटा स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्रबन्ध निदेशक कृष्ण मुरारी सिंह के कार्यालय पहुंची। जहां स्कूल की छात्राओं ने उन्हें सम्मानित कर उनके पूर्वज त्रिवेणी सिंह के शौर्य और बलिदान को नमन किया। मौके पर श्री सिंह ने कहा कि अगस्त की क्रांति की शुरूआत होते ही बिक्रम के स्वतंत्रता सेनानियों ने आगे बढ़कर मोर्चा संभाला था। अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह के लिए बिगुल बजाया था।उन्होंने कहा कि बिक्रम व बिहटा वीरों की भूमि है। यहां के युवा क्रांतिकारी गतिविधियों में सबसे आगे रहे हैं। त्रिवेणी सिंह हों या फिर गोरखरी के रंगनाथ सिंह या सोरंगपुर के बूटाई राम समेत अन्य क्रांतिकारी, सने आगे बढ़कर अंग्रेजों से लोहा लिया। वहीं कृष्ण मुरारी सिंह ने छात्राओं के इस पहल को सराहते हुए उन्हें मिठाई खिलाकर व वन देवी धाम की चुनरी व प्रसाद देकर सम्मानित करते हुए उनकी हौसला अफजाई की` उन्होंने स्कूली छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बेहतर करने के लिए प्रेरित किया` मौके पर शिक्षाविद सह पत्रकार गोपाल विद्यार्थी, स्कूल की शिक्षिका प्रीति कुमारी, शारीरिक शिक्षक अतुल प्रकाश व दसवीं की छात्राएं स्वाति कुमारी, राज मदनी कुमारी, प्रियनन्दा, श्रेया कुमारी व सुषमा कुमारी मौजूद रहे ।

एक्सिस बैंक ने 50 नई शाखाओं के शुभारंभ के स्वतंत्रता दिवस का मनाया जश्न

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सप्ताह समारोह के तहत एक्सिस बैंक ने देश भर में 50 नई शाखाओं का उद्घाटन किया। यह विस्तार विविध भौगोलिक क्षेत्रों और आर्थिक केंद्रों में ग्राहकों को सेवाएं देने के लिए एक्सिस बैंक के निरंतर निवेश को दशार्ता है। जैसे-जैसे भारत अपनी विकास यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, ज्यादातर लोगों का औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जुड़ना आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है। इस अवसर पर बैंक के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुनीश शारदा ने कहा कि जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, देश के विकास में और लोगों की जरूरतों को पूरा करने में बैंकों की बड़ी भूमिका है। स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान 50 नई शाखाएं खोलना यह दिखाता है कि जहां भी विकास हो रहा है और जहां ग्राहकों को हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है, हम वहां पहुंचना चाहते हैं। इसके साथ ही हम ऐसी नई सुविधाओं पर काम कर रहे हैं जिससे ग्राहकों के लिए बैंकिंग पहले से ज्यादा आसान, सुरक्षित और काम की बन सके। बता दें शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण बाजारों में फैली ये नई शाखाएं ग्राहकों के करीब बैंकिंग सेवाओं का संपूर्ण दायरा लेकर आएंगी, जो बैंक के तकनीक-संचालित डिजिटल इकोसिस्टम को और मजबूत करेंगी। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु और झारखंड में स्थित इन शाखाओं को एक सहज बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ पटना की टीम ने किया जटिल केस को मैनेज

पटना । पिछले पांच वर्षों से संतान की इच्छा रखने वाले 31 वर्षीय दंपती के लिए गर्भधारण की राह कई चुनौतियों से भरी थी। पत्नी मनीषा पांडे का ओवेरियन रिजर्व कम था और उनकी हृदय संबंधी सर्जरी की हिस्ट्री थी, जबकि पति हरीश पांडे एजूस्पर्मिया (जीरो स्पर्म काउंट) से जूझ रहे थे। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ पटना में डॉ. अनुपम कुमारी और उनकी टीम ने फर्टिलिटी, कार्डियोलॉजी और एनेस्थीसिया विशेषज्ञों के समन्वय से दंपती का उपचार किया। आईवीएफ शुरू करने से पहले मनीषा की हृदय संबंधी जांच और प्री-एनेस्थीसिया असेसमेंट किया गया। कम ओवेरियन रिजर्व को देखते हुए विशेष स्टिम्युलेशन प्रोटोकॉल के तहत एग रिट्रीवल में चार एग्स मिले, जिनमें तीन परिपक्व थे। हरीश के लिए टीईएसए के माध्यम से स्पर्म प्राप्त किए गए और तीनों परिपक्व एग्स पर आईसीएसआई तकनीक से फर्टिलाइजेशन किया गया।इससे तीन अच्छी गुणवत्ता वाले ब्लास्टोसिस्ट तैयार हुए, जिन्हें क्रायोप्रिजर्व किया गया। बाद में एक फ्रोजन एम्ब्रियो को मनीषा के गर्भाशय में ट्रांसफर किया गया। बीटा-एचसीजी जांच से गर्भावस्था की पुष्टि हुई और गर्भावस्था सफलतापूर्वक पूरी होने के बाद दंपती ने एक स्वस्थ बच्ची का स्वागत किया। इस मामले में फर्टिलिटी, कार्डियोलॉजी, एनेस्थीसिया और एम्ब्रियोलॉजी टीमों के बीच तालमेल ने ट्रीटमेंट के प्रत्येक चरण को मैनेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिंगरौली-जबलपुर एक्सप्रेस अब चलेगी जबलपुर के बजाय मदन महल से

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर।सिंगरौली और जबलपुर के मध्य चलने वाली गाड़ी संख्या 11651/11652 जबलपुर-सिंगरौली-जबलपुर एक्सप्रेस का परिचालन दिनांक 17 अगस्त, 2026 से जबलपुर के बजाय मदन महल और सिंगरौली के मध्य किया जायेगा । जबलपुर से मदन महल टर्मिनल चेंज होने के कारण गाड़ी सं. 11651 मदन महल-सिंगरौली एक्सप्रेस जबलपुर के बजाए मदन महल से 16.05 बजे खुलकर 16.15/16.20 बजे जबलपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 23.15 के बजाए 23.45 बजे सिंगरौली पहुंचेगी । इसी तरह गाड़ी सं. 11652 सिंगरौली-मदन महल एक्सप्रेस सिंगरौली से पूर्व निर्धारित समयानुसार 04.40 बजे प्रस्थान कर 11.25/11.35 बजे जबलपुर रुकते हुए 12.05 बजे मदन महल पहुंचेगी ।

मीडिया टीम ने ऊर्जा सचिव को दिया स्वतंत्रता दिवस की बधाई

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड की मीडिया टीम ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर ऊर्जा सचिव सह सीएमडी बीएसपीएचसीएल श्री अजय यादव से मिल कर 80 वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस मौके पर एनबीपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार , बीएसपीटीसीएल के प्रबंध निदेशक डॉ नवल किशोर चौधरी , एसबीपीडीसीएल के प्रबंध निदेशक सौरभ जोरवाल एवं बीएसपीजीसीएल के प्रबंध निदेशक विशाल राज भी मौजूद रहें ।ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता को विश्वसनीय व सुरक्षित बिजली आपूर्ति देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपभोक्ताओं तक समय पर और सही जानकारी पहुँचाने के लिए सूचना-संचार रणनीतियों को मजबूत करने की बात कही । होल्डिंग कंपनी की पीआरपी टीम में हरि ओम उत्तम, जूही स्मिता, मोनिका शेखर, गिरीश कुमार ,आयुषी शर्मा, प्रियांशु,दिव्यांशु,अंजलि और सौम्या कुमार शामिल रहे।

पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल का सप्ताह में पांच दिन परिचालन किया जाएगा

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा हाजीपुर-मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर- खगड़िया-मानसी-सहरसा-बनमनखी के रास्ते पाटलिपुत्र और पूर्णिया कोर्ट के मध्य गाड़ी सं. 03216/03215 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल का सप्ताह में पांच दिन परिचालन किया जाएगा । इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03, शयनयान श्रेणी के 10 एवं साधारण श्रेणी के 04 कोच एवं एसएलआर के 02 कोच सहित कुल 20 कोच हैं । गाड़ी सं. 03216 पाटलिपुत्र-पूर्णिया कोर्ट स्पेशल का परिचालन 17 अगस्त, 2026 से 16 सितम्बर, 2026 तक सप्ताह में पांच दिन बुधवार एवं शनिवार को छोड़कर किया जाएगा । यह स्पेशल पाटलिपुत्र से 23.00 बजे खुलकर 23.30 बजे सोनपुर, 23.42 बजे हाजीपुर, अगले दिन 00.55 बजे मुजफ्फरपुर, 02.00 बजे समस्तीपुर, 02.35 बजे रूसेरा घाट, 02.55 बजे हसनपुर रोड, 03.12 बजे सलौना, 03.53 बजे खगड़िया, 04.10 बजे मानसी, 05.00 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 05.55 बजे सहरसा, 06.50 बजे दौरम मधेपुरा, 07.18 बजे मुरलीगंज, 07.38 बजे बनमनखी रुकते हुए 08.30 बजे पूर्णिया कोर्ट पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी सं. 03215 पूर्णिया कोर्ट-पाटलिपुत्र स्पेशल का परिचालन 18 अगस्त, 2026 से 17 सितम्बर, 2026 तक सप्ताह में पांच दिन गुरूवार एवं रविवार को छोड़कर किया जाएगा । यह स्पेशल 09.10 बजे पूर्णिया कोर्ट, 09.35 बजे बनमनखी, 09.55 बजे मुरलीगंज, 10.15 बजे दौरम मधेपुरा, 11.00 बजे सहरसा, 11.51 बजे सिमरी बख्तियारपुर, 12.58 बजे मानसी, 13.12 बजे खगड़िया, 13.36 बजे सलौना, 13.50 बजे हसनपुर रोड, 14.10 बजे रूसेरा घाट, 14.50 बजे समस्तीपुर, 15.50 बजे मुजफ्फरपुर, 16.45 बजे हाजीपुर, 17.00 बजे सोनपुर रुकते हुए 17.45 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी ।

दशरथ मांझी महोत्सव में शामिल हुए बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार, माउंटेन मैन को दी श्रद्धांजलि

गयाजी । के गहलौर में आयोजित दशरथ मांझी महोत्सव में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने माउंटेन मैन बाबा दशरथ मांझी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, संघर्ष और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि दशरथ मांझी जी ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपने संकल्प और अथक परिश्रम से पहाड़ को काटकर रास्ता बनाया। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि यदि व्यक्ति का संकल्प मजबूत हो और लक्ष्य जनकल्याण का हो, तो बड़ी से बड़ी बाधा को भी पार किया जा सकता है। दशरथ मांझी जी की कहानी केवल पहाड़ काटने की कहानी नहीं, बल्कि संकल्प, संघर्ष, श्रम और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणादायी गाथा है। उन्होंने कहा कि दशरथ मांझी जी के पास न आधुनिक मशीनें थीं और न ही पर्याप्त आर्थिक संसाधन, लेकिन उनके पास मजबूत इच्छाशक्ति और समाज के लिए कुछ करने का जुनून था। वर्षों तक लगातार मेहनत कर उन्होंने ऐसा रास्ता बनाया, जिसने गहलौर एवं आसपास के ग्रामीणों के आवागमन को आसान बनाया। बिहार विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि दशरथ मांझी जी ने यह संदेश दिया कि समाज में परिवर्तन लाने के लिए बड़े पद या बड़े संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि बड़ा हृदय, मजबूत इच्छाशक्ति और निरंतर परिश्रम आवश्यक है। उनका जीवन कर्मयोग की जीवंत मिसाल है। उन्होंने कहा कि आज जब हम विकास की बात करते हैं तो सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने की बात करते हैं। दशरथ मांझी जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि विकास का वास्तविक उद्देश्य आम आदमी के जीवन को सरल और सुगम बनाना है। डॉ. प्रेम कुमार ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आज के युवा दशरथ मांझी जी के जीवन से प्रेरणा लें। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन, मेहनत और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। युवाओं को अपनी प्रतिभा और कौशल का उपयोग व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ समाज और बिहार के विकास में भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दशरथ मांझी जी का जीवन गरीब, वंचित और ग्रामीण समाज के लिए विशेष प्रेरणा है। उन्होंने साबित किया कि गरीबी किसी व्यक्ति की क्षमता को निर्धारित नहीं करती। साधन सीमित हो सकते हैं, लेकिन संकल्प और प्रतिभा की कोई सीमा नहीं होती। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार के प्रत्येक गांव तक बेहतर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, स्वच्छ पेयजल और रोजगार के अवसर पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। विकास का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे, यही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

लखीसराय में हुए दर्दनाक हादसे में 7 महिलाओं की मृत्यु पर सियासी दलों ने जताया शोक

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। लखीसराय की हृदयविदारक घटना में 7 महिलाओं के निधन पर सियासी दलों के नेताओं ने शोक जताया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, बिहार के लखीसराय में हुई घटना हृदयविदारक है।इस दुःखद हादसे से मन व्यथित है। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने एवं शोकाकुल परिजनों को कठिन घड़ी में संबल देने की प्रार्थना करता हूं। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने लखीसराय में भगदड़ के दौरान श्रद्धालुओं की मौत पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ह्लमर्माहत हूं। ॐ शांति। श्रावण सोमवार के अवसर पर आज सुबह लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु की सूचना से मन व्यथित है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, हम सभी की संवेदनाएं शोकाकुल परिवारजनों के साथ हैं। ईश्वर से उन्हें यह अपार दुख सहने की शक्ति प्रदान करने और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करने की प्रार्थना करता हूं।

जदयू नेता राजीव रंजन ने कहा, यह बेहद दुखद घटना है और कई श्रद्धालुओं की मौत की खबर दिल दहला देने वाली है। एसडीपीओ ने कुछ अफवाहों का जिक्र किया है, लेकिन जब तक सरकार पूरे घटनाक्रम पर अपना आधिकारिक पक्ष नहीं रखती, तब तक कुछ भी पक्के तौर पर कहना ठीक नहीं होगा।

बिहार सरकार में मंत्री श्रेयसी सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, लखीसराय की हृदयविदारक घटना में 7 महिलाओं के निधन से मन अत्यंत व्यथित है। प्रभु दिवंगत आत्माओं को श्रीचरणों में स्थान दें, परिजनों को धैर्य तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य प्रदान करें। बिहार के सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने लिखा,लखीसराय में हुए दर्दनाक हादसे में 7 महिलाओं की मृत्यु की खबर अत्यंत हृदयविदारक है। इस दुखद घटना में दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि और शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

गिरिराज बोले-सभी लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं: लखीसराय। लखीसराय जिले के अशोकधाम मंदिर में सोमवार को हुई भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत पर

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, मैं इस घटना में घायल या प्रभावित हुए सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। कृपया अफवाहें न फैलाएं; ऐसी दुर्घटनाएं अफवाहों के कारण ही होती हैं। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, यह बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली घटना है।

बिहार सरकार ने तुरंत उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि घायलों को जल्द और सही इलाज मिले। जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

मंत्री श्रवण कुमार ने हादसे पर पर जताया शोक: बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, यह घटना बहुत दुखद है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे इस मुश्किल समय में जान गंवाने वालों के परिवारों को हिम्मत दें।

सभी धर्मों और आस्थाओं के लोगों को थोड़ा संयम बरतना चाहिए। ऐसा लगता है कि लोग जल्दबाजी में हैं और बहुत घबराहट है। जल्दबाजी करने के बजाय, श्रद्धालुओं को नियमों का पालन करना चाहिए, कतार में रहना चाहिए और सभी बातों का ध्यान रखते हुए प्रार्थना करनी चाहिए।

हादसा बेहद दर्दनाक और दुखद: जदयू नेता नीरज कुमार ने कहा, लखीसराय में एक ऐतिहासिक और पर्यटन स्थल, अशोक धाम में यह घटना तब हुई जब भक्त भगवान महादेव की पूजा कर रहे थे और भीड़ का दबाव अचानक और अनावश्यक रूप से बढ़ गया। यह बेहद दुखद और दर्दनाक है कि लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए।

बता दें कि सावन के तीसरे सोमवार पर लखीसराय के अशोक धाम मंदिर के पास भगदड़ मची। इसमें कई श्रद्धालु फंस गए और एक-दूसरे के नीचे दब गए, जिसके चलते कम से कम 7 महिलाओं की मौत हो गई। 12 से अधिक श्रद्धालु घायल हुए हैं। सभी का अस्पताल में इलाज जारी है।

घटना अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक : चिराग-केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एक्स पर पोस्ट किया, अशोक धाम मंदिर, लखीसराय में हुई हृदयविदारक भगदड़ की घटना अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। श्रद्धालुओं की असमय मृत्यु की खबर से मन गहरा आहत है। इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएं दिवंगत श्रद्धालुओं के परिजनों के साथ हैं। ईश्वर पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवारों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं कुशलता की ईश्वर से प्रार्थना है।

श्रद्धालुओं के निधन का समाचार बेहद पीड़ादायक। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने एक्स पर पोस्ट किया, अशोकधाम मंदिर, लखीसराय में हुई दुखद भगदड़ की घटना से मन व्यथित है। इस हादसे में श्रद्धालुओं के निधन का समाचार बेहद पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवारों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। हादसे में घायल सभी श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे पर जताया दुख

पटना। लखीसराय जिले के अशोकधाम मंदिर में सोमवार को हुई भगदड़ को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने दुख व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, अशोक धाम मंदिर, लखीसराय में हुई भगदड़ के कारण हुई जनहानि से मैं अत्यंत दुखी हूं। इस हृदयविदारक घटना में जान गंवाने वाले सभी लोगों के शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि इस घटना से प्रभावित सभी लोगों को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करें।

सात की असामयिक मृत्यु के समाचार से मर्माहत हूं : तेजस्वी

बिहार सरकार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट में कहा, सावन के तीसरे सोमवार पर बिहार के लखीसराय जिले के अशोक धाम (इंद्र दमनेश्वर महादेव मंदिर) में जलाभिषेक के दौरान बिजली का तार गिरने से फैले करंट, मची अफरा तफरी और भगदड़ से हुए दुखद हादसे में अनेक श्रद्धालुओं के घायल होने व 7 की असामयिक मृत्यु के समाचार से मर्माहत हूं। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की उचित सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन नहीं होना एनडीए सरकार की प्रशासनिक कुव्यवस्था का परिचायक है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं तथा मृतकों को श्रद्धांजलि! सरकार मृतकों के परिजनों को मुआवजा राशि एवं घायलों के त्वरित इलाज की व्यवस्था करें। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं।

जांच के बाद जिम्मेदार लोगों पर होगी कार्रवाई : विजय

- लखीसराय भगदड़: मंत्री विजय कुमार सिन्हा घटनास्थल के लिए रवाना

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को भगदड़ की घटना में 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। इस पर स्थानीय विधायक और बिहार सरकार में मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वे खुद घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। घटना की जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होगी। लखीसराय भगदड़ पर बिहार के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, यह बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं भी वहां जा रहा हूं। यह घटना मंदिर परिसर के बाहर एक खंभे और बिजली के तारों के गिरने के बाद हुई। लोगों ने अफवाह फैला दी कि बिजली का करंट दौड़ रहा है, जिससे भगदड़ मच गई।

उन्होंने बताया कि हमने जिला मजिस्ट्रेट और मंदिर प्रशासन से बात की है। हम हालात का जायजा लेने वहां जा रहे हैं। घटना की जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होगी। मैंने मुख्यमंत्री से भी बात की है। हमने प्रशासन को निर्देश दिया है कि मेडिकल इंतजामों को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाए।

विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि सुबह 5 बजे बात हुई थी, उस समय तक सारी स्थिति सामान्य थी। उन्होंने कहा, हमारी तरफ से अशोक धाम में एक राहत शिविर चलाया जाता है। मैंने वीडियो कॉल करके देखा था, सब सामान्य स्थिति थी। यह 6-6.30 बजे के बाद की घटना है। पीड़ितों में अधिकतर स्थानीय लोग हैं। पीड़ित परिवार को निश्चित रूप से सहायता दी जाएगी और सरकार उनके साथ खड़ी रहेगी।

नौकरी एवं रोजगार के क्षेत्र में एनडीए सरकार लगातार उठा रही ठोस कदम : श्रवण

- जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में मंत्री श्रवण कुमार ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने सोमवार को प्रदेशभर के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों से दूरभाष के माध्यम से बात कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य रूप से बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी एवं कार्यक्रम के समन्वय के लिए पार्टी के प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी श्री सुमित कुमार सिंह भी मौजूद रहे। इस अवसर पर श्री श्रवण कुमार ने लखीसराय के अशोक धाम में हुई भगदड़ की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है, जिससे बिहार सहित पूरा देश मर्माहत है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की।

उन्होंने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए श्री श्रवण कुमार ने कहा कि राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। जो भी लोग गलत करते हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। नौकरी और रोजगार के सवाल पर उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। विभिन्न विभागों में लगातार बहाली की प्रक्रिया चल रही है और आगे भी रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार लगातार कदम उठाती रहेगी।

ईओयू का विस्तार होगा क्षेत्रीय स्तर पर, बॉर्डर जिलों में बनेंगे अलग इकोनॉमिक रेंज : एडीजी

- आर्थिक अपराध इकाई के एडीजी ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी, 12 क्षेत्रीय इकाई बनाने की तैयारी

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। राज्य में आर्थिक अपराध से जुड़े मामलों का निपटारा करने के लिए गठित आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) का विस्तार अब मुख्यालय से बाहर निकलकर क्षेत्रीय स्तर पर होगा। राज्यभर में ईओयू के 12 क्षेत्रीय इकाई बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके अलावा सीमावर्ती जिलों में अलग से आर्थिक रेंज बनाने की योजना है। यह जानकारी ईओयू के एडीजी अमित कुमार जैन ने पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में पुलिस निरीक्षक रैंक के एक-एक पदाधिकारी को पुलिस निरीक्षक आर्थिक अपराध के तौर पर नामित करने के लिए सभी जिलों के कप्तानों को निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में आर्थिक अपराध पर नकेल कसने के लिए कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण देने के साथ ही जरूरत के मुताबिक कुछ नई इकाईयों का भी गठन किया जा रहा है। हाल में बौद्धिक संपदा अपराध और संपत्ति समपहरण एवं राजसात शाखा का गठन किया गया है। इनमें कॉपी राइट और ट्रेडमार्क से जुड़े मामलों की पड़ताल की जाती है। अब तक बौद्धिक संपदा से जुड़े दो-तीन मामले सामने आए हैं, जिनकी जांच चल रही है। एडीजी ने कहा कि अपराध की बदौलत अकूत संपत्ति जमा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की पहल लगातार जारी है। इसी क्रम में पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट) के अंतर्गत कार्रवाई करने के लिए ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) को 10 अपराधियों एवं भ्रष्टाचारियों के खिलाफ प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें 108 करोड़ रुपये से अधिक की राशि शामिल है। अब तक ईडी को करीब 250 अपराधियों की संपत्ति पीएमएलए के तहत जब्त करने का प्रस्ताव भेजा गया है। इनमें बड़ी संख्या में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई भी हो चुकी है और शेष के खिलाफ कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

एडीजी ने कहा कि नीट परीक्षा 2026 में पेपर लीक मामले में बिहार में 4 कांड दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच ईओयू में चल रही है। इन मामलों में अब तक 33 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। हाल में गिरियक थाना के मुख्य अभियुक्त डॉ. उज्जवल राज, डॉ. रविशंकर और उनके भाई अश्विनी कुमार को गिरफ्तार किया गया है। डॉ. रविशंकर पावापुरी स्थित भगवान महावीर इंस्टिच्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में पढ़ता है। इनके ठिकानों पर छापेमारी के दौरान एडमिट कार्ड, फर्जी प्रमाण-पत्र एवं दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, बैंक चेक, पासबुक, पहचान-पत्र, 2 लाख नकद, डिजिटल उपकरण समेत अन्य चीजें शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई में ईओयू ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। डीए केस में 4 मामले दर्ज कर कार्रवाई की गई है। इसके अलावा संगठित अपराध के खिलाफ भी बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई है। इसमें संजय कुमार उर्फ संतोष कुमार यादव और उसके साथियों के खिलाफ कार्रवाई की घई है। इसके खिलाफ फतुहा, खुसरूपुर (पटना), भागनबिगहा, सोहसराय, रहुई (नालंदा) समेत अन्य जिलों के विभिन्न थानों में फर्जी दस्तावेज तैयार कर आपराधिक बल प्रयोग से भूमि पर अवैध कब्जा करने, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से रंगदारी कर धन उगाही समेत अन्य कई अपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा संगठित अपराध में शामिल एक अन्य अपराधी गुड्डू यादव और उसके गिरोह के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त दूसरे जिलों में भी जमीन माफिया समेत अन्य संगठित गिरोह के अपराधियों को दबोचने की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

प्रेस वार्ता में मौजूद डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने कहा कि केंद्रीय सिपाही चयन पर्षद भर्ती 2023 पेपर लीक मामले में अब तक 7 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। हाल में जन्मेजय तिवारी को गिरफ्तारी किया गया है, जो अग्निशामक विभाग में चालक सिपाही है।

इसी ने अभ्यर्थियों को उत्तर कुंजी उपलब्ध कराई थी। बिहार लोक सेवा आयोग के स्तर से आयोजित एईजीओ परीक्षा से संबंधित कार्रवाई में 3 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है। इसमें राज समदर्शी (पेपर सेटर गिरोह), अभिषेक कुमार और रितेश कुमार (बायोमीट्रिक सुपरवाइजर) शामिल हैं। इसके अलावा टीआरई-3.0 परीक्षा पेपर लीक मामले में अब तक 296 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

शिक्षकों के लंबित मामलों को शून्य पर लाएं: शिक्षा मंत्री

- शीघ्र भरे जाएंगे लाइब्रेरियन के रिक्त पद

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने विभागीय अधिकारियों को शिक्षकों के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया है। श्री तिवारी ने सोमवार को विकास भवन स्थित मदन मोहन सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक कर विभिन्न कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि 5 सितम्बर के बाद ऑफलाइन आवेदन बंद कर दिए जाएंगे। अब सभी शिक्षकों को ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर ही आवेदन देना होगा। समीक्षा बैठक में संस्कृत और मदरसा शिक्षकों के सात माह के बकाये वेतन के भुगतान की समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 5 सितम्बर से पहले बकाये वेतन के भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने की दिशा में तेजी से काम किया जाए। जिन विद्यालयों की भूमि पर अतिक्रमण है, उसे मुक्त कराया जाएगा। साथ ही संस्कृत शिक्षा के विकास और उत्थान के लिए एक समिति गठित की जाएगीजिसमें संस्कृत विषय के विद्वानों को भी शामिल किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि 19 सितम्बर को पटना के ज्ञान भवन में सरस्वती विद्या निकेतनह्ल के रूप में कार्यरत मॉडल स्कूलों के प्रधानाध्यापकों की कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

गरीब विरोधी है सूबे की एनडीए सरकार : तेजस्वी

- राजद कार्यालय में मनी दशरथ मांझी की पुण्यतिथि

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय के कपूर्री सभागार में पर्वत पुरूष दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि हजारों लोगो की उपस्थिति में मनायी गयी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के श्री दीपक कुमार मांझी ने की, जबकि संचालन मंटू मांझी ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जो काम किसी ने नहीं किया वो काम दशरथ मांझी ने करके दिखा दिया और समाज के लिए मिषाल कायम की। आज जो भी लोग और पार्टी उनके नाम पर राजनीति करते हैं लेकिन उन्होने उस समाज के भलाई के लिए कोई काम नहीं किया। भाजपा, जदयू और एनडीए के नेता अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं। उनका योगदान समाज के लिए बहुत बड़ा रहा है। आगे कहा कि लालू प्रसाद ने गरीब, वंचित, दलित और महादलित समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। लालू जी ने हमेषा कहा है कि समाज में पढ़ाई, लिखाई आवष्यक है और इसके लिए सरकार में बैठे हुए लोगों को इस समाज के प्रति भेदभाव की नीति समाप्त करनी होगी। आज सत्ता के माध्यम से गरीब और दलित के साथ भेदभाव की नीति अपनाई जा रही है तेजस्वी ने आगे कहा कि लालू जी और राजद की ओर से दलित और गरीब को बसाने का काम किया जाता था, जबकि आज भाजपा और एनडीए की सरकार उजाड़ने का काम कर रही है। बिहार में गरीबों के साथ अन्याय करने वाली सरकार है। ऐसी अन्यायी सरकार को छोड़ने की नहीं बल्कि तोड़ने की आवष्यकता है, क्योकि दषरथ मांझी जी का संकल्प था कि जब तक तोड़ेगें नही तब तक छोड़ेगें नहीं। उन्होंने दशरथ मांझी की आदमकद प्रतिमा पटना के किसी चैराहे पर लगाये जाने की मांग की । प्रदेश राजद अध्यक्ष, मंगनी लाल मंडल ने कहा कि दशरथ मांझी जी के संकल्पों और कार्यो को सरजमींन पर उतारने की आवष्यकता है,। एजाज अहमद ने बताया की कार्यक्रम शुरू होने से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने दषरथ मांझी जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों और सकल्पों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

गया इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के लिये सड़क, पानी की व्यवस्था 2027 से पहले होगी पूरी, सोन से फल्गू में आयेगा पानी: सम्राट

मुख्य बिंदु :-

- राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से शामिल हुये मुख्यमंत्री, बिहार में उद्योग और पर्यटन से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नई दिल्ली स्थित अशोका होटल में आयोजित राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट की शीर्ष मॉनिटरिंग अथॉरिटी की तृतीय बैठक में शामिल हुए। बैठक का आयोजन भारत सरकार के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक में बिहार में चल रही एवं प्रस्तावित विभिन्न औद्योगिक, आधारभूत संरचना तथा पर्यटन परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष रूप से गया में विकसित किए जा रहे इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर परियोजना के संबंध में चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईएमसी, गया परियोजना के लिए भूमि से संबंधित रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि परियोजना क्षेत्र में सड़क एवं जलापूर्ति से संबंधित आवश्यक कार्यों को वर्ष 2027 से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि औद्योगिक गतिविधियों के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो सकें। सोन नदी को फल्गू नदी से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके तहत लगभग 9 किलोमीटर पाइपलाइन तथा लगभग 22 किलोमीटर नहर की खुदाई के माध्यम से दोनों नदियों को जोड़ा जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद गया क्षेत्र में जल की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने ह्वभव्याह्ल योजनाह्ल के तहत दरभंगा एवं मुजफ्फरपुर में प्रस्तावित परियोजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से संबंधित कार्यों को एक माह के भीतर पूराह्ल करने की दिशा में तेजी से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बिहार में औद्योगिक विकास के साथ-साथ धार्मिक एवं बौद्ध पर्यटन को भी व्यापक रूप से विकसित कर रही है। विष्णुपद मंदिर तथा बोधगया कॉरिडोर के कार्यों को भी शीघ्र पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इन परियोजनाओं की लगातार समीक्षा कर रहे हैं और सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में औद्योगिक विकास, आधारभूत संरचना, जलापूर्ति तथा पर्यटन से जुड़ी परियोजनाओं को गति देकर राज्य में निवेश, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की नियमित समीक्षा कर उनके समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित कर रही है।

बैठक में विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह, उद्योग विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम सम्राट ने स्वतंत्रता सेनानी स्व देवशरण सिंह को उनके जन्म दिवस के अवसर पर किया नमन

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री शसम्राट चौधरी ने स्वतंत्रता सेनानी स्व देवशरण सिंह जी को उनके जन्म दिवस पर आयोजित राजकीय समारोह में बिहार विधानमंडल मुख्य द्वार संख्या-10 के उत्तर पार्क में स्थापित उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और अपनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार, बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, बिहार विधान परिषद् के उपसभापति रामवचन राय, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, स्वतंत्रता सेनानी स्व देवशरण सिंह के सुपौत्र एवं विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक उमेश कुशवाहा, विधायक श्याम रजक, विधायक राधाचरण साह, विधायक वशिष्ठ सिंह, विधायक रामसेवक सिंह, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, विधान पार्षद रीना देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भी स्व देवशरण सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती-पूजन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान, बिहार गीत एवं देश भक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

संक्षिप्त खबरें

केनरा बैंक ने छात्राओं को प्रदान की छात्रवृत्ति

दरभंगा। केनरा बैंक की दरभंगा दिल्ली मोड़ शाखा की ओर से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत संचालित ह्यकेनरा विद्या ज्योति योजनाह्ल के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। योजना के तहत राजकीय मध्य विद्यालय, लक्ष्मीसागर की तीन तथा केंद्रीय विद्यालय संख्या-2, दरभंगा की तीन छात्राओं को वित्तीय सहायता दी गई। इस अवसर पर केनरा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक ज्ञानेन्द्र प्रभात एवं अधिकारी कैलाश कुमार साह ने कक्षा 5, 6 एवं 7 में से प्रत्येक कक्षा की एक छात्रा को 3,000 रुपये तथा कक्षा 8, 9 एवं 10 में से प्रत्येक कक्षा की एक छात्रा को 5,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की। छात्रवृत्ति मिलने से छात्राओं में उत्साह एवं खुशी देखी गई। उन्होंने इस सहयोग के लिए केनरा बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया। राजकीय मध्य विद्यालय, लक्ष्मीसागर के प्रधानाध्यापक शिव शंकर कुमार एवं केंद्रीय विद्यालय संख्या-2, दरभंगा के प्राचार्य ऋषि रमण ने बैंक की इस सामाजिक पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि केनरा विद्या ज्योति योजना आर्थिक रूप से जरूरतमंद एवं मेधावी छात्राओं को शिक्षा जारी रखने और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। ऐसी पहल छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

आरोपी को भेजा न्यायिक हिरासत में

मनीगाछी(दरभंगा) ।बहेड़ा थाना क्षेत्र के अधलोआम गांव निवासी चंदन कुमार यादव को गिरफ्तार कर सोमवार को मनीगाछी थानाध्यक्ष ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह के अनुसार चंदन कुमार यादव के विरुद्ध थाना में कांड संख्या 170/26 दर्ज है, जिसमें अवैध हथियार रखने एवं हत्या के प्रयास का आरोप है। इसकी गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के महथौर चौक से की गई है।

तीसरी सोमवारी पर शिवनगरी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम,एसपी साक्षी कुमारी ने मोर्चा संभाला

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा) ।सावन की तीसरी सोमवारी को लेकर बाबाधाम कुशेश्वरस्थान में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने के साथ ही प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है .रविवार दोपहर से ही ग्रामीण एसपी साक्षी कुमारी शिवनगरी में डेरा डाले हुए हैं . उन्होंने पूरे मेला क्षेत्र का जायजा लिया और विधि-व्यवस्था को लेकर थानाध्यक्ष गौरब प्रसाद को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए .एसपी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन सर्वोच्च प्राथमिकता है .मंदिर परिसर, शिवगंगा घाट, मुख्य मार्ग और बाजार में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है . महिला पुलिस और स्वयंसेवकों को भी लगाया गया है ताकि भीड़ में किसी को परेशानी न हो . वहीं न्यास समिति के अध्यक्ष सह एसडीओ शशांक राज और उपाध्यक्ष सह एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी भी देर शाम तक मेला क्षेत्र में मौजूद रहे .उन्होंने सफाई, बैरिकेटिंग, ट्रैफिक और पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया ।

महिला एसोसिएट बायर्स और लीडर्स को मिला सम्मान

मधुबनी। हर नारी सम्मान की अधिकारी की थीम पर आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित स्पेशल वूमेन्स एकेडमी 2026 के दो दिवसीय कार्यक्रम में मधुबनी सहित देशभर से महिला एसोसिएट बायर्स और लीडर्स ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मान देने के साथ स्वास्थ्य, नेतृत्व, आत्मविश्वास, खेल भावना और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना रहा। स्पेशल वूमेन्स एकेडमी के पहले दिन आयोजित सम्मान समारोह में महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया। जबकि दूसरे दिन खेल गतिविधियों को विशेष स्थान दिया गया।

इस अवसर पर आरसीएम के संस्थापक टी सी छाबड़ा ने कहा कि वूमेन्स एकेडमी 2026 में देशभर से आई महिला एसोसिएट बायर्स और लीडर्स की उपलब्धियों को देखकर यह विश्वास और मजबूत होता है कि सही अवसर मिलने पर महिलाएँ अपनी क्षमता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती हैं। हमारा प्रयास आगे भी यही रहेगा कि हर महिला को आगे बढ़ने, आत्मनिर्भर बनने और अपने साथ दूसरों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर मिले।

सेवा-संवाद-समाधान में डीएम ने सुनी जनसमस्याएँ अधिकारियों को समयबद्ध निष्पादन का निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में सोमवार को जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के तहत आयोजित ह्यसबका सम्मान जीवन आसानह्ल कार्यक्रम में आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, अतिक्रमण, रास्ता अवरुद्ध करने, स्थानांतरण, ग्राम रक्षा दल के प्रशिक्षण सहित विभिन्न मामलों से संबंधित आवेदन जिलाधिकारी को सौंपे।लखनौर प्रखंड की दीप पूर्वी पंचायत निवासी सुनीला कुमारी ने पड़ोसियो द्वारा सरकारी जमीन पर घर बना लिए जाने तथा रास्ता अवरुद्ध किए जाने की शिकायत की। वहीं प्रखंड कार्यपालक सहायक संजय कुमार ने स्थानांतरण से संबंधित आवेदन दिया। झंझारपुर निवासी देवेंद्र नारायण ने वासडीह के तहत तीनों हिस्सेदारों के बीच आपसी बंटवारे में एक हिस्सेदार द्वारा अपने हिस्से से अधिक जमीन पर जबरन कब्जा कर मकान बनाए जाने तथा अन्य हिस्सेदारों को उनके हिस्से की जमीन नहीं दिए जाने की शिकायत की। इसके अतिरिक्त ग्राम रक्षा दल के सदस्यों ने आगामी 30 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किए जाने की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के पदाधिकारी भी अपने-अपने कार्यालय कक्षों में उपस्थित रहे और आमजनों से प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की।जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन किया जाए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर का आयोजन किया जाता है। यह पूरी तरह डिजिटल व्यवस्था है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को दर्ज करा सकते हैं तथा उनका निर्धारित अवधि में निष्पादन किया जाता है। जिलाधिकारी ने आम नागरिको से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आरटीएमएस ह्यसहयोगह्ल व्यवस्था के माध्यम से घर बैठे आवेदन करें। इसके लिए सहयोग की सरकारी वेबसाइट पर जाकर शिकायत अथवा समस्या दर्ज कराई जा सकती है।

सौर ऊर्जा के नक्शे पर चमकेगा दरभंगा, सिटी एक्सेलेरेटर प्रोग्राम में शामिल : संजय सरावगी

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। केंद्र सरकार की ह्यपीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजनाह्ल के तहत संचालित ह्यसिटी एक्सेलेरेटर प्रोग्रामह्ल में अब दरभंगा, गया, मुंगेर और भागलपुर को शामिल किया गया है। इससे बिहार में इस कार्यक्रम से जुड़े शहरों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। पहले पटना, मुजफ्फरपुर और नालंदा इसमें शामिल थे। इस उपलब्धि पर बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे दरभंगा और मिथिलांचल के लिए स्वच्छ एवं आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि दरभंगा को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए उन्होंने राज्य के ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल से विशेष आग्रह किया था। इसके बाद राज्य सरकार ने 6 जुलाई 2026 को केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय को अनुशंसा भेजी थी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बिहार के ऊर्जा मंत्री को पत्र भेजकर दरभंगा सहित चार शहरों को कार्यक्रम में शामिल किए जाने की जानकारी दी। सिटी एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के तहत रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिए नगर निकायों और बिजली वितरण कंपनियों को तकनीकी सहयोग, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण तथा जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। इससे सरकारी, व्यावसायिक और निजी भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की प्रक्रिया आसान होगी और बिजली बिल में कमी आएगी। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और राज्य के ऊर्जा मंत्री के प्रति आभार जताया।

महिला विकास मंच के जयनगर कार्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

तिरंगे की शान में एकजुट हुआ जयनगर, शहीदों को किया गया नमन

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर 15 अगस्त को देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महिला विकास मंच, मधुबनी के जयनगर कार्यालय में गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान महिला विकास मंच की जिला उपाध्यक्ष शोभा देवी ने राष्ट्रध्वज का झंडोत्तोलन किया। झंडोत्तोलन के बाद उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान ह्यजन गण मनह्ल गाया और तिरंगे को सलामी दी।महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सेवा के संकल्प के साथ मनाया राष्ट्रीय पर्वसमारोह में देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। पत्रकार, साहित्यकार, समाजसेवी, स्थानीय गणमान्य नागरिक, महिलाएं, बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे परिसर में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का वातावरण बना रहा।महिला विकास मंच की जिला उपाध्यक्ष शोभा देवी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश के वीर सपूतों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि महिला विकास मंच महिलाओं के सशक्तीकरण, जागरूकता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। जरूरतमंद लोगों की सहायता तथा समाज में एकता, भाईचारा और सहयोग की भावना को मजबूत करना मंच की प्राथमिकताओं में शामिल है।उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में समाज के प्रत्येक वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाओं, युवाओं और बच्चों को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हुए देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। मौके पर रोटी बैंक की सभी सदस्य भी उपस्थित रहीं। बच्चों एवं बुजुर्गों की सहभागिता ने समारोह को और भी भावपूर्ण बना दिया। उपस्थित लोगों ने देश की सुख-समृद्धि, शांति, एकता और अखंडता की कामना की।कार्यक्रम का समापन स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं एवं राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

सीमावर्ती ग्रामीणो के लिए सात दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण शुरू

- 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल ने नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत किया आयोजन, साइबर ठगी से बचाव के लिए भी किया जागरूक

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की ओर से नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती ग्रामीणों को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता से जोड़ने के उद्देश्य से सात दिवसीय मत्स्य पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। एफ समवाय कमला की बाह्य सीमा चौकी उसराही में आयोजित प्रशिक्षण 17 से 23 अगस्त तक चलेगा। इसमें उसराही एवं भदौरा गांव के 17 ग्रामीण प्रशिक्षण ले रहे हैं। रमा फाउंडेशन, मधुबनी के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण में मत्स्य पालन विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ ग्रामीणों को तकनीकी जानकारी देंगे। उद्घाटन सामूहिक वंदे मातरम् गायन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।रमा फाउंडेशन के निदेशक देवेश पांडेय ने प्रशिक्षण की रूपरेखा बताई। मत्स्य विकास पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने मत्स्य पालन से जुड़ी सरकारी योजनाओं एवं उपलब्ध सहायता की जानकारी दी। कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन अपनाकर ग्रामीण अतिरिक्त आय एवं स्वरोजगार का साधन विकसित कर सकते हैं। उन्होने प्रशिक्षणार्थियो से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने की अपील की। उप कमांडेंट विमल गुप्ता ने ग्रामीणों को साइबर ठगी के प्रति भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व सशस्त्र सीमा बल के नाम का दुरुपयोग कर ठगी कर रहे है। उन्होंने संदिग्ध फोन कॉल एवं संदेशों पर व्यक्तिगत या बैंक संबंधी जानकारी साझा नही करने की अपील की। प्रशिक्षण में ग्रामीणों को मछली पालन की वैज्ञानिक तकनीक, तालाब प्रबंधन, मत्स्य बीज, आहार, रोग नियंत्रण एवं उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में बल के अधिकारी-कर्मचारी, रमा फाउंडेशन के प्रतिनिधि, मत्स्य विभाग के पदाधिकारी एवं 17 प्रशिक्षणार्थी ग्रामीण उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति टोलों में योजनाओं की शत-प्रतिशत पहुंच को लेकर कल से निकलेगी कलश यात्रा

मधुबनी। संत शिरोमणि गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान के तहत अनुसूचित जाति आबादी वाले टोलों में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं जनसुविधाओं का शत-प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की ओर से व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला कल्याण कार्यालय के तत्वावधान में 18 अगस्त से कलश यात्रा का शुभारंभ होगा।कलश यात्रा का आयोजन 18 से 20 अगस्त तक जिला से पंचायत स्तर तक किया जाएगा। इसके तहत निर्धारित मार्ग से मंगलवार को जिला स्तरीय कलश यात्रा भी निकाली जाएगी। अभियान के माध्यम से अनुसूचित जाति टोलों में सामाजिक समरसता, जागरूकता एवं सरकारी योजनाओं की पहुंच को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।प्रत्येक गुरुवार लगेगा संत रविदास विकास शिविरअभियान के अगले चरण में 27 अगस्त 2026 से 15 फरवरी 2027 तक प्रत्येक गुरुवार अनुसूचित जाति टोलों में श्री संत रविदास विकास शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के साथ प्राप्त आवेदनों का निष्पादन तथा योजनाओं से संबंधित लाभ एवं अधिकार का वितरण किया जाएगा। शिविरों में राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, विद्यालय नामांकन, आंगनबाड़ी, जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, कौशल विकास, ई-श्रम कार्ड, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, वास-भूमि एवं बंदोबस्ती, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, हर घर नल-जल, मनरेगा, बिजली कनेक्शन, जीविका एवं स्वच्छता समेत विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। युवाओं और विद्यार्थियों को भी जोड़ेगा अभियानअभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सितंबर-अक्टूबर 2026 में आईईसी वैन का संचालन किया जाएगा। वहीं युवाओं एवं विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए खेल प्रतियोगिता, साइकिल रैली, वाद-विवाद, निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसके अलावा एआई, 3डी प्रिंटिंग एवं इंडस्ट्री 4.0 जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों से संबंधित कौशल विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रशासन का उद्देश्य अभियान के माध्यम से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ अनुसूचित जाति टोलों के पात्र परिवारों तक सरकार की योजनाओं, सुविधाओं एवं सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है।

विकसित भारत बनाने में योगदान दें : प्रो बीबीएल दास

- एमबीए का सत्राआरंभ कार्यक्रम का समारोह पूर्वक हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। प्रबंधन की आवश्यकता जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में है। समय प्रबंधन, वित्त प्रबंधन, उपलब्ध संसाधनों का समुचित प्रबंध कर सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने का प्रयास हम सभी करते हैं। प्रबंधन में मास्टर डिग्री प्राप्त कर आप सभी भविष्य में अच्छे प्रबंधक बन राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें ताकि देश 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। ऐसा उद्बोधन एल० एन० मिथिला विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग में एमबीए के नए सत्र के छात्रों के दीक्षारम्भ कार्यक्रम में वाणिज्य के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रोफेसर बी० बी० एल० दास ने बतौर मुख्य अतिथि रखा। मालूम हो कि सत्र 2026-28 के एमबीए में नामांकित छात्रों का दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन विभागीय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मंचासीन अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर उनके स्वागत से हुआ। परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलन के पश्चात विभागीय शिक्षिका डॉक्टर निर्मला कुशवाह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। डॉक्टर संजय कुमार ठाकुर के द्वारा विभाग का संक्षिप्त परिचयात्मक विवरण प्रस्तुत करने के पश्चात छात्रों की उपस्थिति प्रोफेसर श्याम कुमार ने ली। छात्र विभाग में उपलब्ध संसाधनों का समुचित लाभ लेंगे, उनके वर्गों में शत प्रतिशत सहभागिता रहेगी, विभाग के मूल्यों का संवहन करेंगे, अपने उद्बोधन में विभागाध्यक्ष सह निदेशक डॉ राज कुमार शाह ने ऐसी आशा व्यक्त की। विभाग के सभी संकाय सदस्यों से छात्रों का परिचय हुआ। डॉक्टर संजय कुमार झा ने छात्रों को जीवन की नई शुरूआत और लक्षित मंजिल प्राप्त करने की शुभकामना व्यक्त की। विभागीय पुस्तकालय तथा अन्य संबंधित जानकारी पुस्तकालय प्रभारी डॉक्टर आशीष कुमार झा ने दी। कार्यक्रम में नामांकित सभी छात्र-छात्राओं, विभागीय शिक्षकों तथा शिक्षकेत्तर कर्मियों की उपस्थिति रही। अंत में विभाग के वाणिज्य के एसोसिएट प्रोफेसर व प्रबंध कार्यक्रम के उप-निदेशक डॉक्टर दिवाकर झा के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया । मंच का संचालन सीनियर रिसर्च फेलो पायल कुमारी ने किया।

एसएच-88 पर सड़क हादसा : सिमरिया धाम से गंगाजल लेकर लौट रहे चार युवक घायल, दो की हालत गंभीर

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। सिमरिया धाम से गंगाजल लेकर कुशेश्वरस्थान महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने के बाद अपने गांव के महादेव मंदिर में जल चढ़ाने लौट रहे चार युवक सोमवार को सड़क हादसे में घायल हो गए। दुर्घटना रत्न-88 मुख्य सड़क पर पेट्रोल पंप के समीप हुई। हादसे में दो युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घनश्यामपुर प्रखंड के बेला पौहद्दी गांव से चार युवक सिमरिया धाम गंगाजल लेने गए थे। वहां से गंगाजल लेकर कुशेश्वरस्थान महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक किया। इसके बाद सभी अपने गांव स्थित महादेव मंदिर में जल चढ़ाने के लिए वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रत्न-88 पर पेट्रोल पंप के समीप उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में नीरज कुमार राम, निवासी घनश्यामपुर, अनिल कुमार साह तथा सोनू कुमार (करीब 25 वर्ष), निवासी बेला पौहद्दी समेत चार युवक घायल हुए हैं। चौथे घायल युवक की पहचान आधार कार्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण तत्काल नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल बेनीपुर अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सभी घायलों को डीएमसीएच, दरभंगा रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि घायलों में दो युवकों की हालत गंभीर है। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए। वहीं, बहेड़ा थानाध्यक्ष ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को थाना ले जाकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है।

चीनी मिलों के पुनः संचालन से बढ़ेगी किसानों की आय, रोजगार के अवसर भी होंगे सृजित : मंत्री

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। गन्ना किसानों की समृद्धि एवं गन्ना क्षेत्र के विकास को लेकर प्रेक्षागृह, दरभंगा में गन्ना उद्योग विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में एक दिवसीय गन्ना किसान संगोष्ठी सह प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। उद्घाटन गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को पाग, चादर एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर, विधायक मुरारी मोहन झा, राजेश कुमार मंडल, सुजीत कुमार सिंह, ईखायुक्त अनिल कुमार झा, जिलाधिकारी कौशल कुमार सहित विभागीय पदाधिकारी एवं वैज्ञानिक मौजूद रहे। मंत्री संजय कुमार ने कहा कि करीब 30 वर्षों से बंद पड़ी चीनी मिल को पुनः चालू किया जाएगा और 20 नवंबर 2026 को इसकी आधारशिला रखी जाएगी। रैयाम एवं सकरी चीनी मिलों के पुनः संचालन से मिथिला क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ने के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने अधिकारियों को किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा वैज्ञानिकों को गांवों में जाकर आधुनिक तकनीक की जानकारी देने का निर्देश दिया। सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि दोनों चीनी मिलों के पुनः संचालन से गन्ना किसानों को व्यापक लाभ मिलेगा और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने किसानों से मिल संचालन के लिए समय पर गन्ने की फसल तैयार रखने का आह्वान किया। कार्यशाला में किसानों को गन्ना उत्पादन की आधुनिक तकनीक, उत्तम प्रभेद, बीज विकास, यंत्रीकरण, नर्सरी, पोषक तत्व प्रबंधन सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। ईखायुक्त ने बताया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण गन्ना बीज निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। डीएम ने बताया कि दोनों मिल क्षेत्र में अब तक करीब 26 हजार किसानों ने निबंधन कराया है। अंत में उत्कृष्ट एवं प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बेनीपुर से यूएई भेजा गया चार मैट्रिक टन मखाना

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर (दरभंगा)। मिथिला के मखाना कारोबार को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की दिशा में बेनीपुर से महत्वपूर्ण पहल शुरू हुई है। शक्ति नेचुरल एक्सपोर्ट और धरौड़ा स्थित लक्ष्मी गुलाब मखाना के संयुक्त प्रयास से करीब चार मैट्रिक टन मखाना यूएई भेजा जा रहा है। मखाना बेनीपुर से सड़क मार्ग से कोलकाता पहुंचेगा, जहां से यूएई के लिए भेजा जाएगा। इस पहल से स्थानीय स्तर पर मखाना के प्रसंस्करण, पैकिंग और कारोबार के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। धरौड़ा स्थित लक्ष्मी गुलाब मखाना में करीब 40 महिला और पुरुष कर्मी कार्यरत हैं। विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं को गांव में ही रोजगार मिलने से उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। शक्ति नेचुरल एक्सपोर्ट के संचालक अमिताभ सिन्हा ने कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने लक्ष्मी गुलाब मखाना के संचालक भोलानाथ झा और उनकी टीम के सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि बेनीपुर से मखाना का निर्यात शुरू होना किसानों और स्थानीय कारोबारियों के लिए नई संभावनाओं का संकेत है। लक्ष्मी गुलाब मखाना के संचालक भोलानाथ झा ने बताया कि पिछले वर्ष सेना से सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने गांव में मखाना कारोबार शुरू किया। इसका उद्देश्य व्यापार के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कारोबार का विस्तार कर अधिक लोगों को रोजगार से जोड़ने तथा मखाना की खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को बेहतर बाजार, उत्पादन बढ़ाने, प्रसंस्करण व्यवस्था मजबूत करने और निर्यात के आवश्यक मानकों पर ध्यान देने से मिथिला के मखाना कारोबार को नई ऊंचाई मिल सकती है। बेनीपुर से यूएई के लिए मखाना की यह पहली बड़ी खेप स्थानीय किसानों, कारोबारियों और ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार तथा स्वरोजगार की नई संभावनाओं का द्वार खोलने वाली पहल मानी जा रही है।

टीआरई-4 में मैथिली भाषा के शिक्षकों की रिक्तियां होंगी शामिल, मिथिला के अभ्यर्थियों को बड़ी सौगात : सांसद

दरभंगा। मैथिली भाषा शिक्षक अभ्यर्थियों के लिए बिहार सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 के विज्ञापन में मैथिली भाषा के शिक्षकों की रिक्तियों को चिन्हित कर शामिल किए जाने का निर्णय लिया गया है। भाजपा सांसद सह लोकसभा में पार्टी सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने इसे मिथिला क्षेत्र के युवाओं के रोजगार के लिए ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण कदम बताया। सांसद ने बताया कि उन्होंने 5 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी से मुलाकात कर टीआरई में मैथिली भाषा के शिक्षकों के पदों की रिक्तियां निर्धारित करने का आग्रह किया था। इसके बाद शिक्षा मंत्री ने विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।डॉ. ठाकुर के अनुसार शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया है कि मैथिली सहित अन्य भाषाओं की आवश्यक रिक्तियों का आकलन एवं रोस्टर कार्य पूरा कर संबंधित रिक्तियों की अधियाचना शीघ्र बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) को भेजी जाएगी। आगामी शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया टीआरई में इन रिक्तियों को शामिल कर विज्ञापन प्रकाशित करने की प्रक्रिया की जाएगी। उन्होंने बताया कि 16 अगस्त को शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक में भी इस विषय की पुष्टि की गई है। सांसद ने बताया कि टीआरई-4 के लिए पूर्व में 32,388 शिक्षक पदों की अधियाचना बीपीएससी को भेजी जा चुकी है। अब छूटे हुए अन्य विषयों की रिक्तियों को भी टीआरई-4 में शामिल करते हुए संशोधित अधियाचना आयोग को भेजी जाएगी। डॉ. ठाकुर ने मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैथिली को शिक्षक बहाली में शामिल करने की पहल मिथिला के युवाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर साबित होगी। इससे विद्यालयों में मैथिली भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त होगा तथा भाषा के संरक्षण एवं विकास को भी गति मिलेगी।

बिजली कटौती व ब्रेकडाउन से परेशान उपभोक्ताओं की समस्या लेकर सांसद से मिला प्रतिनिधिमंडल

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। मिथिला सहित बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार हो रही बिजली कटौती एवं बार-बार ब्रेकडाउन की समस्या को लेकर विद्यापति सेवा संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा से अरड़िया संग्राम स्थित उनके पैतृक आवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संस्थान की सलाहकार समिति के अध्यक्ष सह मैथिली अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पं. कमला कांत झा ने किया। उनके साथ वरीय सदस्य प्रो. रमेश झा एवं मीडिया संयोजक प्रवीण कुमार झा मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद को बताया कि पिछले करीब एक पखवाड़े से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहने से आम उपभोक्ताओं, विद्यार्थियों, किसानों, छोटे व्यवसायियों एवं बुजुर्गों को काफी परेशानी हो रही है। पं. कमला कांत झा ने कहा कि कई क्षेत्रों में पांच-छह घंटे तक बिजली उपलब्ध नहीं रहने से लोगों में चिंता बढ़ रही है।प्रो. रमेश झा ने कहा कि बार-बार एक-एक घंटे के लिए बिजली बाधित होना तथा हल्की हवा या मौसम में बदलाव के बाद फॉल्ट एवं ब्रेकडाउन की समस्या गंभीर है। वहीं प्रवीण कुमार झा ने तकनीकी जांच, ट्री प्रूनिंग, तार एवं लाइन मेंटेनेंस सहित आवश्यक सुधारात्मक कार्य युद्धस्तर पर कराने की मांग की। सांसद संजय कुमार झा ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं को गंभीरता से सुना और शीघ्र समाधान का भरोसा दिया। इस दौरान उन्होंने विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव डॉ. बैद्यनाथ चौधरी बैजू के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मौके पर पं. कमला कांत झा ने सांसद को वंदना झा की कृति ह्यमैथिली रामायणह्ल भेंट की। सांसद ने मैथिली में रचित इस कृति की सराहना करते हुए वंदना झा को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री से मिले कांटी विधायक, नहरों की बदहाली दूर कर खेतों तक पानी पहुंचाने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पूर्व मंत्री व कांटी विधायक ई.अजीत कुमार ने सोमवार को पटना स्थित मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सरकारी आवास ह्यलोक सेवक आवासह्ण में मुलाकात कर कांटी क्षेत्र की बदहाल नहर व्यवस्था को सुदृढ़ कर किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने की मांग की। विधायक ने मुख्यमंत्री को वीरपुर एवं रामदयालु वितरणी समेत करीब एक दर्जन उप-वितरणियों की जर्जर स्थिति से अवगत कराया। विधायक ने कहा कि नहरों की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण किसानों, विशेषकर गन्ना उत्पादकों, को सिंचाई के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से नहरों का जीर्णोद्धार कराकर नियमित रूप से खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री के भरोसे कांटी क्षेत्र के मतदाताओं को विश्वास दिला चुके हैं कि अगले एक वर्ष में किसानों के खेतों तक नहर का पानी पहुंचाया जाएगा। विधायक की बात सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। मड़वन में चीनी मिल खुलने से गन्ना किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ विधायक ने मड़वन प्रखंड में नया चीनी मिल खोलने के सरकार के निर्णय को शीघ्र अमलीजामा पहनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों के हित में मड़वन में चीनी मिल की स्थापना बेहद जरूरी है। इससे किसानों को गन्ना बेचने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और क्षेत्र में गन्ना उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। विदित हो कि करीब दो माह पूर्व गन्ना विभाग ने मड़वन में नया चीनी मिल खोलने के लिए 50 से 100 एकड़ जमीन चिह्नित करने को लेकर अंचल अधिकारी को पत्र भेजा था।

बिजली के स्टेक तार में दौड़ रहा था करंट छूते ही निजी बिजली कर्मी की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कुढ़नी प्रखंड के तुर्की थाना क्षेत्र स्थित गवसरा गांव में सोमवार सुबह बिजली करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव निवासी सत्य प्रकाश के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची तुर्की थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। बताया गया कि सत्य प्रकाश निजी बिजली कर्मी के रूप में काम करते थे। सोमवार सुबह करीब पांच बजे वह मवेशियों को चारा देने के लिए भूसौल से भूसा निकाल रहे थे। इसी दौरान भूसौल के बगल में लगे बिजली के खंभे के स्टेक तार में अचानक करंट प्रवाहित हो रहा था। भूसा निकालने के दौरान उनका हाथ स्टेक तार से छू गया और उन्हें जोरदार करंट लग गया। करंट का झटका इतना तेज था कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। सत्य प्रकाश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी निशा कुमारी अपने दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ पति के शव से लिपटकर दहाड़ मारकर रोती रहीं। मासूम बच्चों को देखकर वहां मौजूद ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गईं। सूचना के बाद तुर्की थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

एन एच-28 किनारे मिला अज्ञात युवक का शव

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्र अंतर्गत एन एच - 28 पर एक युवक का शव पाए जाने से सनसनी फैल गई। युवक के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह कहां का रहने वाला था या उसके साथ यह घटना कैसे हुई। शिनाख्त के लिए आसपास के सभी थानों को सूचित कर दिया गया है। स्थानीय निवासी मोहम्मद अकबर ने बताया कि सुबह करीब 6:00 बजे ही पुलिस को सूचना दे दी गई थी। पुलिस का कहना है कि कि पुलिस टीम घटनास्थल पर मौजूद हैं और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है, ताकि घटनास्थल से महत्वपूर्ण सुराग मिल सके।

मुजफ्फरपुर स्टेशन पर लगीं चार आधुनिक स्वचालित सीढ़ियां, यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पूर्व मध्य रेल मुख्यालय हाजीपुर में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने विधिवत ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर उन्होंने रेलकर्मियों और यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए पूर्व मध्य रेल की प्रमुख उपलब्धियों और यात्री सुविधाओं के विस्तार की जानकारी साझा की। महाप्रबंधक ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन पर चार आधुनिक स्वचालित सीढ़ियां लगाई गई हैं। इससे स्टेशन पर यात्रियों को प्लेटफार्म बदलने में काफी सहूलियत होगी और विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं एवं दिव्यांग यात्रियों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि पूर्व मध्य रेल के चार अन्य स्टेशनों पर कुल आठ नई लिफ्ट लगाने का कार्य पूरा किया गया है। इसके अलावा चार स्टेशनों पर फुट ओवरब्रिज का निर्माण भी पूरा कराया गया है। यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों के संचालन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से दस स्टेशनों के प्लेटफार्म का उच्चीकरण किया गया है, जबकि एक प्लेटफार्म की लंबाई का विस्तार किया गया है। महाप्रबंधक ने बताया कि यात्रियों को ट्रेनों के आगमन, प्रस्थान और अन्य जरूरी सूचनाएं आसानी से उपलब्ध कराने के लिए पूर्व मध्य रेल के 52 स्टेशनों पर आधुनिक स्वचालित यात्री सूचना प्रणाली स्थापित की गई है। रेलवे की ओर से लगातार यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि स्टेशनों पर यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और बेहतर यात्रा अनुभव मिल सके।

बूढ़ी गंडक में स्नान करने के दौरान दो लोगों की डूबने से मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बूढ़ी गंडक नदी में नहाने के दौरान दो किशोर डूब गए। एसडीआरएफ की टीम शव के तलाश में जुटी है। डूबे किशोरों की पहचान बथना गांव निवासी दिनेश भगत के पुत्र अन्नु कुमार उर्फ कल्लू (14) और मनोहर भगत के पुत्र उज्जवल कुमार (14) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों दोस्त सोमवार सुबह करीब दस बजे बाइक से भुरकुर्वा घाट पर नहाने आए थे। वे घर से बिना किसी को बताए निकले थे। नदी में उतरने के बाद किशोरों को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा। नहाने के दौरान पैर फिसलने के कारण गहरे पानी में चले गए। घाट के पास मौजूद स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें डूबते देख बचाने का प्रयास किया नदी का बहाव तेज और गहराई अधिक होने के कारण दोनों आंखों से ओझल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और लापता किशोरों की तलाश शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस को तुरंत सूचित किया गया। सूचना मिलते ही मोतीपुर थाना प्रभारी संजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम को भी तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया। समाचार लिखे जाने तक रेस्क्यू आपरेशन जारी था। एसडीआरएफ की टीम मोटर बोट और आधुनिक उपकरणों के साथ नदी में कैंप कर रही है। स्थानीय गोताखोरों की भी मदद ली जा रही है।

सड़क दुर्घटना मे पुत्री की मौत, पिता घायल

मुजफ्फरपुर। तेज रफ्तार वाहन और बाइक की जोरदार टक्कर में वाहन पर सवार एक किशोरी की मौत हो गई जबकि उसके पिता घायल हो गए। पिता की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना कांटी थाना क्षेत्र के नेता चौक के पास की है। मृतका की पहचान साहेबगंज इलाके के रसूलपुर निवासी जूली यादव (25) के तौर पर हुई है। घायल पिता विजय यादव का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई जानकारी के अनुसार किशोरी जूली को उसके पिता बीसीए का एग्जाम दिलाने के लिए बाइक से मुजफ्फरपुर शहर लेकर जा रहे थे। जैसे ही पिता-पुत्री नेता चौक मार्ग पहुंचे, तभी एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया। दोनों गाड़ी से नीचे गिर गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया वहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने रेफर कर दिया परिजनों के पहुंचने के बाद मृतका के शव को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालकर फरार वाहन की तलाश कर रही है।

पारू में युवक की गोली मारकर हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पारू थाना क्षेत्र के गोसाई टोला में रविवार देर शाम गोली लगने से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान गोलू कुमार, निवासी पारू थाना क्षेत्र के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, गोली लगने की सूचना मिलते ही पारू थाना की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सरैया ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एफएसएल की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रविवार सुबह मृतक का किसी बात को लेकर पड़ोस के एक ग्रामीण से विवाद और झड़प हुई थी। इस दौरान उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। पुलिस को आशंका है कि यही पूर्व विवाद हत्या का मुख्य कारण हो सकता है। पुलिस के अनुसार, इसी विवाद के कारण गोलू कुमार की बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलार्पण करने के लिए जाते समय गोली मारकर हत्या की गई। हालांकि, घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। घटना में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी तरह की संदिग्ध सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने की अपील की है।

बूढ़ी गंडक में स्नान करने के दौरान दो लोगों की डूबने से मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बूढ़ी गंडक नदी में नहाने के दौरान दो किशोर डूब गए। एसडीआरएफ की टीम शव के तलाश में जुटी है। डूबे किशोरों की पहचान बथना गांव निवासी दिनेश भगत के पुत्र अन्नु कुमार उर्फ कल्लू (14) और मनोहर भगत के पुत्र उज्जवल कुमार (14) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों दोस्त सोमवार सुबह करीब दस बजे बाइक से भुरकुर्वा घाट पर नहाने आए थे। वे घर से बिना किसी को बताए निकले थे। नदी में उतरने के बाद किशोरों को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा। नहाने के दौरान पैर फिसलने के कारण गहरे पानी में चले गए। घाट के पास मौजूद स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें डूबते देख बचाने का प्रयास किया नदी का बहाव तेज और गहराई अधिक होने के कारण दोनों आंखों से ओझल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और लापता किशोरों की तलाश शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस को तुरंत सूचित किया गया। सूचना मिलते ही मोतीपुर थाना प्रभारी संजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम को भी तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया। समाचार लिखे जाने तक रेस्क्यू आपरेशन जारी था। एसडीआरएफ की टीम मोटर बोट और आधुनिक उपकरणों के साथ नदी में कैंप कर रही है। स्थानीय गोताखोरों की भी मदद ली जा रही है। मुजफ्फरपुर में ठल्र-28 के किनारे एक युवक का शव मिला है। शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना जिले के कांटी थाना क्षेत्र की है। लोगों ने जताई नाराजगीमृतक की पहचान नहीं हो सकी है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह कहां का रहने वाला था या उसके साथ यह घटना कैसे हुई। शिनाख्त के लिए आसपास के सभी थानों को सूचित कर दिया गया है। स्थानीय निवासी मोहम्मद अकबर ने बताया कि सुबह करीब 6:00 बजे ही पुलिस को सूचना दे दी गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि अगर समय रहते सहायता मिलती तो स्थिति कुछ और हो सकती थी।हर एंगल से पुलिस जांच कर रही है डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने बताया कि पुलिस टीम घटनास्थल पर मौजूद हैं और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए फॉरेंसिक (ऋ्रछ) टीम को भी बुलाया गया है, ताकि घटनास्थल से महत्वपूर्ण सुराग मिल सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का सही पता चल पाएगा। पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

केंद्रीय कारा में दो बंदियों ने दीवार तोड़कर भागने का किया प्रयास, दर्ज हुई प्राथमिकी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा के अस्पताल में भर्ती दो बंदियों ने शौचालय की दीवार तोड़कर फरार होने का प्रयास किया। दोनों बंदियों ने शौचालय में लगे लोहे के पानी के पाइप को तोड़कर दीवार की ईंट निकालने की कोशिश की। हालांकि, वार्ड में तैनात जेल कर्मियों को आवाज सुनाई दे गई, जिसके बाद दोनों का प्रयास विफल हो गया। मामला सामने आने के बाद जेल अधीक्षक युसुफ रिजवान के निर्देश पर दोनों बंदियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। घटना की सूचना जिलाधिकारी समेत अन्य वरीय पदाधिकारियों को भी दी गई है। जेल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिकी के अनुसार, गायघाट थाना क्षेत्र के रामनगर निवासी श्याम कुमार, पिता भोला पासवान को 31 जुलाई को शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा में बंद किया गया था। वहीं, साहेबगंज थाना क्षेत्र के हुस्सेपुर पुरानी छपरा निवासी मंजीत पासवान, पिता पुलिस पासवान ने 22 जुलाई को कारा में प्रवेश किया था। दोनों बंदियों को इलाज के लिए कारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसी दौरान उन्होंने शौचालय की दीवार तोड़कर बाहर निकलने की योजना बनाई। इसके लिए पानी के लोहे के पाइप का इस्तेमाल करते हुए दीवार की ईंट निकालने का प्रयास किया गया। पाइप तोड़ने और दीवार से ईंट निकालने के दौरान हुई आवाज से वार्ड में तैनात कर्मियों को शक हुआ। कर्मियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दोनों के प्रयास को रोक दिया। जेल प्रशासन अब यह पता लगाने में जुटा है कि दोनों बंदियों ने भागने की योजना कब बनाई और इस प्रयास में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं। मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दे दी गई है।

प्रेम प्रसंग और हनीमून किडनैपिंग के बढ़ते मामलों ने बढ़ाई पुलिस की चिंता

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में प्रेम प्रसंग और शादी की नीयत से युवतियों के घर से चले जाने के बढ़ते मामलों ने जिला पुलिस की परेशानी बढ़ा दी है। परिजनों की ओर से थाने में गुमशुदगी या अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई जाती है। शिकायत के दौरान परिजनों की स्थिति ऐसी होती है कि पुलिस को शुरूआत में मामला गंभीर अपहरण का प्रतीत होता है। पुलिस सामान्य अपहरण की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू करती है। इसके बाद जब गायब युवती के मोबाइल का सीडीआर और टावर लोकेशन खंगाला जाता है तो कई मामलों में कहानी पूरी तरह अलग सामने आती है। मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस युवती की बरामदगी के लिए दूसरे जिले और कई बार दूसरे राज्य तक पहुंचती है। बरामदगी के बाद कई मामलों में युवती के माथे पर सिंदूर और गले में मंगलसूत्र मिलता है। इसके बाद पुलिस के सामने अपहरण की शिकायत से अलग तस्वीर सामने आती है। कोर्ट में पेशी के दौरान युवती अपने बयान में अपहरण से इनकार कर प्रेमी के साथ रहने की बात कहती है। बालिग होने की स्थिति में वह अपनी उम्र का प्रमाण भी कोर्ट के सामने प्रस्तुत करती है। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस उसे उसके प्रेमी के साथ भेज देती है। नाबालिग युवतियों के मामलों में स्थिति अलग होती है। कई बार नाबालिग अपने कथित प्रेमी के साथ जाने की जिद करती है, लेकिन कानूनी प्रावधानों के कारण उसे कोर्ट के आदेश पर बालिका गृह भेज दिया जाता है। इस तरह पुलिस के सामने परिजनों की शिकायत, युवती की बरामदगी और कोर्ट में दिए गए बयान के बीच अलग-अलग परिस्थितियों से निपटने की चुनौती रहती है। जिले में दर्ज मामलों के आंकड़े भी इस समस्या की गंभीरता की ओर इशारा करते हैं। वर्ष 2020 में प्रेम प्रसंग और शादी की नीयत से अपहरण के 620 मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष 2021 में यह संख्या बढ़कर 632 हो गई। वर्ष 2022 में जनवरी से जून तक ही 284 लड़कियों के शादी की नीयत से घर से चले जाने को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। थानों में दर्ज मामलों में गायब होने वाली युवतियों की उम्र भी पुलिस के लिए चिंता का विषय है। अधिकांश मामलों में उम्र 15 से 25 वर्ष के बीच होती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार करीब 40 प्रतिशत मामले इसी आयु वर्ग से जुड़े हैं। 30 वर्ष से अधिक उम्र के युवक-युवतियों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। जिले में हर महीने प्रेम प्रसंग और शादी की नीयत से अपहरण के औसतन 40 से 45 मामले दर्ज किए जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पारू अंचल के तीन थानों और कटरा थाना क्षेत्र में ऐसे मामले अधिक सामने आते हैं। शहरी क्षेत्र में अहियापुर, नगर और सदर थाने में इन मामलों की संख्या अधिक रही है। वर्ष 2021 में अकेले अहियापुर थाने में 95, नगर थाने में 82 और सदर थाने में 75 मामले दर्ज किए गए थे। मैट्रिक और इंटर की परीक्षा के समय तथा शादी के मौसम में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ जाती है। उपलब्ध छह महीने के आंकड़ों के अनुसार जनवरी में 30, फरवरी में 39, मार्च में 53, अप्रैल में 50, मई में 53 और जून में 59 मामले दर्ज हुए। जून में ऐसे मामलों की संख्या सबसे अधिक रही। आंकड़ों से साफ है कि महीने दर महीने मामलों में उतार-चढ़ाव के बावजूद प्रेम प्रसंग और शादी की नीयत से घर से जाने के मामले पुलिस के लिए लगातार चुनौती बने हुए हैं। अलग-अलग समुदाय से जुड़े प्रेमी युगलों के मामलों में पुलिस की परेशानी और बढ़ जाती है। पुलिस जहां युवती की बरामदगी के लिए दूसरे जिले या राज्य में भागदौड़ करती है, वहीं कुछ लोग मामले को सामुदायिक रंग देने की कोशिश करते हैं। इससे कानून-व्यवस्था की चुनौती भी पैदा हो जाती है।

राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र ने जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

मुजफ्फरपुर। लीची उत्पादक जिलों में पिछले वर्ष लीची स्टिंक बग के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए भाकृअनुपझ्राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुशहरी ने इस वर्ष समय रहते इसके सर्वेक्षण, निगरानी और वैज्ञानिक प्रबंधन की तैयारी शुरू कर दी है। है। केन्द्र ने इसी उद्देश्य से बिहार बागवानी विकास सोसाइटी एवं भाकृअनुप-अटारी, पटना के सहभागिता से ह्लीची स्टिंक बग के सर्वेक्षण एवं समेकित प्रबंधन पर क्षमता निर्माणह्व विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 17 अगस्त से शुरू किया। इस कार्यक्रम में सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण एवं पश्चिमी चम्पारण, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली जिला से कुल 43 प्रशिक्षणार्थीयों ने भाग लिया। जिनमें कृषि विज्ञान केन्द्र के एसएमएस, जिला उद्यान पदाधिकारी, सहायक पौध संरक्षण पदाधिकारी, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं किसान सलाहकार शामिल हुए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय बैच था। केंद्र के निदेशक डॉ. बिकाश दास ने कहा कि लीची स्टिंक बग के प्रभावी नियंत्रण के लिए केवल प्रकोप के बाद नियंत्रण उपाय करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कीट की शुरूआती पहचान और नियमित निगरानी पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष मीनापुर, मेहसी तथा पूर्वी चंपारण के कुछ प्रमुख लीची उत्पादक क्षेत्रों में लीची स्टिंक बग का प्रकोप काफी अधिक देखा गया था। कई स्थानों पर इसके कारण लीची के फलन एवं उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इसे गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र ने आगामी लीची मौसम से पहले ही प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर कार्यरत तकनीकी कर्मियों को प्रशिक्षित करने की पहल की डॉ. दास ने कहा कि प्रशिक्षण का वास्तविक लाभ तभी किसानों तक पहुंचेगा, जब प्रशिक्षित कर्मी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में वैज्ञानिक जानकारी को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने प्रखंड, पंचायत एवं गांव स्तर पर किसानों को लीची स्टिंक बग की पहचान, प्रकोप के प्रारंभिक लक्षण तथा निगरानी के तरीकों की जानकारी दें और आवश्यकता पड़ने पर समय पर वैज्ञानिक सलाह उपलब्ध कराएं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को लीची स्टिंक बग की सही पहचान, जीवन चक्र, प्रकोप के लक्षण, सर्वेक्षण एवं निगरानी की विधियों तथा वैज्ञानिक और समेकित प्रबंधन उपायों के बारे में जानकारी दी गई। केंद्र की ओर से प्रशिक्षणार्थियों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि वे प्राप्त तकनीकी जानकारी को किसानों तक सरल भाषा में पहुंचाएं। किसानों को कीट के शुरूआती प्रकोप की पहचान, नियमित निगरानी तथा उचित समय पर प्रबंधन उपाय अपनाने के लिए जागरूक करने पर जोर दिया गया।

तीसरी सोमवारी को बाबा गरीब नाथ नगरी में उमड़ा कांवडियों का हुजूम

● विधि व्यवस्था की मॉनिटरिंग को निकले डीएम और एसएसपी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। तीसरी सोमवारी पर पहलेजा घाट से गंगा जल लेकर बाबा गरीब नाथ की नगरी में जलाभिषेक को आने वाले कांवरियों का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार की देर शाम से कांवरिया शहर के विभिन्न सेवा शिविरों और आश्रय स्थल पर जमा होने लगे थे। केसरिया रंग में सराबोर बाबा नगरी और बीच-बीच में शिव भक्तों की ओर से बोल बम और हर हर महादेव का जय घोष से, पूरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। डीएम और एसएसपी सुरक्षा सेवाओं की मॉनिटरिंग खुद कर रहे थे। रविवार की देर रात मध्य रात्रि होते ही जलाभिषेक के लिए मंदिर का पट खोल दिया गया। इसके साथ ही पुलिस और स्वयंसेवकों की निगरानी में शिव भक्त कांवरियों ने हर हर महादेव के जय घोष और बोल बम के गगन भेदी नारों के साथ अर्घा के माध्यम से बाबा गरीब नाथ को जलाभिषेक करना प्रारंभकिया। कांवरिया पथ पर सेवा के लिए विभिन्न संगठनों की ओर से सेवा शिविर का आयोजन किया गया है जहां बाबा गरीबनाथ धाम जाने वाले कांवरियों की सेवा के लिए कांवड़िया पथ पर आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है सोनपुर के पहलेजा घाट से करीब 82 किलोमीटर की दूरी तय कर मुजफ्फरपुर पहुंच रहे कांवरियों को थकान और पैरों के दर्द से राहत देने के लिए फिजियोथेरेपी और न्यूरो थेरेपी तकनीक से सेवा दी जा रही है। कांवड़ यात्रा के दौरान लंबी दूरी पैदल चलने से कांवरियों के पैरों में दर्द और थकान की शिकायत होती है. ऐसे में सेवा शिविर में आधुनिक मसाज मशीनों के जरिए उनके पैरों की थकान दूर करने की कोशिश की जा रही है। कांवरिया पथ पर शिव भक्तों की सेवा के लिए जगह-जगह स्वयं सेवा सिविल लगाया गया है जिसमें स्वयं सेवियों के द्वारा कांवरियों की सेवा की जा रही है उन्हें जरूरत के हिसाब से दूध शरबत नींबू पानी के साथ साथ थकान मिटाने के लिए चाय बिस्किट गर्म पानी के साथ-साथ उपचार के लिए दवाई भी दी जा रही है।बाबा गरीब नाथ की नगरी में रेवा घाट के साथ-साथ बागमती और विभिन्न नदियों से जल लेकर बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु भक्त भी पहुंचते हैं जो मध्य रात्रि के बाद से ही बजे बजे के साथ कंवर और जल लिए बाबा गरीब नाथ के दर पर माथा टेकने पहुंचते हैं स्थानीय स्तर पर भी सोमवार की दोपहर तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का काफिला बाबा की नगरी में जलाभिषेक के लिए तत्पर दिखता है। इस बार तीसरी सोमवारी पर नाग पंचमी का भी दुर्लभ संयोग बना था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसे संयोग में भगवान शिव, माता पार्वती और नाग देवता की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि नाग देवता की आराधना से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। यही वजह रहा कि शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की कतारें लगी हुई हैं।

बेनीबाद थाने के नए प्रभारी ने संभाला कार्यभार अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की प्राथमिकता

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।गायघाट प्रखंड के बेनीबाद थाने में नए थाना प्रभारी धीरेंद्र कुमार सिंह ने रविवार को कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले वे गायघाट थाना में अनुसंधान इकाई में कार्यरत थे। उन्होंने राजकुमार गौतम का स्थान लिया है। राजकुमार गौतम का स्थानांतरण अहियापुर थाना किया गया है। कार्यभार संभालने के बाद थाना प्रभारी धीरेंद्र कुमार सिंह ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था कायम रखना उनकी पहली जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। शासन एवं पुलिस विभाग के निदेशों का पूरी तरह पालन करते हुए सभी कार्यों का क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून को हाथ में लेने वालों तथा किसी भी प्रकार का अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी तरह की कुचेष्टा या आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

विदेशी शराब बरामद कारोबारी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट प्रखंड अंतर्गत बेनीबाद थाना के पास एनएच-27 पर रविवार को वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से कार सवार दो शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। बरामद शराब की कुल मात्रा करीब 195 लीटर बताई गई है।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र के पिंडारुच गांव निवासी अभिजीत चौधरी और सुंदरम कुमार के रूप में हुई है पुलिस सूत्रों के अनुसार,थाना के पास एनएच-27 पर पुलिस द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान मुजफ्फरपुर से दरभंगा की ओर जा रही एक कार पर पुलिस की नजर पड़ी। पुलिस को देखते ही कार चालक ने वाहन पीछे लौटा कर भागने का प्रयास किया।संदेह होने पर पुलिस ने पीछा कर कार को रोका। तलाशी के दौरान कार से 22 कार्टन विदेशी शराब बरामद की गई। पूछताछ में गिरफ्तार कारोबारियों ने पुलिस को बताया कि वे सकरा थाना क्षेत्र के पिलखी से शराब की खेप लेकर दरभंगा जा रहे थे। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सेंधमारी कर 2 लाख कैश और 30 ग्राम सोना ले उड़े चोर, 10 दिनों में चोरी की 4 बड़ी वारदातें

मुजफ्फरपुर।बोचहा थाना क्षेत्र के तमोलिया गांव वार्ड नंबर 10 में शनिवार की देर रात बेखौफ चोरों ने एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया। अज्ञात अपराधियों ने रात के अंधेरे में घर की कोना काटकर सेंधमारी की और करीब 6.05 लाख रुपये मूल्य के नकद व सोने के जेवरात समेटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पीड़ित गृहस्वामी शिवशंकर प्रभाकर पिता रामनन्दन राय ने बोचहाँ थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए लिखित आवेदन दिया है। पीड़ित गृहस्वामी के अनुसार, घटना 15 अगस्त की देर रात लगभग 2 बजे की है। जब पूरा परिवार गहरी नींद में सो रहा था, तभी चोरों ने घर का कोना काटकर अंदर प्रवेश किया। अपराधियों ने कमरे में रखी अलमारी और बक्सों को खंगालकर उसमें रखे 2 लाख 5 हजार रुपये नकद और करीब 30 ग्राम सोने के आभूषण चोरी कर लिए। चोरी गए जेवरों की अनुमानित कीमत करीब 4 लाख रुपये बताई जा रही है। सुबह उठने पर परिजनों को घटना का पता चला। काफी खोजबीन के बाद भी जब चोरों का कोई सुराग नहीं मिला, तब मामले की सूचना पुलिस को दी गई। गौरतलब हो कि 7 अगस्त कन्हारा रघु गांव में एक ही रात पांच घरों को निशाना बनाया गया। चोर आभूषण व मोबाइल ले उड़े, जबकि ग्रामीणों की सतर्कता से तीन अन्य घरों में चोरी का प्रयास विफल रहा। 8 अगस्त शर्फुद्दीनपुर स्थित रामसेवक साहू उच्च विद्यालय का ताला तोड़कर चोरों ने स्मार्ट टीवी, इन्वर्टर और बैट्री समेत लाखों का सामान पार कर दिया। 10 अगस्त शर्फुद्दीनपुर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में पूजा करने आए गायघाट निवासी श्रद्धालु अविनाश कुमार की बाइक मंदिर के बाहर से चोरी हो गई। 15 अगस्त तमोलिया गांव में घर का कोना काटकर 2 लाख नकद और 30 ग्राम सोने समेत 6 लाख से अधिक की भीषण चोरी। लगातार हो रही वारदातों से ग्रामीणों में आक्रोश, क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ गहरा असंतोष है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस गश्ती में लापरवाही के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं। एक के बाद एक हो रही वारदातों से लोगों का रात में सोना दुश्वार हो गया है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात में गश्ती बढ़ाने और सभी मामलों का जल्द से जल्द खुलासा कर चोरी गए

सम्पादकीय

भारतीय चिकित्सा व्यवस्था : आयुर्वेद से आधुनिक विज्ञान तक स्वस्थ भारत की सशक्त यात्रा

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

सर्वे सन्तु निरामयाः- यह केवल एक वैदिक प्रार्थना नहीं, बल्कि भारतीय चिकित्सा दर्शन का मूल मंत्र है। भारत की चिकित्सा परंपरा का उद्देश्य केवल रोग का उपचार करना नहीं रहा, बल्कि मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा के संतुलन के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य की स्थापना करना रहा है। यही कारण है कि भारतीय चिकित्सा व्यवस्था विश्व की सबसे प्राचीन, समृद्ध और जीवन-दृष्टि आधारित चिकित्सा प्रणालियों में गिनी जाती है। आज जब विश्व नई-नई बीमारियों, जीवनशैली संबंधी विकारों और मानसिक तनाव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ आयुर्वेद, योग, सिद्ध, यूनानी और आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा मिलकर एक समन्वित स्वास्थ्य मॉडल की ओर बढ़ रही हैं। यह केवल चिकित्सा का विकास नहीं, बल्कि स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक सशक्त राष्ट्रीय अभियान है। भारत में चिकित्सा विज्ञान का इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। वैदिक साहित्य, विशेषकर अथर्ववेद में रोगों, औषधियों और उपचार पद्धतियों का उल्लेख मिलता है। महर्षि चरक ने शरीर की प्रकृति, रोगों के कारण और उपचार की वैज्ञानिक व्याख्या करते हुए चरक संहिता की रचना की, जबकि महर्षि सुश्रुत ने शल्य चिकित्सा को व्यवस्थित रूप दिया। उन्हें विश्व का प्रथम शल्य चिकित्सक माना जाता है। सुश्रुत संहिता में नाक का पुनर्निर्माण, मोतियाबिंद का ऑपरेशन तथा अनेक शल्य तकनीकों का उल्लेख मिलता है, जो आज भी चिकित्सा इतिहास का गौरव हैं। आयुर्वेद का मूल सिद्धांत है कि रोग के कारण को समझकर शरीर की प्राकृतिक संतुलन-शक्ति को पुनः स्थापित किया जाए। इसलिए भारतीय चिकित्सा केवल दवा पर नहीं, बल्कि आहार, विहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या और मानसिक संतुलन पर भी समान बल देती है। स्वतंत्रता के समय भारत के सामने स्वास्थ्य सेवाओं की भारी चुनौती थी। संक्रामक रोग, कुपोषण, सीमित अस्पताल, प्रशिक्षित चिकित्सकों की कमी और ग्रामीण क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधाओं का अभाव प्रमुख समस्याएँ थीं। धीरे-धीरे देश ने चिकित्सा शिक्षा, अस्पतालों, टीकाकरण कार्यक्रमों और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया। आज देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), अनेक सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेज, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तथा उन्नत अनुसंधान संस्थान चिकित्सा क्षेत्र को नई ऊँचाइयों पर ले जा रहे हैं। अंग प्रत्यारोपण, रोबोटिक सर्जरी, कैंसर उपचार, हृदय रोग चिकित्सा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान जैसी तकनीकें भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रही हैं। भारत ने आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को संस्थागत रूप देकर आयुष प्रणाली को विकसित किया है। आज विश्वभर में योग और आयुर्वेद के प्रति बढ़ती रुचि भारत की चिकित्सा विरासत की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। आयुष की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह रोग के उपचार के साथ-साथ रोग की रोकथाम, प्रतिरक्षा क्षमता में वृद्धि और स्वस्थ जीवनशैली पर बल देता है। आधुनिक चिकित्सा के साथ इसका संतुलित समन्वय भविष्य की समग्र स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार बन सकता है। पिछले वर्षों में भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में अनेक पहल की हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार, टीकाकरण अभियान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, जन औषधि केंद्र, आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं तथा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं आम नागरिक तक चिकित्सा पहुंचाने का प्रयास हैं। कोविड-19 महामारी ने यह सिद्ध किया कि चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, वैज्ञानिक और स्वास्थ्यकर्मी किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना मानवता की रक्षा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। चिकित्सा विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) नई क्रांति का आधार बन रही है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, मेडिकल इमेज विश्लेषण, व्यक्तिगत उपचार योजना, दूरस्थ परामर्श (टेलीमेडिसिन) और डिजिटल स्वास्थ्य अभिलेख स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बना रहे हैं। फिर भी यह ध्यान रखना होगा कि मशीनें निर्णय में सहायता कर सकती हैं, लेकिन रोगी के प्रति संवेदना, विश्वास और मानवीय स्पर्श का स्थान कभी नहीं ले सकतीं। भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था ने उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अनेक चुनौतियां अभी भी सामने हैं जैसे -ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी।

प्लीज गड़े मुर्दे मत उखाड़िए !! क्योंकि यह अमन के खिलाफ है

राजीव थेपडा

1780 ईस्वी में उत्तर प्रदेश के रायबरेली रायबरेली में जन्मे मौलवी सैयद अहमद जिन पर वहाबी इस्लाम का जबरदस्त प्रभाव था। जो उनके मक्का जाकर हज करने के पश्चात और भी ज्यादा गहरा हो गया और मक्का से लौट के पश्चात 17 जनवरी 1826 को वह अपने शहर बरेली से निकलकर बलूचिस्तान और पख्तूनिस्तान चले गए और वहां पर उन्होंने वहाबी इस्लाम लागू करने के चक्कर में बहुत सारी स्थानीय परंपराओं को बंद करवा दिया। जिससे वहां के स्थानीय लोग उनके खिलाफ हो गए। अंत में 6 मई 1831 को वह एक हमले में मारे गए । अपने जीते जी भले ही वह कुछ खास नहीं कर पाए, किंतु उनके मरने के पश्चात उनके अनुयायियों ने ङ्गदारुल उलूम देवबंदङ्घ की स्थापना की। जो तब से आज तक मुस्लिम राजनीति का भारत में सबसे बड़ा और सशक्त केंद्र है। सैयद अहमद के ये अनुयाई इतना भयंकर जेहादी प्रचार करते थे कि उसे अंग्रेजों को भी बड़ी चिंता हो गई । 1843 में गवर्नर जनरल लॉर्ड एलनबोर्ग ने लिखा कि मैं इस बात की अनदेखी नहीं कर सकता हूं कि मुस्लिम जन्मजात अंग्रेजों से बेतरह घृणा करते हैं। और यह बात मुस्लिमों के शासनकाल में हिंदुओं की बाबत भी उतनी सही थी। 17 अक्टूबर 1817 में दिल्ली में मुगल बादशाह अकबर शाह (2) के एक राज-अधिकारी मीर मोहम्मद मुत्ताक्वी के यहां सर सैयद अहमद खान जन्म हुआ। बाद में जिन्होंने कई भाषाओं और विषयों में शिक्षा प्राप्त की। 1838 में पिता की मृत्यु के पश्चात उन्हें अंग्रेजी सरकार के लेखागार में रिकॉर्डकीपर की नौकरी मिल गई। लेकिन अत्यधिक शिक्षित होने के कारण और अन्य विभिन्न विषयों में उनकी विशेषज्ञता के कारण वे जल्द ही अंग्रेजों के प्रिय अधिकारियों में से एक हो गए। अपने विश्लेषण से उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला था कि 1857 के बाद मुसलमानों के अंग्रेजों से खराब हुए संबंधों को यदि शीघ्र ही ठीक नहीं किया गया। तो भारत में फिर से हिंदुओं का राज आ जाएगा और मुसलमानों का भारत में अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। यहां तक की मुसलमानों की बाबत यह भी लिखा कि अंग्रेजों से विद्रोह करके मुसलमान ने नमक-हरामी की है और अंग्रेजों के आने से पहले भारत में मुस्लिम इतिहास निर्दयता, लूट, हत्या और बलात्कार का इतिहास है और अंग्रेजों के राज में ही अत्याचार रुके। अन्याय भी समाप्त हुआ और सभी को धार्मिक आजादी के साथ हिंदू और मुसलमान दोनों को एक दूसरे से सुरक्षा भी मिली है। इस प्रकार वह अंग्रेजों की नजर में चढ़ गए। 1869 में उन्हें ङ्गऑर्डर ऑफ स्टारङ्घ और 1888 में ङ्गसरङ्घ की उपाधि और साथ ही साथ एडमिनबरा यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टर की पदवी भी मिली। 1859 में उन्होंने मुरादाबाद में भारत का एक आधुनिक मदरसा खोला। जिसका पाठ्यक्रम आधुनिक था और जिसमें अंग्रेजी शिक्षा समाहित थी। 1864 में उन्होंने अंग्रेजी की विभिन्न विषयों की पुस्तकों का उर्दू अनुवाद भी करवाया ।लेकिन जब हिंदी के विद्वानों ने उसे हिंदी में अनुवाद करने का प्रस्ताव रखा। तो वह चिढ़ गए और उन्होंने यहां तक कहा कि उर्दू सभ्य लोगों की भाषा है और हिंदी गँवार और अश्लील लोगों की भाषा। 1890 में जब अंग्रेजों ने उर्दू के साथ हिंदी को अदालतों की भाषा के रूप में मान्यता दी, तो नवाब मोहसिन मलिक के नेतृत्व में मुसलमानों ने उसके खिलाफ आंदोलन ही छेड़ दिया। उन्होंने अंग्रेजों के बीच और ज्यादा सम्मानजनक स्थान प्राप्त करने के लिए हथियारों से किये जा रहे हैं जिहाद की आलोचना करते हुए मुसलमानों को अंग्रेजी शिक्षा के लिए प्रोत्साहन देना शुरू किया। 1854 में उन्होंने बाइबल की एक समीक्षा लिखी जिसमें इस्लाम और ईसाइयत की समानताओं के बारे में बताया गया था। इससे वह अंग्रेजों के और ज्यादा निकट आ गए। क्योंकि इस समीक्षा से वह अंग्रेजों पर यह बात प्रभाव जमाने में सफल हुए कि ईसाइयत और इस्लाम के बीच में कोई टकराव नहीं है और ये दोनों एक दूसरे के निकट हैं। इस प्रकार हिंदुओं को मुसलमान से दूर करने का ये प्रयास उनके द्वारा शुरू हुआ था। 24 मई 1875 में उन्होंने अलीगढ़ मोहम्मडन एंगल ओरिएंटल स्कूल स्थापित किया।

जेन जी दिमागी नक्सल या देश का भविष्य ?

उनकी छवि खराब करने में। खुद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जो अभी सदन में आकर जवाब नहीं दे पाए उसके बाहर बिना इंटरप्शन की बिना सवालों की एक मीडिया बाइट में कह रहे थे कि मुझे ऐसा ऐसा कहा जा रहा है। खुद उन्होंने सदन में गाली देने के साथ जो कम से दो बार तो नोटिस में आ गई क्या-क्या कहा यह अलग बात है। लेकिन अभी बात राहुल की हो रही है तो उनको राहुल बाबा कहकर संबोधित किया। एक बार उस अखबार में जहां हम काम करते थे हेडिंग में राहुल बाबा छप गया। हमने मीटिंग में पूछा किसने लिखा है? कोई जवाब नहीं मिला। हमने कहा कोई भी किसी का नाम बदल या बिगाड़ नहीं सकता है। यह अधिकार किसी को नहीं है। माता-पिता को नाम रखने का अधिकार है और जिसका रखा गया है उसे बदलने का। सभ्य समाज के लिए यही नियम है। जो बिगाड़ते हैं वे इनफियरटी काम्पलेक्स के शिकार होते हैं। गरीब का, कमजोर का, दलित, पिछड़े, आदिवासी का पूरा नाम उन्हें अपना अपमान लगता है। उसका नाम छोटा करके बिगाड़ के लेने में उनको खुशी मिलती है। दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादियों का यह पुराना तरीका है।

शकील अख्तर
(लेखक)

दिमागी नक्सल एक ऐसा शब्द प्रधानमंत्री ने यूज कर दिया जो केवल उनके भक्तों, जिनके लिए अब राहुल ने अंध भक्तों का नाम दे दिया है और गोदी मीडिया के अलावा किसी के भी गले नहीं उतर रहा है। पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने तो इसे एक्सेप्ट करते हुए चुनौती दे दी कि हां मैं दिमागी नक्सल हूं! छात्र युवाओं ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी हैं। यह दिमागी नक्सल क्यों कहा? क्योंकि सवाल उठाने वालों पर पहले ही सवाल उठा दो। बहुत पुराना तरीका है दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादियों और कुछ काम न करने वालों का कि हमेशा दूसरों पर ही सवाल उठाते रहो। राहुल पर उठाते रहे। नेता प्रतिपक्ष तो अभी दो साल पहले बने हैं। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष भी करीब इतने ही समय रहे। मगर उन पर सवाल तो 2004 से जब वे अपने पहले चुनाव के लिए अमेठी से नामांकन भरने गए थे तब से उठाते रहे। 22 साल से ज्यादा हो गए हैं। हजारों करोड़ रूपया खर्च किया। उनकी छवि खराब करने में। खुद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जो अभी सदन में आकर जवाब नहीं दे पाए उसके बाहर बिना इंटरप्शन की बिना सवालों की एक मीडिया बाइट में कह रहे थे कि मुझे ऐसा ऐसा कहा जा रहा है। खुद उन्होंने सदन में गाली देने के साथ जो कम से दो बार तो नोटिस में आ गई क्या-क्या कहा यह अलग बात है। लेकिन अभी बात राहुल की हो रही है तो उनको राहुल बाबा कहकर संबोधित किया। एक बार उस अखबार में जहां हम काम करते थे हेडिंग में राहुल बाबा छप गया। हमने मीटिंग में पूछा किसने लिखा है? कोई जवाब नहीं मिला। हमने कहा कोई भी किसी का नाम बदल या बिगाड़ नहीं सकता है। यह अधिकार किसी को नहीं है। माता-पिता को नाम रखने का अधिकार है और जिसका रखा गया है उसे बदलने का। सभ्य समाज के लिए यही नियम है। जो बिगाड़ते हैं वे इनफियरटी काम्पलेक्स के शिकार होते हैं। गरीब का, कमजोर का, दलित, पिछड़े, आदिवासी का पूरा नाम उन्हें अपना अपमान लगता है। उसका नाम छोटा करके बिगाड़ के लेने में उनको खुशी मिलती है। दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावादियों का यह पुराना तरीका है। लोकतंत्र आया तो वे इसे अपने राजनीतिक विरोधियों के लिए भी यूज करने लगे। राहुल के कई अपमानजनक नाम रख दिए। अब इस शृंखला में नया दिमागी नक्सल लाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से कहा कि इन्हें पहचानने की जरूरत है। पहचान आप ही बता देते! देश के प्रधानमंत्री हैं। सारे साधन आपके पास हैं। आप यह भी कह रहे हैं कि ये हिंसा अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। तब तो बड़ा खतरा है। मोदी ने कहा कि इन्हें अलग थलग करने की जरूरत है। अलग थलग क्या करना? जब आप हिंसा कर रहे हैं, कह रहे हैं तो सख्त कार्रवाई की जरूरत है। लेकिन पहले पहचान तो बताइए! बोलिए कि परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ आवाज उठाने, एजुकेशन सिस्टम से आरएसएस को बाहर करने की मांग करने वाले, नौकरी रोजगार मांगने वाले दिमागी नक्सल हैं। देश के चालीस करोड़ छात्र और युवा दिमागी नक्सल हैं। आश्चर्यजनक रूप से देश का प्रधानमंत्री देश के छात्र और युवा के सामने खड़ा हो गया। तो उसके ठीक बाद नेता प्रतिपक्ष ने एक और गूंज की घोषणा कर दी। मगर इस बार यह गूंज थोड़ी अलग होगी। छात्राओं की गूंज! अभी तक के तीन छात्र सम्मेलन राहुल ने सभी स्टूडेंट के किए हैं। छात्र-छात्रा सब। मगर इस बार 22 अगस्त को पूणे में छात्रा केन्द्रित कार्यक्रम होगा। राहुल ने कहा है कि क्या चाहिए देश की लड़कियों को? बराबरी, सुरक्षा, अवसर और अपनी बात कहने की आजादी। और राहुल सवाल करते हैं कि इन्हें मिला क्या? असुरक्षा, भेदभाव और अपने असली अधिकारों के लिए इंतजार! तो एक तरफ प्रधानमंत्री देश की ऋील्ले और अल्फा को भी क्योंकि वह भी अपने स्कूलों और शिक्षा को लेकर सड़कों पर उतर चुकी है दिमागी नक्सल कह रहे हैं। जो हिंसा और अराजकता के लिए मौके की तलाश में हैं। तो दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन्हें देश का भविष्य बताते हुए उनके साथ और मजबूती से खड़े हो गए हैं। पिछले कुछ दिनों का घटनाक्रम मोदी और राहुल को बार-बार आमने-सामने ला रहा है। संसद के मानसून सत्र में राहुल बार-बार चैलेंज करते रहे मगर प्रधानमंत्री मोदी और उनके सबसे मजबूत साथी केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह दोनों लोकसभा में नहीं आ पाए। 20 जुलाई को सत्र शुरू हुआ था। उसी दिन छात्रों पर बेरहम लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले और पैलेट गन तक चलाई गई। लड़कियों के साथ तो बहुत ही अभद्र व्यवहार हुआ। शर्मनाक! सही अर्थों में शर्मनाक! जिसे बताने में भी छात्राओं को शर्म आती है। अपने ही देश में छात्राओं के साथ ऐसा व्यवहार पहले कभी नहीं हुआ था। इसलिए जेन अल्फा की छोटी-छोटी बच्चियां सड़कों पर उतरी हैं। और इसीलिए राहुल इस बार केवल छात्रा सम्मेलन कर रहे हैं। और यहां लोकसभा में वे मांग करते रहे कि छात्रों पर पैलेट गन चलाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह इस्तीफा दें और प्रधानमंत्री मोदी सदन में आकर इसके लिए माफी मांगे। मगर दोनों सदन को फेस नहीं कर पाए। आखिरी दिन 13 अगस्त को जब मालूम था कि अभी 11 बजे वंदे मातरम के साथ ही सदन अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो जाएगा तो तीन मिनट के लिए आए और राष्ट्रगीत खत्म होते ही चले गए। करीब एक महीने तक वे दोनों सदन का सामना नहीं कर पाए। दोनों में से एक भी सदन नहीं।

रसोई से पूजा तक हरी मिर्च का है महत्व

बच्चे अकसर सबसे जल्दी नजर दोष का शिकार होते हैं। सात हरी मिर्च लें और जिस व्यक्ति को नजर लगी हो, उसके सिर के ऊपर से उल्टी और सीधी दिशा में सात बार घुमाएँ। अब इन मिर्चों को सड़क के किनारे फेंक दें। ध्यान रखें कि मिर्चों को घर के भीतर या कचरे में न डालें। इस उपाय से नकारात्मक ऊर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है और व्यक्ति पर नजर दोष का असर खत्म हो जाता है। यदि घर का कोई सदस्य लंबे समय से बीमार है और दवाइयाँ असर नहीं कर रही हैं, तो हरी मिर्च का यह उपाय कारगर माना गया है। रोगी के सिरहाने या तकिए के नीचे पाँच हरी मिर्च रखें। प्रतिदिन मिर्च बदलते रहें। माना जाता है कि इससे रोगी की सेहत में धीरे-धीरे सुधार होता है और बीमारी के पीछे की नकारात्मक शक्ति नष्ट होता है। तनाव, अवसाद या चिंता से पीड़ित व्यक्ति के पास हरी मिर्च रखने से उसका मानसिक बोझ कम होता है और मनोबल बढ़ता है। कई बार मेहनत करने के बावजूद व्यापार में लाभ नहीं होता है या बार-बार हानि होता है। अपनी दुकान या कार्यालय की मेज की दराज में सात हरी मिर्च रखें। इसे किसी को दिखाई न दे। हर शुक्रवार को मिर्च बदल दें। इससे व्यापार में वृद्धि होती है और ग्राहकों का आकर्षण बढ़ता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारतीय रसोई में हरी मिर्च का स्थान अत्यंत खास है। यह भोजन का स्वाद बढ़ाती है, शरीर को ऊर्जा देती है और रोगों से लड़ने में भी सहायक होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही साधारण-सी हरी मिर्च जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान भी बन सकता है? ज्योतिष, वास्तु और तांत्रिक परंपरा में हरी मिर्च को एक शक्तिशाली माध्यम माना गया है, जो नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेता है और सकारात्मक शक्ति को आकर्षित करता है। भारत के गाँवों और कस्बों में अक्सर दुकानों और घरों के बाहर नींबू और मिर्च टंगे हुए देखा जाता है। यह केवल परंपरा नहीं है, बल्कि नजर दोष और दुष्प्रभाव से बचाव का अचूक उपाय माना गया है। इसी तरह हरी मिर्च से जुड़े अनेक टोटके और उपाय प्रचलित हैं, जो स्वास्थ्य, व्यापार, धन, सौभाग्य और शांति से जुड़ा है। कहा जाता है कि जब किसी को बुरी नजर लग जाता है तो उसकी सेहत बिगड़ने लगता है, कामकाज में रुकावट आता है और परिवार में क्लेश उत्पन्न होता है। बच्चे अकसर सबसे जल्दी नजर दोष का शिकार होते हैं। सात हरी मिर्च लें और जिस व्यक्ति को नजर लगी हो, उसके सिर के ऊपर से उल्टी और सीधी दिशा में सात बार घुमाएँ। अब इन मिर्चों को सड़क के किनारे फेंक दें। ध्यान रखें कि मिर्चों को घर के भीतर या कचरे में न डालें। इस उपाय से नकारात्मक ऊर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है और व्यक्ति पर नजर दोष का असर खत्म हो जाता है। यदि घर का कोई सदस्य लंबे समय से बीमार है और दवाइयाँ असर नहीं कर रही हैं, तो हरी मिर्च का यह उपाय कारगर माना गया है। रोगी के सिरहाने या तकिए के नीचे पाँच हरी मिर्च रखें। प्रतिदिन मिर्च बदलते रहें। माना जाता है कि इससे रोगी की सेहत में धीरे-धीरे सुधार होता है और बीमारी के पीछे की नकारात्मक शक्ति नष्ट होता है। तनाव, अवसाद या चिंता से पीड़ित व्यक्ति के पास हरी मिर्च रखने से उसका मानसिक बोझ कम होता है और मनोबल बढ़ता है। कई बार मेहनत करने के बावजूद व्यापार में लाभ नहीं होता है या बार-बार हानि होता है। अपनी दुकान या कार्यालय की मेज की दराज में सात हरी मिर्च रखें। इसे किसी को दिखाई न दे। हर शुक्रवार को मिर्च बदल दें। इससे व्यापार में वृद्धि होती है और ग्राहकों का आकर्षण बढ़ता है। नौकरी में यदि प्रमोशन नहीं मिल रहा है या नौकरी में परेशानी आ रही है तो मंगलवार के दिन पाँच हरी मिर्च लेकर हनुमानजी को अर्पित करें। फिर वही मिर्च अपनी जेब में रख लें। इससे सफलता के अवसर बढ़ते हैं। यदि घर में लगातार धन की कमी बनी रहती है तो शनिवार की रात को सात हरी मिर्च लेकर उन्हें काले कपड़े में बांधकर घर के उत्तर दिशा में रख दें। प्रत्येक शुक्रवार को माता लक्ष्मी के सामने एक कटोरी पानी में हरी मिर्च डालकर दीपक जलाएँ। रात में उस पानी को घर के बाहर फेंक दें। इससे घर में धन का आगमन होता है। घर में कलह, झगड़े और नकारात्मक ऊर्जा हो तो यह उपाय करें। सुबह कांच के गिलास में पानी भरकर उसमें एक हरी मिर्च डालें। रात को इसे पानी समेत मिर्च को घर से बाहर फेंक दें। प्रतिदिन यह क्रिया करने से वास्तु दोष का प्रभाव धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। घर या दुकान के मुख्य दरवाजे पर नींबू और सात हरी मिर्च लटकाने से नकारात्मक ऊर्जा अंदर प्रवेश नहीं करती है। शनिवार को पीपल के वृक्ष के नीचे दीपक जलाकर सात हरी मिर्च चढ़ाने से शनि दोष का प्रभाव कम होता है। यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि शत्रु बाधा डाल रहा है, तो मंगलवार को सात हरी मिर्च लेकर हनुमान मंदिर में चढ़ा दें। इससे शत्रु की शक्ति कम हो जाती है। भारत के गाँवों में आज भी लोग मानते हैं कि घर या खेत में हरी मिर्च रखने से बुरी आत्माएँ पास नहीं आती है। किसानों की मान्यता है कि बीज बोने से पहले खेत के कोने में हरी मिर्च रखने से फसल पर किसी की नजर नहीं लगता है। हरी मिर्च में कैप्सेसिन नामक तत्व होता है, जो ऊर्जा और गर्मी प्रदान करता है। इसे नकारात्मक ऊर्जा को सोखने वाला माना गया है। यही कारण है कि इसे नजर दोष और रोग निवारण से जोड़ा गया है। सप्ताह में एक दिन हरी मिर्च का टोटका अवश्य करें। घर की रसोई में हमेशा ताजी हरी मिर्च रखें। किसी शुभ कार्य से पहले घर के बाहर नींबू और मिर्च लटका दें। मिर्च के उपाय करते समय विश्वास और श्रद्धा जरूरी है। पुराने या सूखी मिर्च का प्रयोग न करें। मिर्च का प्रयोग करने के बाद उसे पुनः घर में न लाएँ। बच्चों और बुजुर्गों को सीधे टोटके में शामिल न करें। हरी मिर्च केवल भोजन का स्वाद बढ़ाने वाली सामग्री नहीं है, बल्कि यह जीवन की अनेक समस्याओं से निपटने का सरल उपाय भी है। नजर दोष से लेकर आर्थिक तंगी और व्यापारिक रुकावट तक, हरी मिर्च के छोटे-छोटे टोटके आश्चर्यजनक परिणाम देता है। यह विश्वास और आस्था का विषय है, लेकिन हजारों वर्षों की परंपरा और अनगिनत लोगों के अनुभव इस बात की पुष्टि करता है कि हरी मिर्च के उपाय जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है।

आठवीं पुण्यतिथि पर शत-शत नमन करती हुई कुछ अविस्मरणीय यादें

मीनू मीना सिन्हा

बोस्टन से बड़ी बहन का दुःखद संदेश आया–श्रद्धेय अटल जी का निधन हो गया है। मीनू, वे तुम्हारे आदर्श थे। अपने अनुभव साझा करो। क्या साझा करूँ, दीदी? स्मृति-कोष का वह अक्षय भंडार धीरे-धीरे रिक्तता की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय शोक हर जगह पसरता जा रहा है। एक बार फिर पितृविहीनता के गहरे अँधेरे का अहसास गहराने लगा है। संध्या-बाती के समय हाथ रुक-से गए। देखो न दीदी, आज फिर सोलह अगस्त है। वह सोलह अगस्त 2008 था, जब बाबूजी का महाप्रस्थान हुआ था और आज सोलह अगस्त 2018 है, जब फिर एक पितृतुल्य आत्मा का महाप्रस्थान हुआ। बस, एक और जुड़ गया है नङ्क इतिहास फिर दोहराया गया है। हरदम तो इतिहास दोहराता यही है, कोई रो रहा है, कोई चल दिया, चलने-चलाने की इस घड़ी में कोई रह गया और कोई चल दिया। (जीवनधारा) आपातकाल की काली रात–25 जून 1975। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चलने वाला छात्र आन्दोलन, 1974 में बाबूजी ने अपने साथियों के साथ सबसे पहले विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया था। उसी दौर में अटल जी का दो बार बरियारपुर आगमन हुआ। एक बार, जब बाबूजी जनसंघ के उम्मीदवार (दीया छाप–नाराः हर हाथ को काम, हर खेत को पानी) के रूप में चुनावी मैदान में थे, उस समय वे चुनाव प्रचार में आए थे। उन्होंने रिक्शे पर बाबूजी के साथ प्रचार किया। उनके महाप्रयाण के समय बिहार के अखबारों में वह चित्र छपा था, जिसमें दोनों रिक्शे पर बैठे हुए हैं। दोनों एक साधारण रिक्शे पर, पर असाधारण विचारों के साथ। दूसरी बार आपातकाल के दौरान उनका एक दिवसीय रात्रि-विश्राम भी रहा। पैतृक निवास पर उनका रुकना हम लोगों के लिए गौरव की बात थी, जो अब पूरे प्रांत के लिए गौरव का विषय बन चुका है। हम बच्चों के लिए वह किसी उत्सव से कम नहीं था। बचपन में नेताओं को फूल-मालाएँ पहनाने की ज़िम्मेदारी मेरी ही होती थी–जिनमें अटल जी, छात्र-आंदोलन के प्रणेता जयप्रकाश नारायण, तथा सुंदर सिंह भंडारी, कपूर्री ठाकुर जैसे अनेक गणमान्य नेता शामिल थे। अटल जी को दोतल्ले के बड़े हाल के बगल वाले कमरे में ठहराया गया था । उनमें सरलता और विनोद का अद्भुत संगम था । रात्रि भोजन के समय उनके दूध पीने को लेकर कुछ असमंजस रहा–दूध कच्चा दिया जाए या उबालकर। अंततः उन्हें उबला हुआ दूध दिया गया और उन्होंने केवल दूध ही ग्रहण किया । अटल जी ने रात का भोजन नहीं किया था । यह अफरा-तफरी इसलिए थी उस समय बाबूजी जेल में थे और घर की जिम्मेदारी बिखरी हुई थी। उन्होंने अपनी कार भी प्रचार हेतु दे दी थी रात्रि विश्राम के समय बड़े पिताजी ने जाकर पूछा, मच्छरदानी लगवा दूँ?ङ्घ उन्होंने सहज भाव से कहा, नहीं, मुझे मच्छरदानी की जरूरत नहीं है। मैं अपना ऑडोमॉस लेकर चलता हूँ। लेकिन रात में एक मच्छर ने उन्हें काट ही लिया। सुबह होते ही वे कुछ परेशान दिखाई दिए और हँसते हुए कहने लगे– मुझे रात में एक मच्छर ने काट लिया। उनकी सहजता और आत्मीयता का यह छोटा-सा प्रसंग आज भी स्मृति में मुस्कान भर देता है। बरियारपुर में उनका चुनावी भाषण सुबह छह बजे ही निर्धारित था। उस समय मुझे नींद से जगाकर तैयार किया गया और मंच पर ले जाया गया। मुझे क्या पता था कि जीवन की वह भोर इतनी विशेष स्मृति बनकर मेरे साथ रह जाएगी! मंच पर पहुँचकर मैंने उन्हें गुलाब का फूल भेंट किया और उनका माल्यार्पण किया । गुलाब के फूल बचपन से आकर्षित करते रहे । छुट्टियों बाद छात्रावास भी जाती थी तो ठोंगे में भरकर ले जाती थी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, मंगलवार, 18 अगस्त, 2026

राशन कार्ड आवेदनों के अपलोड में तेजी लाएं, जनशिकायतों पर प्राथमिकता से हो कार्रवाई : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सोमवार को साप्ताहिक समन्वय सह राजस्व समन्वय समिति की बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न प्रशासनिक, राजस्व एवं विकासात्मक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने सभी लंबित मामले तथा का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। बैठक में न्यायालयों में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए सीडब्ल्यूजेसी/एमजेसी, न्यायालय संबंधी मामले, महत्वपूर्ण पत्र, सीपीग्राम्स डैशबोर्ड, परिवाद पत्र, भूमि विवाद समाधान पोर्टल, सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत लंबित मामले तथा नीलाम पत्र वाद की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। इसके अलावा व्यवहार न्यायालय सोनपुर एवं मढ़ौरा अनुमंडल, परिवार न्यायालय, जिला प्रोग्राम कार्यालय एवं आईसीडीएस, एनएचआरसी-एसएचआरसी, जिला निर्वाचन शाखा, सामाजिक सुरक्षा एवं जीवन प्रमाणीकरण, जिला कल्याण शाखा, श्रमिक कल्याण एवं सहकारिता विभाग से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी न्यायालयीन एवं राजस्व मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन किया जाए। महत्वपूर्ण पत्रों एवं जनशिकायतों को प्राथमिकता देने के साथ-साथ सीपीग्राम्स सहित विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों पर लंबित मामलों का भी ससमय निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने समाचार पत्रों में प्रकाशित नकारात्मक समाचारों एवं जनहित से जुड़े मामलों पर भी संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। भूमि विवाद से संबंधित मामलों में भूमि विवाद समाधान पोर्टल पर अद्यतन स्थिति दर्ज करने तथा लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने पर विशेष जोर दिया गया। राशन कार्ड आवेदनों के अपलोड में तेजी लाने का निर्देश बैठक में राशन कार्ड के लिए प्राप्त आवेदनों के अपलोड की प्रगति की भी समीक्षा की गई। डीएम ने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संबंधित ऑपरेटरों एवं पंचायत सचिवों के साथ समन्वय कर लंबित आवेदनों के अपलोड की प्रक्रिया में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड से संबंधित प्राप्त आवेदनों के अपलोड एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए, ताकि पात्र लाभुकों के आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित हो सके। बैठक के अंत में डीएम ने सभी पदाधिकारियों को प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों में और तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। सभी लंबित मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन संबंधित पदाधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

पीएम सूर्यघर योजना को मिशन मोड में गति देने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को जिले में प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिला प्रशासन ने अभियान तेज करने का निर्णय लिया है। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सोमवार को योजना की प्रगति एवं क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक हाइब्रिड मोड में आयोजित हुई, जिसमें जिला, प्रखंड एवं नगर निकाय स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। डीएम ने अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना से जोड़ने तथा आम लोगों को योजना के लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। बुधवार से तीन दिवसीय विशेष कैंप जिला पदाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं नगर निकायों के पदाधिकारियों को बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार को तीन दिवसीय विशेष कैंप आयोजित करने का निर्देश दिया। कैंप में पात्र उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देने, आवेदन प्रक्रिया समझाने तथा बैंक ऋण और रूफटॉप सोलर से जुड़ी समस्याओं का मौके पर समाधान करने की व्यवस्था की जाएगी। शिविरों में जनप्रतिनिधियों, व्यवसायियों, डीलर्स, पूर्व लाभार्थियों, बैंक प्रतिनिधियों, कनीय अभियंताओं और अधिकृत वेंडर्स की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया। पंचायत एवं नगर निकाय स्तर पर भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। 78 हजार तक केंद्रीय सब्सिडी, राज्य से अतिरिक्त 20 हजार डीएम ने बताया कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत पात्र उपभोक्ताओं को सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाने पर 78 हजार तक की केंद्रीय सब्सिडी का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार की ओर से 20 हजार का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में करीब 30 से 35 हजार ऐसे उपभोक्ता हैं, जिनका मासिक बिजली बिल कई मामलों में करीब 1,900 तक आता है। ऐसे परिवारों के लिए योजना आर्थिक रूप से लाभकारी साबित हो सकती है। छोटी कमियों पर ऋण आवेदन अस्वीकृत नहीं करें डीएम ने बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि योजना के तहत ऋण आवेदनों को छोटी तकनीकी या प्रक्रियागत कमियों के आधार पर अनावश्यक रूप से अस्वीकृत नहीं किया जाए। सिबिल स्कोर, गृहस्वामी के नाम में मामूली अंतर अथवा विद्युत लोड में अंतर जैसी समस्याओं का नियमानुसार समाधान समन्वय से करने को कहा गया। वरीय अधिकारी करेंगे कैंपों का निरीक्षण जिला पदाधिकारी ने जिला स्तर के वरीय पदाधिकारियों को विशेष कैंपों का स्वयं निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने शिविरों में कर्मियों की उपस्थिति, आम लोगों की सुविधा, आवेदन प्रक्रिया तथा योजना संबंधी जानकारी की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने सभी संबंधित विभागों, बैंकों, अभियंताओं और वेंडर्स को समन्वय के साथ मिशन मोड में कार्य कर निर्धारित लक्ष्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व उद्योग मंत्री स्व बैद्यनाथ पाण्डेय की 21वीं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया

बनियापुर। प्रखंड इब्राहिमपुर स्थित चंद्रालय भवन पर पूर्व उद्योग मंत्री स्व बैद्यनाथ पाण्डेय की स्मृति में 21वीं श्रद्धांजलि सभी आयोजित पूर्व सांसद उनकी पत्नी डॉ गिरिजा देवी, उनकी पुत्री डॉ मनीषा प्रियम की मौजूदगी में उन्हें याद कर भाव विभोर कर के पुष्पांजलि अर्पित की गई, जहां भारी संख्या में मौजूद गणमान्य समर्थकों, चाहने वालों ने शामिल होकर उनके तेलचित्र पर पुष्पांजलि किया, वही श्री पाण्डेय के व्यक्तित्व एव कृतित्व पर विस्तार से चर्चा किया गया, वक्ताओं ने श्री पाण्डेय के सरल स्वभाव व बीना भेद भाव के सबके प्रति समर्पण और सादगी भरी जीवन की बात कही उनके कार्यकाल की अनेको उपलब्धियों की चर्चा किया गया। मौके पर स्कूली बच्चों के बीच निःशुल्क बैग का भी वितरण किया गया। मौके पर अनिल राय भगवान जी शर्मा ज्ञानदेव सिंह मुन्ना राम, वीरेंद्र मिश्रा गौतम कुमार यादव विशिष्ट सिंह निर्जन सिंह सहित अन्य शामिल थे।

44 फरियादियों की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश

छपरा। आमलोगों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को आयोजित होने वाले ‌‌जनता के दरबार में जिलाधिकारी‌‌ कार्यक्रम में सोमवार को जिलाधिकारी ने 44 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए उसके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार में अधिकांश मामले राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित रहे। इसके अलावा नगर निगम, कला-संस्कृति तथा आपूर्ति विभाग से जुड़े मामलों को भी जिलाधिकारी ने सुना। सभी आवेदनों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि आमलोगों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। जनता दरबार के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा कार्रवाई की जा रही है, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

परसा में सावन की तीसरी सोमवारी पर भव्य जागरण भक्ति गीतों पर जमकर झूमे कांवडिया

परसा। सावन की तीसरी सोमवारी के अवसर पर परसा हाई स्कूल चौक के समीप मंटू सिंह के मार्केट में भव्य जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का आयोजन विधायक कृष्ण कुमार मंटू सिंह के नेतृत्व में किया गया. जिसमें पहलेजा घाट से जल लेकर अमनौर धाम जा रहे सैकड़ों कांवरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. जागरण कार्यक्रम में भोजपुरी के चर्चित गायक कुंजन बावली और गायिका प्रियंका यादव ने अपनी भक्तिमय भोजपुरी गीतों की शानदार प्रस्तुति से माहौल को पूरी तरह शिवमय बना दिया. भक्ति गीतों की धुन पर मौजूद कांवरिया और श्रद्धालु देर तक झूमते नजर आए. कार्यक्रम स्थल पर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा कार्यक्रम के दौरान आयोजक समिति की ओर से सोनू सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथियों एवं कलाकारों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया. वहीं श्रद्धालुओं और कांवरियों के लिए प्रसाद की भी व्यवस्था की गई. सैकड़ों कांवरियों के बीच प्रसाद का वितरण कर उनकी सेवा की गई. जागरण कार्यक्रम के समापन के उपरांत परसा प्रमुख प्रतिनिधि मुकेश कुमार सिंह, सोनू सिंह, शत्रुघ्न सिंह सहित अन्य लोगों ने परसा स्कूल चौक से कांवरियों के जत्थे को बोल बम के जयकारों के साथ अमनौर के लिए रवाना किया. इस दौरान कांवरियों में खासा उत्साह देखने को मिला. श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए अपनी यात्रा पर आगे बढ़े. कार्यक्रम में मुख्य पार्षद प्रतिनिधि क्रमुल्लाह, उप प्रमुख प्रतिनिधि रघु राय, उप मुख्य पार्षद दीपक कुमार, पैक्स अध्यक्ष अशोक सिंह, पिंटू सिंह, अजय सिंह, सुनील सिंह, प्रभाकर कुमार, डॉ. अजय सिंह समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, कांवरिया एवं भक्तगण मौजूद रहे. सावन की तीसरी सोमवारी पर आयोजित इस भव्य जागरण कार्यक्रम ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना दिया. आयोजन के दौरान कांवरियों की सेवा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भगवान शिव के जयकारों से परसा हाई स्कूल चौक भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

एकमा के प्रारंभिक विद्यालयों में एफएलएन विशेष कक्षाओं का धूमधाम से हुआ शुभारंभ, कमजोर बच्चों को भाषा व गणित में किया जाएगा दक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

एकमा (सारण)। विभागीय निर्देश के आलोक में सारण जिले के एकमा प्रखंड एवं नगर पंचायत क्षेत्र के प्रारंभिक विद्यालयों में सोमवार को फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) कार्यक्रम के तहत विशेष कक्षाओं का शुभारंभ किया गया। कक्षा चार से आठ तक के विद्यालय स्तरीय आकलन में भाषा एवं गणित में अपेक्षाकृत कमजोर पाए गए बच्चों को इन विशेष कक्षाओं में शामिल किया गया है। इन कक्षाओं का उद्देश्य बच्चों की बुनियादी भाषा एवं गणितीय दक्षताओं को मजबूत करना है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर 17 अगस्त से एफएलएन के लिए नामित शिक्षकों द्वारा प्रथम पाली में प्रतिदिन एक घंटे भाषा (हिंदी) एवं एक घंटे गणित की विशेष कक्षा शुरू की गई है। भाषा में अक्षर, शब्द, अनुच्छेद और कहानी पढ़ने-समझने तथा गणित में अंकों की पहचान, जोड़, घटाव, गुणा और भाग का अभ्यास कराया जाएगा। बच्चों को उनकी सीखने की जरूरत के अनुसार सरल एवं गतिविधि आधारित तरीके से पढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। तीन अगस्त तक हुए आकलन के आधार पर बच्चों का चयन किया गया है। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौसपुर, एनपीएस गंगवा, एनपीएस एससी टोला चकमीरा, कन्या मध्य विद्यालय एकमा, आदर्श मध्य विद्यालय हंसराजपुर, प्राथमिक विद्यालय नवतन कोईरी टोला, पीएस राजापुर, एनपीएस रामपुर मठिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय आमडाढ़ी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसंतपुर, प्राथमिक विद्यालय धनाडीह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनवारी अमनौर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय एकसार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय गजियापुर, एनपीएस भरहोपुर कामाख्या मंदिर, एनपीएस भुअरपुर, कन्या प्राथमिक विद्यालय अतारसन, उत्क्रमित मध्य विद्यालय शिवरी मठिया, एनपीएस फुचटीकला, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लाकठ छपरा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय रीठ, मध्य विद्यालय माने, प्राथमिक विद्यालय अतारसन पश्चिमी टोला, कन्या प्राथमिक विद्यालय समय छपरा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लौवारी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय माणिकपुर, एनपीएस बीच टोला माधोपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय देवढ़ियां पंडित टोला, एनपीएस घुरापाली, एनपीएस कोहरगढ़ एससी टोला, एनपीएस अतारसन मठिया, प्राथमिक विद्यालय बंशी छपरा, प्राथमिक विद्यालय फुचटी खुर्द, एनपीएस गलिमापुर, एनपीएस मरवठ, कन्या प्राथमिक विद्यालय कर्णपुरा एवं प्राथमिक विद्यालय रामपुर समेत कई विद्यालयों में विशेष कक्षाएं शुरू हुईं। गौसपुर में शिक्षक रहे मौजूद : उत्क्रमित मध्य विद्यालय गौसपुर में प्रधानाध्यापक एवं गौसपुर संकुल संसाधन केंद्र के समन्वयक मंजीत कुमार तिवारी के नेतृत्व में विशेष कक्षा शुरू हुई। इस मौके पर संचालक मोहम्मद तौकीर अंसारी, शिक्षक दिग्विजय कुमार गुप्ता, अंजू कुमारी, सनोज मेहरा, कमल कुमार सिंह, छविनाथ मांझी, योगेश कुमार सिंह और राज मोहम्मद अंसारी समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों ने बच्चों को भाषा एवं गणित का अभ्यास कराया। नियमित अनुश्रवण की व्यवस्था : एफएलएन विशेष कक्षाओं के संचालन की निगरानी के लिए विभाग ने नियमित अनुश्रवण की व्यवस्था की है। जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं मेंटर विद्यालयों में चल रही विशेष कक्षाओं का अनुश्रवण करेंगे। विद्यालयों को कक्षा के शुभारंभ एवं संचालन से संबंधित फोटो व वीडियो विभागीय एफएलएन समूह में साझा करने का निर्देश भी दिया गया है। प्रधानाध्यापक मंजीत कुमार तिवारी ने कहा कि नियमित कक्षाओं के साथ विशेष अभ्यास से बच्चों में पढ़ने, समझने, लिखने और गणितीय गणना जैसी बुनियादी क्षमताओं में सुधार होगा। शिक्षक कमल कुमार सिंह एवं छविनाथ मांझी ने कहा कि विशेष कक्षाओं से सीखने में पीछे रह गए बच्चों को अतिरिक्त समय और आवश्यक सहयोग मिलेगा। वहीं बीईओ मनीष कुमार, नोडल पदाधिकारी रंजन चौरसिया एवं सहायक नोडल पदाधिकारी अंजना मिश्रा ने प्रखंड व नगर क्षेत्र में एफएलएन कक्षाओं के सफल शुभारंभ पर सभी सीआरसीसी, संचालकों, प्रधानाध्यापकों, नोडल शिक्षकों एवं मेंटरों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

लालापुर पुरानी शिव मंदिर की जगह बनेगा भव्य नव मंदिर सावन की तीसरी सोमवारी पर हुआ भूमि पूजन

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। प्रखंड के सगुनी पंचायत स्थित लालापुर पुरानी शिव मंदिर के स्थान पर अब भव्य नव मंदिर का निर्माण किया जाएगा। सावन की तीसरी सोमवारी के शुभ अवसर पर मंदिर निर्माण को लेकर विधि-विधान से भूमि पूजन संपन्न हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम आचार्य विनोद तिवारी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया गया। वैदिक रीति से पूजन भूषण तिवारी के हाथों कराया गया। मंत्रध्वनि और शंखनाद के बीच पूरा परिसर ‌हर-हर महादेव‌ के जयकारों से गूंज उठा। भूमि पूजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि लक्ष्मण साह, जदयू के पूर्व अध्यक्ष ललन सिंह, शिक्षक चंद्रकेत कुमार सिंह, कुमार विक्की, उमेश सिंह, पूर्व सरपंच हरेन्द्र सिंह, शंभू प्रसाद साह, शिला साह, युवा नेता सुभाष कुमार गुप्ता, तूफान सिंह, मो. यूनिश अंसारी, गीता देवी, सीता देवी, सुनैना देवी, रीता देवी सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल सभी जनप्रतिनिधियों ने मंदिर निर्माण में हर संभव सहयोग और सहायता का आश्वासन दिया। ग्रामीणों का कहना है कि नया मंदिर बनने से न सिर्फ आस्था को बल मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सुनी गई जन शिकायत

छपरा सदर। सोमवार को सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। विदित हो कि पुलिस कार्यालय में प्रत्येक कार्य दिवस पर भौतिक रूप से 10:00 बजे सुबह से 02:00 बजे शाम तक जनसुनवाई की जाती है।

80वां स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मढ़ौरा अनुमंडल में शान से लहराया तिरंगा

प्रात : किरण संवाददाता

मढ़ौरा। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर मढ़ौरा में शनिवार को पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ नगर पंचायत व मढ़ौरा ग्रामीणों क्षेत्रों में झंडोत्तोलन किया गया। इस मौके पर थाना खेल मैदान में मुख्य राजकीय समारोह आयोजित किया गया जहां अनुमंडल पदाधिकारी निधि राज ने झंडोतोलन किया। और डीएसपी सविंदर कुमार दास के साथ परेड की विभिन्न टूकरियों का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। परेड में इस बार आदर्श मध्य विद्यालय मढ़ौरा को प्रथम, ट्राइडेंट पब्लिक स्कूल और ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल को द्वितीय जबकि कन्या मध्य विद्यालय और खेदन प्रसाद हाई स्कूल शिल्हौरी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अनुमंडल वासियों को संबोधित करते हुए एसडीओ निधि राज ने अनुमंडल में हुए विकास कार्य और यहां चल रही सरकारी योजनाओं तथा उपलब्धियां की चर्चा की। इस मौके पर अनुमंडल कार्यालय और राजकीय समारोह में एसडीओ निधि राज, डीएसपी आवास पर डीएसपी सविंदर कुमार दास, नगर पंचायत कार्यालय पर मुख्य पार्षद रूबी सिंह, प्रखंड कार्यालय परिसर में प्रमुख नीतू कुमारी, अंबेडकर पार्क में पूर्वमंत्री व विधायक जितेंद्र कुमार राय, पटेल स्मारक पर गामा सिंह, शहीद स्मारक पर लाल बाबू गिरी, मीडिया सेंटर पर श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के महासचिव सच्चिदानंद ओझा, मढ़ौरा थाना परिसर में थानाध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद, केन यूनियन व व्यापार मंडल में परमात्मा राय, तकिया पंचायत भवन परिसर में मुखिया शैलेश कुमार यादव, गौरा पंचायत भवन परिसर में मुखिया राजेश प्रसाद, आवारी पैक्स गोदाम परिसर में अध्यक्ष काशी नाथ राय, रसूलपुर पंचायत भवन परिसर में मुखिया पन्नालाल सिंह, इसरौली पंचायत भवन परिसर में मुखिया हरेंद्र राय, आगहरा पंचायत भवन परिसर में मुखिया मंजू देवी, तेजपुरवा बाजार पर मनोज गुप्ता ने तिरंगा फहराया। वही दोपहर बाद प्रशासन और पब्लिक के बीच फंसी फुटबॉल मैच का भी आयोजन किया गया। प्रशासन-पब्लिक के बीच स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मढ़ौरा थाना खेल मैदान में प्रशासन और पब्लिक के बीच फैंसी फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। रोमांचक मुकाबले में निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक-एक गोल की बराबरी पर रहीं। इसके बाद मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया गया। मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और मैदान पर मौजूद खेलप्रेमियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुकाबले के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्रशासन और पब्लिक की टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई। प्रशासन की टीम से डीएसपी सविंदर कुमार दास को बेस्ट-11, जबकि पब्लिक टीम से ठाकुर अमर सिंह को बेस्ट-11 और नागेंद्र राय को बेस्ट-22 का पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे।

आईसीसीआर पटना की निदेशक स्वधा रिज्वी द्वारा लोक गायक रामेश्वर गोप पुरस्कृत

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुर। सारण जिले के लोक गायक व शिक्षक रामेश्वर गोप को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद व पासपोर्ट कार्यालय पटना की निदेशक स्वधा रिज्वी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर पुरस्कृत किया गया। आईसीसीआर व पासपोर्ट कार्यालय पटना में आयोजित सांस्कृतिक मंच से गायक गोप ने रघुवीर नारायण की चर्चित सुंदर सुभूमि भैया भारत के देशवा से मोरे प्राण बसे हिम खोह रे बटोहिया‌देश भक्ति गीत की प्रस्तुति के साथ महेंद्र मिश्र रचित नोटवा जे छापी छापी गिनिया भजवल ए महेंद्र मिसिर जैसे देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में भिखारी ठाकुर रचित बिदेशिया नाटक के गीत पियवा गईले कलकतवा रे सजनी की भी प्रस्तुति गायक गोप द्वारा किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित इप्टा के राष्ट्रीय महासचिव तनवीर अख्तर और पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों ने भूरी भूरी प्रशंसा की। पुरस्कृत होने पर गायक गोप के स्कूल रामानंदन हाईस्कूल योगियां के प्रधानाध्यापक लालबाबू यादव व अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं ने हार्दिक बधाई देते हुए खुशी प्रकट की है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में सीसीएस के बच्चों ने बिखेरा जलवा, मिला द्वितीय पुरस्कार

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिला प्रशासन, सारण द्वारा भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह, छपरा में आयोजित जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम-सह-प्रतियोगिता में छपरा सेंट्रल स्कूल की सीनियर टीम ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। विद्यालय की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए *द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर कार्यक्रम में उपस्थित सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल* ने टीम के मनोबल को बढ़ाते हुए 15,000 की नगद राशि प्रदान करने की घोषणा भी की। इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के सभी के मेहनती शिक्षकों को जाता है विशेष योगदान किरण कुमारी, प्रतिमा गुप्ता, मनासमल और ओम प्रकाश श्रीवास्तव का है। इन्हीं शिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों को नृत्य के गुण सीखने का मौका मिला। विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य संतोष कुमार ने अभिभावको के अथक सहयोग के लिए धन्यवाद किया। और इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विजेता छात्रों एवं शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। विद्यालय के सचिव डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। भविष्य में भी विद्यालय इसी तरह जिले का गौरव बढ़ाता रहेगा।

दरियापुर के मंडल अध्यक्ष रामानंद सिंह का भतीजा किशु सिंह बने लेफ्टिनेंट कर्नल

प्रात : किरण संवाददाता

परसा/दरियापुर। सारण जिले के दरियापुर प्रखंड स्थित बारवे गांव के लिए सोमवार का दिन गर्व और गौरव का बन गया। बारवे गांव निवासी किशु सिंह ने यूपीएससी सीडीएस परीक्षा पास कर लेफ्टिनेंट कर्नल पद पर चयनित होकर माता पिता गांव समेत जिले का नाम रोशन किया है। सफलता की खबर मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों ने उनका गाजे-बाजे, फूल-माला और ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया। किशु सिंह ने प्रारंभिक शिक्षा हैरिटेज स्कूल सोनपुर से और इंटरमीडिएट बोकारो और स्नातक शिक्षा हाजीपुर से पूरी की। इसके बाद उन्होंने यूपीएससी सीडीएस की तैयारी शुरू की और कड़ी मेहनत के बल पर परीक्षा में सफलता हासिल की। परिवार में पिता व्यवसायी और माता गुड्डी देवी गृहणी हैं। किशु के दो भाई हैं, जिनमें बड़े भाई गोल्डी कुमार सिंह व्यवसाय करते हैं। बताया जाता है कि इससे पहले भी किशु ने कई प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता पाई थी, लेकिन देश सेवा का जज्बा उन्हें सेना की ओर खींच लाया। किशु की सफलता की सूचना मिलते ही बारवे गांव और आसपास के इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई। सोमवार को जब वे घर पहुंचे तो बारवे विद्यालय से परिजनों ने उनका फूल-माला और गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया। और गाजे बाजे के साथ ग्रामीणों तथा परिजनों ने घर पहुंचे। और मिठाइयां बांटकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। इस अवसर पर दादा योगेंद्र प्रसाद सिंह, चाचा दरियापुर प्रखंड पूर्वी भाजपा मंडल अध्यक्ष रामानंद सिंह, सोनू सिंह, अमित कुमार सिंह, पप्पू कुमार सिंह सहित परिजनों ने किशु की सफलता पर खुशी जाहिर की। वहीं पूर्व विधायक छोटेलाल राय, परसा प्रमुख सविता देवी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश सिंह, महामंत्री सुजीत कुमार शर्मा, पूर्व जिला मंत्री अनिल सिंह, परसा पूर्वी मंडल अध्यक्ष अजय नाथ पूरी, पंकज कुमार सिंह, मंत्री संतोष शर्मा, लाल बाबू गुप्ता, चंदन सिंह, अर्जुन सिंह, गाया सिंह, अखिलेश कुमार राय ने किशु सिंह को फूलमाला, अंग वस्त्र से सम्मानित कर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों का कहना है कि किशु की इस उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं को सेना और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरणा मिलेगी।

विगत 24 घंटे में 36 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार, अवैध हथियार एवं शराब भी किये गये जब्त

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 16 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-36 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें वारंट में 16, शराब कारोबारी में 13, हत्या के प्रयास में 2, चोरी में 1, छल में 1, शराब सेवन में 1, गृहभेदन में 1 तथा अन्य कांडों में 1 अभियुक्त शामिल है। वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-109 वाहनों से 1,80,000 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-440.50 ली०, कार-01, मोटरसाईकिल-02, पिस्टल-01, लैपटॉप-01 एवं अपहता-01 बरामद किए गए।

घर पर प्रसव की पुरानी सोच बदली: अब अस्पताल पर भरोस, महिलाओं ने चुना सुरक्षित मातृत्व

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। एक समय था जब मैनपुरा गांव में प्रसव को लेकर परिवारों की पहली पसंद घर ही हुआ करता था। स्वास्थ्य केंद्र तक जाने में झिझक, सरकारी अस्पताल में सुविधा नहीं होने की धारणा और वर्षों से चली आ रही सामाजिक मान्यताओं के कारण कई महिलाएं घर पर ही बच्चे को जन्म देती थीं। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। गांव की महिलाओं में जागरूकता बढ़ी है और संस्थागत प्रसव को लेकर भरोसा मजबूत हुआ है। अब महिलाएं कह रही हैं कि प्रसव घर की चारदीवारी में नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संस्थान में ही सुरक्षित है। रिविलगंज प्रखंड के मैनपुरा गांव में आयोजित सामुदायिक बैठक में सामने आए संवाद ने इस बदलाव की कहानी को उजागर किया। बैठक में महिलाओं ने एक स्वर में बताया कि अब गांव की कोई भी महिला प्रसव के लिए घर को

प्राथमिकता नहीं देती। जरूरत पड़ने पर वे स्वास्थ्य केंद्र जाती हैं और मां-बच्चे की सुरक्षा को सबसे ऊपर रखती हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया है। इसके पीछे आशा कार्यकताओं, आशा संगिनी, जीविका समूह, स्वास्थ्य विभाग, पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म (ढरढ) के सदस्यों और समुदाय के बीच लगातार संवाद का असर दिखाई देता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बिरम परसा में हुई बैठक में कुल 46 लोगों ने भाग लिया। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की थी। इस दौरान केवल स्वास्थ्य विभाग की जानकारी नहीं दी गई, बल्कि महिलाओं ने अपनी पुरानी धारणाओं, शिकायतों और आशंकाओं को खुलकर सामने रखा। पहले घर था विकल्प, अब अस्पताल बना भरोसा बैठक में महिलाओं ने बताया कि कुछ वर्ष पहले गांव में प्रसव घर पर होना सामान्य बात मानी जाती थी। इसके पीछे एक बड़ा कारण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जानकारी का अभाव था। कई परिवारों को यह पता ही नहीं था कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव के साथ कई सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। धीरे-धीरे आशा कार्यकताओं और स्वास्थ्यकर्मियों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव और प्रसव के दौरान संभावित जटिलताओं के बारे में जानकारी मिलने लगी। इससे परिवारों की सोच बदली। अब महिलाओं का कहना है कि अस्पताल में प्रसव होने पर यदि अचानक किसी तरह की जटिलता सामने आती है तो प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी और चिकित्सक तत्काल उपचार कर सकते हैं। यही भरोसा उन्हें घर की बजाय अस्पताल तक लेकर जा रहा है। ग्रामीण महिला की आवाज पहले जानकारी कम थी, इसलिए घर पर ही प्रसव करा लेते थे। अब हम जानते हैं कि अस्पताल में मां और बच्चे दोनों की सुरक्षा ज्यादा होती है। गर्भ की जांच से लेकर प्रसव और बच्चे के टीकाकरण तक सुविधा मिलती है। इसलिए अब गांव में कोई भी महिला घर पर प्रसव कराने को सही नहीं मानती। उर्मिला देवी, मैनपुरा गांव सिर्फ सुविधा नहीं, सोच में आया बदलाव मैनपुरा की कहानी केवल स्वास्थ्य सुविधा बढ़ने की कहानी नहीं है। यह सामुदायिक सोच में बदलाव की कहानी भी है। पहले गर्भावस्था और प्रसव को घर की निजी व्यवस्था का हिस्सा मानने वाली महिलाएं अब इसे स्वास्थ्य का विषय मानकर चिकित्सकीय निगरानी को जरूरी समझ रही हैं। गर्भवती महिला को कब जांच करानी है, कौन-सा टीका जरूरी है, प्रसव कहां होना चाहिए और खतरे के संकेत मिलने पर क्या करना है इन सवालों को लेकर अब समुदाय में अधिक जानकारी है। यही जागरूकता उस समय महत्वपूर्ण साबित होती है, जब प्रसव के दौरान अचानक रक्तस्त्राव, उच्च रक्तचाप, बच्चे की स्थिति से जुड़ी जटिलता या अन्य समस्या सामने आती है। पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म के सदस्यों की भूमिका भी महत्वपूर्ण इस बदलाव में पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म (ढरढ) के सदस्यों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। सामुदायिक बैठक में प्लेटफॉर्म के सदस्यों ने महिलाओं और स्वास्थ्य विभाग के बीच संवाद का माध्यम बनकर काम किया। उन्होंने समुदाय में संस्थागत प्रसव को लेकर मौजूद अनुभवों, समस्याओं और भ्रांतियों को सामने रखा तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी वास्तविक स्थिति पर चर्चा की।

खेलो इंडिया अस्मिता लीग में छपरा सदर की बेटियों का परचम

छपरा। खेलो इंडिया अस्मिता लीग के तहत छपरा में आयोजित सेपक टाकरा प्रतियोगिता में बालिका खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्थानीय निजी विद्यालय परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों एवं क्षेत्रों से पहुंची खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, एकाग्रता और खेल कौशल से दर्शकों को प्रभावित किया। प्रतियोगिता का माहौल पूरे समय उत्साह और खेल भावना से भरा रहा। फाइनल में छपरा सदर का शानदार प्रदर्शन प्रतियोगिता में छपरा सदर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक और अनुशासित खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के बीच बेहतरीन तालमेल, सटीक किक और प्रभावी वॉली ने मुकाबले को रोमांचक बना दिया। फाइनल में शानदार प्रदर्शन के दम पर छपरा सदर की टीम विजेता बनी। वहीं, स्थानीय विद्यालय की बालिका टीम ने भी मजबूत चुनौती पेश करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक हासिल किया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला देखने के लिए खेल प्रेमियों की अच्छी भीड़ मौजूद रही। प्रतिभाओं को मंच दे रही अस्मिता लीग बिहार सेपक टाकरा संघ के सचिव डॉ. करुणेश कुमार ने छपरा सदर की विजेता टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बालिका खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। सारण जिला सेपक टाकरा संघ के अध्यक्ष विकास कुमार ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेलो इंडिया अस्मिता लीग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज की ये प्रतिभाएं भविष्य में राज्य और देश का नाम रोशन कर सकती हैं। बालिकाओं में बढ़ रहा सेपक टाकरा का क्रेज इस अवसर पर सारण जिला सेपक टाकरा संघ के सचिव तरुण कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में सेपक टाकरा के प्रति युवाओं का रुझान लगातार बढ़ रहा है। खासकर बालिकाओं की बढ़ती भागीदारी इस बात का संकेत है कि जिले में खेल संस्कृति मजबूत हो रही है। प्रतियोगिता से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा है और अन्य युवाओं को भी खेलों से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। कार्यक्रम का समापन खेल भावना की शपथ और मिष्ठान वितरण के साथ हुआ।

नशा मुक्त अभियान के तहत कुल 440 लीटर अवैध शराब बरामद एवं 12 शराब कारोबारी गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा जिलान्तर्गत विभिन्न जगहों पर अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान नशा मुक्त सारण चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध सफल आसूचना संकलन एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न थानों द्वारा छापामारी कर कुल-440.50 लीटर बरामद कर 12 शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया तथा पकड़ाये थानान्तर्गत बिहार मद्य निषेध अधिनियम के तहत कांड दर्ज किया गया है। इस छापामारी के क्रम में कार-01, टोटो-01 एवं मोटरसाईकिल-01 बरामद किया गया है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, मंगलवार, 18 अगस्त, 2026

भरत तिवारी के परिजन से सांसद मनोज तिवारी ने की मुलाकात

- मनोज तिवारी की कलाई पर भरत तिवारी की बहन ने बांधी राखी
- हर संभव मदद और न्याय दिलाने का दिया भरोसा

प्रात : किरण संवाददाता

शाहपुर के बिलौटी के चर्चित भरत भूषण एनकाउंटर के दो महीना बाद आज दिल्ली क्षेत्र से बीजेपी के सांसद मनोज तिवारी दिवंगत भरत भूषण तिवारी के पीड़ित परिजन से मुलाकात कर। हर संभव मदद और न्याय दिलाने का भरोसा जताया। 17 जून को पुलिस एनकाउंटर में भरत भूषण तिवारी की मौत के बाद उन्हें न्याय दिलाने को लेकर कई राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया था। 24 जुलाई को पीड़ित परिजन बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुलाकात कर भरत तिवारी की हत्या का निरपक्ष जांच करने की मांग किया था। भरत तिवारी की मां आशा देवी बहन रूबी तिवारी और भाभी सुमन देवी ने मुलाकात परिजनों ने घटना से जुड़ी अपनी पीड़ा मुख्यमंत्री के सामने रखा था। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद जगदीशपुर एसडीएम संजीत कुमार का ट्रांसफर हुआ, इसके अलावा और जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा पर भी कार्रवाई की गई। और SIT जवान अक्षय कुमार की गिरफ्तारी हुई थी।

मुख्यमंत्री से भरत तिवारी की परिवार की मुलाकात करने में मनोज तिवारी की नाम भी प्रमुखता से आई थी। बीते गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भरत तिवारी के परिवार को आर्थिक सहायता और एक सरकारी नौकरी देने की बात सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी गई थी। 27 जुलाई को भोजपुरी के पावर स्टार और एमएलसी पवन सिंह से भी भरत तिवारी की परिवार ने मुलाकात किया था। न्याय दिलाने की मांग की थी। वहीं भारत तिवारी के साथ शाहपुर विधायक राकेश रंजन उर्फ राकेश ओझा, और बक्सर विधायक आनंद मिश्रा भी मौजूद रहे। उन लोगों द्वारा बताया गया कि जो भी भरत तिवारी के एनकाउंटर में दोषी है।सब पर कार्रवाई की जाएगी। जिसमें एक की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। जगदीशपुर एसडीएम पर कार्रवाई के साथ जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ पर भी कार्रवाई सरकार के द्वारा की गई है।और बताया कि हम लोग और बिहार सरकार भरत तिवारी के परिवार के साथ खड़े हैं। आज भारत तिवारी की एनकाउंटर की दो महीना होने के बाद जवनिया गांव के विस्थापित परिवारों के लिए पूरी सब्जी के इंतजाम की गई थी। भरत तिवारी के परिजन से सांसद मनोज तिवारी की मुलाकात को लेकर काफी संख्या में पुलिस बल की भी चुनौती की गई थी। वही दिवंगत भरत तिवारी की बहन रूबी तिवारी ने मनोज तिवारी शाहपुर विधायक राकेश रंजन उर्फ राकेश ओझा बक्सर विधायक आनंद मिश्रा के कलाई पर राखी बांधते हुए। भरत तिवारी के न्याय दिलाने की मांग की और कहा कि मेरा एक भाई तो चला गया लेकिन आप तीनों भाई मिलकर इस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। जिससे एक बहन का भाई के लिए और मां का बेटा अपने बेटी के लिए रोना ना पड़े। भरत तिवारी की बहन राखी बांधते हुए उनकी आंखों से आंसू निकलने लगे।

डीएम से छात्राओं ने की विद्यालयों में खेल सामग्री उपलब्ध कराने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने जिला पदाधिकारी, भोजपुर को आवेदन देकर सरकारी विद्यालयों में खेल सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि बड़हरा प्रखंड के सबलपुर गंगौली विद्यालय में विभिन्न सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राएं खेल कूद में भाग ले रहे हैं। आवेदन में कहा गया है कि इसमें दो दर्जन राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी है। यह सभी खिलाड़ी अत्यंत गरीब परिवार से आते है। जिन्हें खेल सामग्री खरीद पाना संभव नहीं है। इनमें खिलाड़ी भोजपुर मुक्केबाज चैंपियन का खिताब जीत चुके हैं। इन खिलाड़ियों को आगे आने वाले दिनों में बिहार चैंपियनशिप एवं ओलंपिक जैसे खेलों में भाग लेना है। खेल सामग्री नहीं होने से प्रशिक्षण बाधित हो रहा है। विद्यालयों में खेल सामग्री उपलब्ध नहीं होने के कारण बच्चों को खेलकूद गतिविधियों में भाग लेने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। इससे उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। छात्रों ने कहा कि खेल शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके अभाव में उनका सर्वांगीण विकास बाधित हो रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि सभी सरकारी विद्यालयों में आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराई जाए, ताकि विद्यार्थियों को नियमित खेल अभ्यास का अवसर मिल सके और वे विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस संबंध में छात्रों ने जिला पदाधिकारी से शीघ्र कार्रवाई कर विद्यालयों में खेल सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है।

वीकेएसयू को 105.14 करोड़, शिक्षकों-कर्मियों को तीन माह के वेतन-पेंशन का रास्ता साफ

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। राज्य के पारंपरिक विश्वविद्यालयों के शिक्षक-कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। राज्य सरकार ने 13 विश्वविद्यालयों को कुल 1,127.34 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। इस राशि से जून से अगस्त माह तक के वेतन-पेंशन का भुगतान किया जाएगा। इसमें अतिथि शिक्षकों के मानदेय की राशि भी शामिल है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जारी राशि का उपयोग संबंधित विश्वविद्यालयों में लंबित वेतन, पेंशन एवं अन्य देय मदों के भुगतान में किया जाएगा। जारी राशि में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा को 105.14 करोड़ रुपये मिले हैं। इससे विश्वविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, पेंशनभोगी तथा अतिथि शिक्षक लाभान्वित होंगे। लंबे समय से वेतन-पेंशन भुगतान को लेकर बनी स्थिति के बीच सरकार की ओर से राशि उपलब्ध कराए जाने से संबंधित लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। विभाग के अनुसार पटना विश्वविद्यालय को 77.65 करोड़, मगध विश्वविद्यालय को 162.03 करोड़, बीआरए बिहार विश्वविद्यालय को 162.15 करोड़ तथा जयप्रकाश विश्वविद्यालय को 77.61 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसी तरह बीएन मंडल विश्वविद्यालय को 84.76 करोड़ और तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय को 80.86 करोड़ रुपये दिए गए हैं इसके अलावा ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय को 165.22 करोड़, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय को 40.66 करोड़, मौलाना मजहरुल हक अरबी-फारसी विश्वविद्यालय को 3.03 करोड़, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय को 102.72 करोड़, पूर्णिया विश्वविद्यालय को 27.86 करोड़ तथा मुंगेर विश्वविद्यालय को 37.65 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जारी निर्देश के अनुसार राशि का उपयोग निर्धारित मदों में करते हुए शिक्षकों-कर्मचारियों के वेतन तथा पेंशन का भुगतान किया जाना है। वीकेएसयू में भी राशि प्राप्त होने के बाद लंबित भुगतान की प्रक्रिया तेज होने की संभावना है।

संस्कृति कार्यक्रम के दौरान डीजे साउंड बॉक्स गिरने से दो जख्मी

आरा। जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के अगिआंव गांव में रविवार की रात संस्कृति कार्यक्रम के दौरान अचानक डीजे साउंड बॉक्स गिरने से पश्चिम बंगाल निवासी दो लोग जख्मी हो गए। जख्मियों में एक का इलाज गड़हनी सीएचसी एवं दूसरे का सदर अस्पताल में कराया गया। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। इसके बाद वहां मौजूद लोगों द्वारा जख्मियों को इलाज के लिए ले जाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में नारायणपुर गांव निवासी राजू शर्मा का पुत्र पिंटू विश्वकर्मा एवं पश्चिम बंगाल निवासी सतीश मंडल शामिल है। जानकारी के अनुसार रविवार को अगिआंव गांव स्थित घर में सदेश विधानसभा क्षेत्र के पूर्व राजद विधायक अरुण यादव के पिताजी की तीसरी पुण्यतिथि मनाई जा रही थी, जिसमें संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था। रविवार की रात जब संस्कृतिक कार्यक्रम चल रहा था। उस वक्त लोगों की काफी संख्या में भीड़ भी इकट्ठी थी। उस दौरान डीजे साउंड बॉक्स अचानक गिर पड़ा।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के प्रयास मामले में दो गिरफ्तार

आरा। नवादा थाना पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दोनों की गिरफ्तारी थाना क्षेत्र इलाके से रविवार को की। गिरफ्तार आरोपियों में नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर मोहल्ला निवासी प्रमोद कुमार राय का पुत्र शिवम कुमार एवं मनोज तिवारी का पुत्र आयुष कुमार शामिल है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक राज ने प्रेस नोट जारी कर दी। बताया जाता है कि नवादा थाना क्षेत्र के बाजार समिति निवासी डब्लू राय का पुत्र शाश्वत राज जब शनिवार की रात बाजार से घर वापस लौट रहा था। तभी आयुष कुमार एवं शिवम कुमार अपने अन्य दोस्तों के साथ मिलकर उसे बीच रास्ते में घेर लिया। इसके बाद उसे जबरन बाजार समिति स्थित गोदाम के पास ले गया और उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान उसका सर फट गया और वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके पश्चात शाश्वत राज द्वारा नवादा थाना में आयुष कुमार एवं शिवम कुमार स्थित अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। प्राथमिकी दर्ज उपरांत पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं अन्य की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

145 ग्राम गांजे के साथ बदमाश गिरफ्तार

आरा। टाउन थाना पुलिस द्वारा 145 ग्राम गांजे के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के सदर अस्पताल रोड से रविवार को की गयी। गिरफ्तार बदमाश टाउन थाना क्षेत्र के शीतल टोला निवासी स्व. शिवनाथ प्रसाद का पुत्र गणेश कुमार उर्फ खटाई है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक राज ने प्रेस नोट जारी कर दी। उन्होंने बताया कि टाउन थाना पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी की एक व्यक्ति सदर अस्पताल रोड में मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन उपरांत पुलिस वहां पहुंची, तो पुलिस को देख वह भागने का प्रयास करने लगा। तभी पुलिस ने सशस्त्र बल के सहयोग से उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी दौरान उसके पास से 145 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके पश्चात टाउन थाने में पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। वही पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार बदमाश का पूर्व में आपराधिक इतिहास रहा है। वह आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास सहित कई मामलों में आरोपित रहा है।

विद्युत चोरी के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान

गया। विद्युत ऊर्जा चोरी रोकथाम अभियान के तहत सहायक विद्युत अभियंता सूरज प्रसाद के नेतृत्व मे सोमवार एक विशेष छापेमारी दल का गठन कर सघन जांच अभियान चलाया गया है। इस छापेमारी दल में कन्हैया प्रसाद, सहायक विद्युत अभियंता (रळत्र), विवेक कुमार एवं ओमप्रकाश कुमार, कनीय विद्युत अभियंता, सत्येन्द्र कुमार, तकनीकि कोटि-01 एवं विभागीय मिस्त्री शामिल थे। दोपहर 2:40 बजे दल ने यूनिक इन्फोटेक ऑनलाईन सेन्टर, उ/ड आकाश दयाल, माड़नपुर मोड, चाँदचौरा, थाना विष्णुपद, गया जी के व्यावसायिक परिसर की जांच की। जांच के क्रम में परिसर में लगे विद्युत मीटर संख्या 19339607, उपभोक्ता संख्या में अनियमितता पाई गई। आगे की कार्रवाई प्राथमिक जांच में विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज करने हेतु थाना विष्णुपद को आवेदन दिया गया है।

यूजीसी-नेट में गड़बड़ी से वीकेएसयू के अभ्यर्थियों की बढ़ी चिंता, तीन विषयों की परीक्षा दोबारा होगी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा में प्रश्नपत्रों में गड़बड़ी सामने आने के बाद तीन विषयों की परीक्षा रद्द कर दी गई है। अब अंग्रेजी, कॉमर्स और समाजशास्त्र विषय की परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी। इस फैसले से वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा से जुड़े इन विषयों के अभ्यर्थियों के बीच भी परीक्षा को लेकर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। एनटीए ने स्पष्ट किया है कि तीनों विषयों की दोबारा परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों से कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। एनटीए के अनुसार, अंग्रेजी विषय की पुनर्परीक्षा 9 सितंबर 2026 को शिफ्ट-1 में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। वहीं कॉमर्स विषय की परीक्षा इसी दिन शिफ्ट-2 में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। समाजशास्त्र विषय की पुनर्परीक्षा 10 सितंबर 2026 को शिफ्ट-1 में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। परीक्षा केंद्र, शहर और एडमिट कार्ड से संबंधित जानकारी एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।बताया गया है कि प्रश्नपत्रों की जांच के दौरान तथ्यात्मक, टाइपिंग और अनुवाद संबंधी गलतियों के साथ कुछ विद्वानों के नामों की गलत स्पेलिंग, किताबों के गलत शीर्षक तथा सवालों की भाषा, व्याकरण, लिंग और वचन से जुड़ी त्रुटियां पाई गई थीं। इसके बाद तीनों विषयों की परीक्षा को लेकर सवाल उठने लगे। एनटीए ने कहा कि प्रश्नपत्रों में मिली गड़बड़ियों की शिकायतों की जांच के बाद पुनर्परीक्षा कराने का निर्णय लिया गया है।एनटीए ने इससे पहले यूजीसी-नेट के 87 विषयों में से 84 विषयों की उत्तर कुंजी जारी कर दी थी। अभ्यर्थियों को आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 18 अगस्त की रात 11:59 बजे तक का समय दिया गया था। तीन विषयों की परीक्षा रद्द होने के बाद अब इनके परिणाम निर्धारित समय के अनुसार जारी नहीं किए जाएंगे। शेष 84 विषयों के परिणाम तय कार्यक्रम के अनुसार जारी किए जाएंगे। पुनर्परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के लिए यह भी स्पष्ट किया गया है कि उनकी उम्मीदवारी का विशेष ध्यान रखा जाएगा। असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए पात्रता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या जून 2026 की परीक्षा और पुनर्परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों की संख्या के अनुरूप निर्धारित की जाएगी। जेआरएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर और पीएचडी एडमिशन के लिए विषयवार आवंटन भी नियमों के अनुसार किया जाएगा। एनटीए ने आश्वस्त किया है कि पुनर्परीक्षा के कारण अन्य 84 विषयों के परिणाम अथवा संबंधित प्रक्रिया प्रभावित नहीं होगी।

स्नातक नामांकन के लिए आज जारी होगी तीसरी मेधा सूची

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा में स्नातक सेमेस्टर-प्रथम, सत्र 2026-30 में नामांकन के लिए तीसरी मेधा सूची मंगलवार, 18 अगस्त को जारी की जाएगी।विश्वविद्यालय प्रशासन ने तीसरी मेधा सूची जारी करने की तैयारी पूरी कर ली है। सूची में करीब 21 हजार छात्र-छात्राओं के नाम शामिल किए जाएंगे। इसके बाद चयनित विद्यार्थियों को निर्धारित समय सीमा के अंदर संबंधित कॉलेजों में नामांकन लेना होगा। छात्र कल्याण अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश राय ने बताया कि तीसरी मेधा सूची में वैसे छात्र-छात्राओं को शामिल किया जा रहा है, जिन्होंने स्नातक में नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन तकनीकी त्रुटि के कारण पूर्व में जारी मेधा सूची में उनका नाम शामिल नहीं हो सका था। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से ऐसे विद्यार्थियों को आवेदन में हुई त्रुटियों को सुधारने का अवसर भी दिया गया था।निर्धारित अवधि के दौरान संबंधित छात्र-छात्राओं ने अपने ऑनलाइन आवेदन में आवश्यक सुधार कर लिया है। अब संशोधित आवेदनों के आधार पर तीसरी मेधा सूची तैयार की जा रही है।विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि आवेदन में सुधार के बाद पात्र विद्यार्थियों को मेधा सूची में स्थान दिया जाएगा, ताकि तकनीकी कारणों से नामांकन से वंचित न रहना पड़े।तीसरी मेधा सूची जारी होने के बाद विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर संबंधित कॉलेज में नामांकन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे मेधा सूची जारी होने के बाद अपने आवेदन एवं चयन की स्थिति की जांच करें और निर्धारित अवधि में नामांकन करा लें।

विश्वविद्यालय की ओर से उम्मीद जताई जा रही है कि तीसरी मेधा सूची के माध्यम से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का स्नातक पाठ्यक्रम में नामांकन सुनिश्चित हो सकेगा। नामांकन से जुड़ी आगे की जानकारी विश्वविद्यालय के आधिकारिक माध्यमों से जारी की जाएगी।

राज्यस्तरीय निर्वाचन साक्षरता सम्मेलन में आरा के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने बढ़ाया मान

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। पटना के ज्ञान भवन में सोमवार को आयोजित राज्यस्तरीय निर्वाचन साक्षरता सम्मेलन में आरा के महाराजा बहादुर राम रणविजय प्रसाद सिंह महाविद्यालय और डीएवी पब्लिक स्कूल, धनुपरा के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने जिले का प्रतिनिधित्व कर मान बढ़ाया। जिला निर्वाचन कार्यालय के तत्वावधान में निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) एवं ECINet ऐप के तहत सम्मेलन आयोजित किया गया। महाराजा महाविद्यालय की राजनीतिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा राय, वनस्पतिशास्त्र की छात्रा साक्षी कुमारी और इतिहास के छात्र अमित कुमार ने सम्मेलन में भाग लिया। वहीं डीएवी पब्लिक स्कूल, धनुपरा से शिक्षक बीरेन्द्र कुमार सिंह, छात्रा आराध्य कुमारी और छात्र तन्याश कुमार शामिल हुए। सम्मेलन में निर्वाचन साक्षरता को बढ़ावा देने, युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने तथा 'ECINet' ऐप के प्रभावी उपयोग पर चर्चा हुई। आरा के प्रतिनिधियों ने निर्वाचन जागरूकता से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए।

महाराजा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कनक लता कुमारी ने सभी चयनित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्यस्तरीय सम्मेलन में संस्थान के प्रतिनिधियों की भागीदारी पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों और निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ेगी तथा वे मतदान जागरूकता अभियानों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित होंगे।

जम्होर में जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन 4 सितंबर से

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के प्राचीन श्री राम जानकी राधा कृष्ण ठाकुरवाड़ी मंदिर के प्रांगण में जन्माष्टमी महोत्सव आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। राज्य महोत्सव संघ के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी के आतिथ्य में पूर्व मुखिया सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता के अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन संस्था के सचिव पवन विश्वकर्मा द्वारा किया गया।सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया एवं 4 सितंबर से जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया।पूर्व कमेटी को भंग करते हुए नया कमेटी का गठन किया गया। नवगठित कमेटी में अध्यक्ष जितेंद्र कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष पन्ना कुमार गुप्ता, सचिव पवन विश्वकर्मा, उपसचिव कुंदन गुप्ता, कोषाध्यक्ष राहुल कुमार उपकोषाध्यक्ष विकी विश्वकर्मा, संरक्षक संजय गुप्ता, सह संरक्षक संजय विश्वकर्मा, संचालक रामध्यान प्रसाद, सह संचालक मनीष कुमार गुप्ता, संयोजक अशोक प्रसाद शौंडिक, उपसंयोजक गोल्लू विश्वकर्मा, को बनाया गया जबकि राजू अग्रवाल, बीकू गुप्ता, सागर विश्वकर्मा हैप्पी को कार्यकारी समिति का सदस्य बनाया गया।सात दिवसीय जन्माष्टमी महोत्सव के कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने की जिम्मेवारी कार्यक्रम संयोजक सुरेश विद्यार्थी एवं उपसंयोजक रक्षक वर्मा को दी गई। विदित हो कि पिछले 15 वर्षों से संस्था द्वारा जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है इसकी शुरूआत 2010 ईस्वी में की गई थी। समकालीन जवाबदेही पत्रिका के सह संपादक सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि यह मंदिर अति प्राचीन है। विष्णु धाम परिसर में स्थापित प्राचीन हनुमान मंदिर और यह मंदिर एकरेखीय स्तर में बनाया गया है इसकी दूरी डेढ़ किलोमीटर पड़ती है दोनों का निर्माण लगभग 300 वर्ष पूर्व किया गया था। इस ठाकुरवाड़ी में अति दुर्लभ मूर्तियां हैं जिनके दर्शन मात्र से श्रद्धालुओं के हृदय में भक्ति की धारा उमड़ पड़ती है।अगली बैठक में कार्यक्रम संयोजक के प्रतिवेदन पर कार्यक्रमों को मूर्त रूप प्रदान किया जाएगा।

नाग पंचमी पर विष्णु धाम शिव मंदिर में रुद्राभिषेक

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित जम्होर थानांतर्गत मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के पावन संगम तट पर स्थित विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल विष्णु धाम के प्रांगण में पावन माह सावन के तीसरे सोमवारी पर विशेष पूजा अर्चना की गई विष्णु धाम के बालकानंद ब्रह्मचारी के नेतृत्व में परिसर स्थित सभी देवी देवताओं की षोडशोपचार विधि से विशेष पूजा अर्चना की गई।तत्पश्चात शिव मंदिर में प्रसिद्ध कर्मकांडी एवं आचार्य ब्रजेश दुबे के नेतृत्व में संस्कृत विद्यालय के पूर्व प्राचार्य एवं ज्योतिषाचार्य गोपाल तिवारी के परिजनों के द्वारा रुद्राभिषेक का कार्यक्रम आयोजित किया गया यजमान की भूमिका में उपस्थित अजय पांडेय द्वारा शिव परिवार स्थित भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश जी कार्तिक जी एवं नंदी सभी की विशेष पूजा अर्चना की गई। उसके बाद रुद्राभिषेक का कार्यक्रम संपन्न कराया गया। मौके पर उपस्थित जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि सावन माह में यदि विष्णु धाम परिसर में शिव मंदिर हो वहां रुद्राभिषेक किया जाए तो विशेष फल की प्राप्ति होती है।जब भगवान विष्णु हरिवयनी एकादशी के दिन चार माह के लिए विश्राम में जाते हैं तो उन चार माह में भगवान शिव ही प्रकृति का संचालन करते हैं। सावन के तीसरी सोमवारी, नाग पंचमी एवं शिव वास के विशेष मुहूर्त में इस रुद्राभिषेक को करने से भक्तों की हर मनवांछित इच्छा पूर्ण होती है।

बाबा दशरथ मांझी किसी एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे देश के प्रेरणास्त्रोत हैं: मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।भूसंडा मैदान से गहलौर घाटी तक पर्वत पुरुष बाबा दशरथ मांझी के 19वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बाइक रैली का आयोजन किया गया है। बाइक रैली का उद्घाटन बिहार के मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने किया है।. रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और गहलौर घाटी पहुंचकर बाबा दशरथ मांझी को श्रद्धांजलि अर्पित किए। मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि बाबा दशरथ मांझी किसी एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे देश के प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि बाबा के जीवन से साहस, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा मिलती है. उन्होंने पहाड़ काटकर जिस तरह रास्ता बनाया, वह अदम्य इच्छाशक्ति और कर्मयोग का उदाहरण है। डॉ. सुमन ने कहा कि समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को बाबा दशरथ मांझी के संघर्ष से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए. चुनौतियां और कठिनाइयां जीवन में आती रहेंगी, लेकिन संघर्ष करते हुए अपना रास्ता बनाने की सीख बाबा के जीवन से मिलती है। भारत रत्न की मांग पर मंत्री ने कहा कि बाबा दशरथ मांझी को भारत रत्न दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और केंद्र सरकार के स्तर पर इस मांग को उठाया गया है. उन्होंने कहा कि बाबा को भारत रत्न मिलने से न केवल उनके योगदान का सम्मान होगा, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।हम पार्टी के नेता एवं सांसद प्रतिनिधि नंदलाल मांझी ने कहा कि बाबा दशरथ मांझी को श्रद्धांजलि देने के लिए बाइक रैली निकाली गई है।उन्होंने केंद्र सरकार से बाबा दशरथ मांझी को भारत रत्न देने की मांग की है। मुसहर परिवार में जन्मे बाबा दशरथ मांझी ने अपने जीवन के करीब 22 वर्ष पहाड़ काटकर रास्ता बनाने में लगा दिए और वजीरगंज की दूरी को करीब 55 किलोमीटर से घटाकर 15 किलोमीटर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सांसद प्रतिनिधि नंदलाल मांझी ने कहा कि बाबा दशरथ मांझी के योगदान को देखते हुए उन्हें अब तक वह सम्मान और प्रतिष्ठा नहीं मिल पाई है, जिसके वे हकदार हैं।

राज्य महोत्सव संघ के अध्यक्ष के पहल पर हेलीकॉप्टर सेवा बहाल करने के लिए डीएम ने लिखा पत्र

- पहाड़ की तराई में विराजमान तुतला भवानी के बगल में पहाड़ से पूरे वर्ष झरना गिरता है

प्रात : किरण संवाददाता

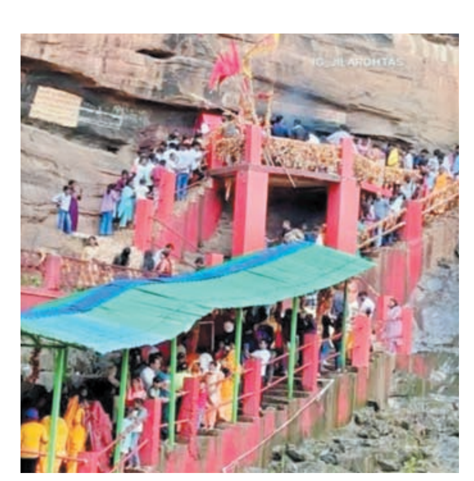

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के बड़ेम निवासी राज्य महोत्सव संघ के प्रदेश अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के पहल पर रोहतास जिले के तिलौथू प्रखंड के तुतला भवानी में हेलीकॉप्टर सेवा प्रदान करने के लिए एवं हेलिपैड का निर्माण के लिए जिला पदाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने पर्यटन विभाग के सचिव को पत्र लिखा है।

पत्र में जिक्र किया गया है कि राज्य महोत्सव संघ के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के पहल पर जो मांग किया गया था उस संदर्भ में रोहतास जिला के इको टूरिज्म रेडिया, तिलौथू मैं अवस्थित तुतला भवानी धाम को अंतरराष्ट्रीय स्तर का सिद्ध पीठ एवं पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है।

तुतला भवानी प्रसिद्ध सिद्धपीठों में से एक है जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना है। पहाड़ की तराई में विराजमान तुतला भवानी के बगल में पहाड़ से पूरे वर्ष झरना गिरता है जो प्रकृतिका सुषमा से आच्छादित अद्भुत दृश्य को देखने के लिए प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु इस स्थल पर आते हैं तुतला भवानी शक्तिपीठ स्थल को पर्यटन विभाग द्वारा अपने कैलेंडर में शामिल कर प्रति वर्ष महोत्सव भी किया जाता है।

इन्हीं सब बिंदुओं को देखते हुए राज्य महोत्सव संघ के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के पहल पर बिहार राज्य में जिस प्रकार से अन्य पर्यटक स्थलों के लिए हेलीकॉप्टर सेवा प्रारंभ की गई है । उसके आलोक में तुतला भवानी में भी हेलीकाप्टर सेवा को बहाल किया जाए एवं इस स्थल पर हेलीपैड का निर्माण शीघ्रता शीघ्र किया जाए।

रक्तदान से कांवड़िया सेवा तक मानवता की सेवा में पथ प्रदर्शक

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। श्रावणी मेला के दौरान सुल्तानगंज-बैद्यनाथधाम कांवरिया पथ पर कांवरियों की सेवा में औरंगाबाद की चर्चित स्वयंसेवी संस्था पथ प्रदर्शक लगातार जुटी हुई है। धावाघाट स्थित निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर में संस्था ने सेवा का 19 वां दिन पूरा करते हुए थके-मांदे और जख्मी कांवरियों को राहत पहुंचाई। पूरे हिन्दुस्तान में रक्तदान जागरूकता, रक्तदान शिविर एवं जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत पथ प्रदर्शक ने इस वर्ष पहली बार बाबा बैद्यनाथ धाम में एक माह के लिए निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर शुरू किया है। शिविर में पैदल यात्रा के दौरान जख्मी कांवरियों को बैंडेज-पट्टी की सुविधा, थके हुए कांवरियों को मालिश एवं पैरों की मसाज तथा प्यासे श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल और नींबू शरबत उपलब्ध कराया जा रहा है। पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि कांवरियों की सेवा करने से उन्हें सुखद अनुभूति हो रही है। संस्था द्वारा पहली बार शुरू किया गया यह सेवा शिविर आने वाले वर्षों में भी निरंतर जारी रखने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेवा शिविर में टीम पथ प्रदर्शक की किरण कुमारी, पूजा कुमारी, साबिया परवीन और पूनम देवी लगातार अपनी सेवाएं दे रही हैं। वहीं पटना के मनीष सिंह, देवघर के कमलेश सिंह, जमुई के शैलेश कुमार सिंह, गढ़वा के विवेक कुमार तिवारी और टीम पथ प्रदर्शक के डॉ बासुकीनाथ पाठक, धनंजय कुमार भी समय-समय पर शिविर में पहुंचकर कांवरियों की सेवा में अपना योगदान दे रहे हैं। पथ प्रदर्शक के इस सेवा अभियान से कांवरियों को यात्रा के दौरान राहत मिल रही है। संस्था का यह प्रयास सेवा, समर्पण और हिन्दू-मुस्लिम एकता के साथ मानवता की मिसाल पेश कर रहा है।

कुएँ में जहरीली गैस से चार व्यक्तियों की मृत्यु, SDRF एवं अग्निशमन दल ने सभी शवों को किया बरामद

मुख्यमंत्री के निर्देश पर मृतकों के आश्रितों को दी गयी 4-4 लाख की अनुग्रह सहायता राशि

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया जिले के शेरघाटी अनुमंडल अंतर्गत डोभी प्रखंड में एक दुखद घटना में कुएँ के अंदर जहरीली गैस के प्रभाव से चार व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है घटना की सूचना प्राप्त होते ही जिला प्रशासन के निर्देश पर एसडीआरएफ एवं अग्निशमन विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुँचकर सभी चार मृतकों के शवों को बाहर निकाला गया है। मृतकों की पहचानः विजय चौधरी (लगभग 55 वर्ष), पिताझस्व. मनु चौधरी;चामारी मांझी (लगभग 57 वर्ष), पिताझसवीर मांझी; विकास कुमार (लगभग 23 वर्ष), पिताझ विजय चौधरी; तथा दिलचन्द कुमार (लगभग 26 वर्ष), पिताझकारू मंडल; सभी निवासी डोभी प्रखंड, शेरघाटी अनुमंडल, गया के रूप में हुई है। घटना के उपरांत मुख्यमंत्री बिहार के निर्देश पर आपदा विभाग द्वारा मृतकों के निकटतम आश्रितों को \4 लाख प्रति मृतक, अर्थात कुल 16 लाख की अनुग्रह सहायता राशि का चेक उपलब्ध कराया गया है। जिला आपदा शाखा, गया द्वारा घटना के उपरांत आवश्यक राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करने तथा आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अपर समाहर्ता आपदा श्री पंकज कुमार द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि बिना सुरक्षा व्यवस्था एवं विशेषज्ञों की सहायता के कुएँ, टैंक अथवा अन्य बंद एवं संकरे स्थानों में प्रवेश न करें, क्योंकि इनमें जहरीली गैसों की उपस्थिति जानलेवा हो सकती है।

विद्यार्थी सहयोग पोर्टल से छात्रों की समस्या खत्म होगी, शिक्षा व्यवस्था में आयेगी पारदर्शिता और जवाबदेही : मुख्यमंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज जेडी वीमेंस कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में छात्र सहयोग पोर्टल का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने जे०डी० वीमेंस कॉलेज में उपस्थित छात्राओं के साथ संवाद कर शैक्षणिक गतिविधियों और समस्याओं के बार में जानकारी ली है। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था को अधिक आधुनिक, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। राज्य के विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए छात्र सहयोग पोर्टल एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक, छात्रावास एवं अन्य समस्याओं तथा सुझावों का त्वरित समाधान करना है। यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क और गोपनीय है तथा विद्यार्थी सहयोग शिविर से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नम्बर 1100 उपलब्ध है। छात्रों की शिकायतों पर 10 दिनों में कार्रवाई शुरू न होने पर 11वें दिन मुख्यमंत्री कार्यालय से स्वतः नोटिस जारी होगा और अधिकतम 30 दिनों के भीतर हर हाल में समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। विद्यार्थी सहयोग पोर्टल पर कभी भी ऑनलाइन परिवाद दर्ज कर सकते हैं। परिवाद दर्ज करने की तिथि से 30 दिनों के अंदर उनका निष्पादन सुनिश्चित कर आवेदक को लिखित सूचना दी जायेगी। हर महीने के चौथे मंगलवार को शिक्षण संस्थानों में शिविर आयोजित होंगे, जहां छात्र सीधे अपनी समस्याएं और सुझाव रख सकेंगे। 25 अगस्त से बिहार के सभी स्कूलों एवं छात्रावासों में विद्यार्थी सहयोग अभियान शुरू किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहयोग शिविर के माध्यम से प्राप्त 6.42 लाख आवेदनों में 96 प्रतिशत मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित नोटिस प्रणाली लागू की गई है। शिकायत पर 10 दिन तक कार्रवाई नहीं होने पर 11वें दिन स्वतः पहला नोटिस, 20वें दिन दूसरा और 25वें दिन तीसरा नोटिस जारी होता है। इसके बाद भी 30 दिन तक समाधान नहीं होने पर संबंधित अधिकारी,कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की व्यवस्था है। इससे शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य बिहार के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उनके अपने राज्य में उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें बेहतर शिक्षा के लिए बाहर जाने की मजबूरी न हो।

संक्षिप्त खबरें

एमयू मगही विभाग में साहित्यकार मिथिलेश को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय के मगही विभाग में सोमवार को विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा आहूत की गई, जिसमें हिन्दी, मगही एवं पत्रकारिता से जुड़े सभी सदस्य तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। यह सभा 14 अगस्त को हुए वरिष्ठ साहित्यकार मिथिलेश के निधन के उपरांत आयोजित की गई थी। ह्यमगधेशह्ल नाम से विख्यात मिथिलेश का 70 वर्ष की अवस्था में 13 अगस्त की मध्यरात्रि के बाद देहावसान हो गया है। उनके निधन से समस्त मगही भाषा-भाषी एवं प्रगतिशील विचारधारा का पोषक समाज हतप्रभ और शोकाकुल है। अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. आनंद कुमार सिंह ने उनकी उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि उनकी लेखनी अनवरत चलती रही, जिसके फलस्वरूप दर्जन भर से अधिक पुस्तकें प्रकाशित रूप में उपलब्ध हैं। रविया, मकर चानन तथा खंडकाव्य खंडहर के भोर के रचयिता की रविया और ह्यसोनवाली जैसी कृतियाँ मगही पाठ्यक्रम में भी सम्मिलित हैं। कहानी-संग्रह कलकल धार की कहानियों में बहती संवेदना की अजस्र धारा पर भी विशेष प्रकाश डाला गया है। डॉ. परम प्रकाश राय ने पत्रकारिता के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए बताया कि हाथी, मेरा बचपन, विज्ञान और अस्मिता जैसी पत्रिकाओं का सफल संपादन उनकी कर्मकुशलता और पैनी दृष्टि को सिद्ध करता है। डॉ. अनुज कुमार तरुण ने उनके उपन्यास-लेखन तथा स्थानीय स्वाधीनता-संघर्ष के इतिहास को सहेजने के प्रयास की चर्चा की है।

जीबीएम कॉलेज की एनएसएस इकाई ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित किया पोस्टर मेकिंग कंपटीशन

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज में कॉलेज की एनएसएस इकाई ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय निदेशालय, पटना एवं एमयू बोधगया से प्राप्त निर्देशों के अनुसार दिनांक 09 अगस्त से 17 अगस्त तक देश भर में चलाए जा रहे ह्लहर घर तिरंगा अभियानह्व के चौथे संस्करण के तहत प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल के संरक्षण में पोस्टर मेकिंग कंपटीशन का आयोजन किया, जिसमें कॉलेज की एनएसएस स्वयंसेवकों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। छात्राओं न देशभक्ति के भाव से भरे रंग-बिरंगे पोस्टर्स बनाए। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शिनी एवं निर्णायक मंडल की सदस्य एनसीसी सीटीओ डॉ नगमा शादाब, सेहत केंद्र की प्रभारी डॉ प्रियंका कुमारी एवं डॉ बनीता कुमारी ने विजेताओं का चयन उनके द्वारा बनाए गए पोस्टरों के विषय, कल्पनाशीलता, एवं प्रस्तुतीकरण की उत्कृष्टता के आधार पर किया।

झारखंड में भारी से अत्यंत भारी वर्षा को लेकर रेड अलर्ट, गया जिले में भी प्रशासन अलर्ट

गया। मौसम विभाग, रांची द्वारा जारी मौसम चेतावनी के अनुसार 18 अगस्त 2026 को प्रातः 08:30 बजे से 19 अगस्त 2026 को प्रातः 08:30 बजे तक झारखंड के कई जिलों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा की संभावना को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है झारखंड में संभावित भारी वर्षा को देखते हुए गया जिले में भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। लगातार एवं अत्यधिक वर्षा की स्थिति में शेरघाटी अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों में स्थानीय स्तर पर जलजमाव एवं बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है। वहीं, झारखंड के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा होने पर फल्गु नदी के जलस्तर में भी तेजी से वृद्धि हो सकती है। इससे बोधगया (बतसपुर) एवं गया नगर क्षेत्र के फल्गु नदी के आसपास के निचले एवं संवेदनशील क्षेत्रों में जलस्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिला पदाधिकारी, गया ने सभी संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों को पूरी तरह अलर्ट रहने तथा अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार स्थिति की निगरानी करने का निर्देश दिया है। संभावित जलजमाव एवं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित रखते हुए आवश्यक संसाधनों एवं राहत-बचाव

तिरंगा उत्सव में देशभक्ति नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

गया। तिरंगा उत्सव के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ गया द्वारा देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत पैट्रियोटिक डांस कॉम्पिटीशन का भव्य आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के मंच संचालन का कार्य पीपी तृप्ति गुप्ता ने किया है। उन्होंने पूरे कार्यक्रम का संचालन बेहद प्रभावशाली एवं सुंदर ढंग से किया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर क्लब की अध्यक्ष आभा सिंह, सचिव राखी भदानी तथा निर्णायक गण राखी, रुचि जैन एवं अमित रॉय ने संयुक्त रूप से किया है। प्रतियोगिता में गया के कुल 16 स्कूलों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। बच्चों ने विभिन्न देशभक्ति गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा, ऊर्जा और देशप्रेम का अद्भुत प्रदर्शन किया है। उनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया है। प्रतियोगिता में नाजरथ एवं ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। डी ए वी कैंट एरिया के बच्चों ने द्वितीय तथा गया ज्ञान भारती रेसिडेंशियल स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। वहीं डी ए वी मेडिकल के बच्चों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया हू। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को भी प्रमाण-पत्र एवं उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया है। इस कार्यक्रम के निर्णायकगण को भी क्लब की ओर से सम्मानित किया गया है इस सफल आयोजन को साकार करने में क्लब की अध्यक्ष आभा सिंह, सचिव राखी भदानी एवं कोऑर्डिनेटर शीतल गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस अवसर पर क्लब की पीडीसी अंजना पोद्दार, पीडीसी किरण प्रकाश, पीपी राज ढिल्लन,पीपी सीमा भदानी,पीपी भावना सिंह, मनीषा भदानी, श्वेता पॉल, राजकुमारी भदानी, शिल्पी बर्णवाल,वंदना भदानी एवं विनिता खेतान सहित क्लब की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं और उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया है। इस कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य पी पी सीमा भदानी ने किया है। उन्होंने सभी निर्णायकगण, प्रतिभागी बच्चों, स्कूलों, क्लब सदस्यों एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। इनर व्हील क्लब ऑफ गया द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ उनमें देशप्रेम, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने की एक सराहनीय पहल रहा है।

जगजीवन महाविद्यालय में बहुत धूमधाम से मनाया गया 80वाँ स्वतंत्रता दिवस

● देश की आजादी में असंख्य लोगों ने कुर्बानियां दीं जिसकी वजह से आज हम स्वतंत्र हवा में सांस ले रहे हैं : प्राचार्य

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। जगजीवन महाविद्यालय में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस बहुत धूमधाम से मनाया गया जिसमें शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की भारी संख्या में उपस्थित थी। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मो. अयूब ने अपने संबोधन में कहा कि देश की आजादी में असंख्य लोगों ने कुर्बानियां दीं जिसकी वजह से आज हम स्वतंत्र हवा में सांस ले रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज के दिन वतन पर मर-मिटने वालों की स्मृति को हम नमन करते हैं। प्रधानाचार्य ने आगे कहा कि हमारा महाविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस महाविद्यालय से पढ़े हुए विद्यार्थी देश-दुनिया में अपना नाम कमा रहे हैं और कॉलेज का मस्तक ऊंचा करने में कोई भी कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि महाविद्यालय में पानी की समस्या निरंतर बनी हुई है, जिसका समाधान जल्द ही निकाल लिया जाएगा। प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में महाविद्यालय के संस्थापक एवं जमीनदाता बालेश्वर प्रसाद को भी स्मरण किया है। आज के इस राष्ट्रीय त्योहार में महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के छात्रों एवं एनसीसी के कैडेट्स ने बहुत मेहनत एवं लगन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं परेड का आयोजन किया है। महाविद्यालय के लिए आज का दिन इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा कि एनएसएस के विद्यार्थियों के द्वारा ह्यनशा मुक्त भारतह्ल विषय पर नुक्कड़ नाटक किया गया जिसका निर्देशन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार ने किया है। यह नाटक युवाओं में बढ़ते नशे को रोकने के लिए एवं उन्हें नशे की विसंगतियों के प्रति जागरूक करने के लिए किया गया था। इस अवसर पर प्रो. पूर्णेंदु कुमार, डॉ. अनुरानी, डॉ. मनीष कुमार सिंह, डॉ. हिमांशु कुमार सुधांशु, डॉ. अंकना, डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. शिवकुमार रविदास, रवि रंजन, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. राजीव रंजन, डॉ. निरुपमा कुमारी, डॉ. नारायण कुमार, डॉ. एजाज असलम, डॉ. प्रियंका सिन्हा, डॉ. सत्येंद्र सिंह चंद्र, डॉ. शोभा के अलावे शिक्षकेत्तर कर्मियों में राजीव कुमार भास्कर, मो. जफर, राजेश कुमार, अनिल कुमार, मो. परवेज, नीतीश कुमार आदि उपस्थित थे।

जीबीएम कॉलेज में 80वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल ने किया ध्वजारोहण

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज में देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल ने महाविद्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया है। एनसीसी वॉलेंटियर्स ने तिरंगे झंडे को सलामी दी है। इस अवसर पर कॉलेज की एनसीसी इकाई एवं एनएसएस इकाई ने संयुक्त रूप से ह्लहर घर तिरंगा अभियानह्व के तहत ह्लमेरी जान तिरंगा हैह्व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें छात्रा कुमकुम, शिवरानी, स्मृति, रानी, मुस्कान, खुशी, सौम्या, सिमरन, श्रुति, आँचल, काजल, रिया, अनु, रागिनी एवं अन्य ने वंदे मातरम, ऐ वतन, वतन मेरे आबाद रहे तू, ऐ मेरे वतन के लोगों, हर घर तिरंगा, मुझे क्या बेचेगा रुपइया, मेरा मुल्क मेरा देश, संदेशे आते हैं जैसे एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्यों की प्रस्तुतियाँ दीं है। इस कार्यक्रम का संयोजन एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी एवं एनसीसी सीटीओ डॉ नगमा शादाब ने तथा निर्देशन डॉ. अफ्शां नाहिद ने किया है इस कार्यक्रम का संचालन एनसीसी कैडेट काव्या शर्मा ने किया है। इस मौके पर एनएसएस स्वयंसेवक वैष्णवी, शिवानी सिंह, शैली पाठक, दीपशिखा मिश्रा, अंजली कुमारी, संचिता सहित सभी विभागों की छात्राएँ उपस्थित रहीं हैं। अपने संबोधन में प्रधानाचार्या डॉ पटेल ने छात्राओं को स्वतंत्र सोच एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सभी शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेते हुए अपने और कॉलेज के भविष्य को उज्ज्वल बनाने की बात कही। उन्होंने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्राओं से कॉलेज की गरिमा एवं प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाने के लिए अनवरत रूप से प्रयत्नशील रहने का आग्रह किया।

नगर निगम कार्यालय में मेयर ने फहराया तिरंगा, स्वच्छता के साथ बेहतर गयाजी बनाने का लिया संकल्प

● नगर आयुक्त ने सभी गया जिला वासियों को स्वच्छ रखने का किया आह्वान, स्वतंत्रता दिवस की दी बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को गयाजी नगर निगम कार्यालय परिसर में पूरे हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया है। नगर निगम के मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान ने तिरंगा फहराकर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को नमन किया है। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान के सामूहिक गायन से पूरा परिसर देशभक्ति की भावना से गूंज उठा है। समारोह में डिप्टी मेयर चिंता देवी, नगर आयुक्त डॉ. गगन कुमार, सशक्त स्थायी समिति के सदस्य सह पूर्व डिप्टी मेयर डॉ. अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव, पार्षद सारिका वर्मा, दीपक चंद्रवंशी, डिम्पल कुमार, कुंदन पासवान, गोपाल कुमार, अंजली कुमारी सहित बड़ी संख्या में पार्षद, पार्षद प्रतिनिधि एवं नगर निगम के अधिकारी-कर्मी मौजूद रहे हैं। इस अवसर पर मेयर गणेश पासवान ने शहरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हम भारत की आजादी का 80वां पावन पर्व मना रहे हैं। यह दिन हमें उन महान वीर सपूतों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाई है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद सहित असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष और बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। आजादी केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि इसके साथ देश और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी जुड़ी हैं। मेयर ने कहा कि नगर निगम का दायित्व केवल शहर की व्यवस्था संभालना नहीं, बल्कि गयाजी को स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त शहर बनाना भी है। इसके लिए निगम के अधिकारी, कर्मचारी, सफाईकर्मी और जनप्रतिनिधि लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने शहरवासियों से भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है। स्वच्छ सर्वेक्षण में गयाजी की उपलब्धि का किया जिक्र इस समारोह में सशक्त स्थायी समिति के सदस्य सह पूर्व डिप्टी मेयर डॉ. अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह दिन हमें अपनी आजादी की रक्षा, संविधान के सम्मान और देश की प्रगति के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में गयाजी ने बिहार में पहला और देश में 27वां स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों, सफाईकर्मियों, जनप्रतिनिधियों और शहरवासियों के सामूहिक प्रयास एवं सहभागिता का परिणाम है। मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि यह उपलब्धि निश्चित रूप से गौरव का विषय है, लेकिन इसे अंतिम लक्ष्य नहीं माना जा सकता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि आने वाले वर्षों में गयाजी देश के टॉप-10 स्वच्छ शहरों में अपनी जगह बनाए। इसके लिए शहरवासियों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। नगर आयुक्त ने दी शुभकामनाएं नगर आयुक्त डॉ. गगन कुमार ने भी शहरवासियों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं* है। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर हमें अपने शहर और देश के विकास में योगदान देना चाहिए। इस समारोह के दौरान नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों ने देश की एकता, अखंडता, स्वच्छता और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान नगर निगम परिसर में उत्साह और देशभक्ति का माहौल बना रहा है।

65 लाख निवेश के दावे पर 2.82 करोड़ का विवाद महिला डायरेक्टर ने पार्टनर पर दर्ज कराई FIR

● गलत आरोप लगाकर मेरे लाइफ को बदनाम करने की साजीश, प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग- इकबाल हुसैन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। रामपुर थाना क्षेत्र में बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी की पार्टनरशिप को लेकर 65 लाख रुपये निवेश और 2.82 करोड़ रुपये के भुगतान के दावे का विवाद सामने आया है। कंपनी की महिला डायरेक्टर नगमा ने अपने बिजनेस पार्टनर और मौर्या हाइट्स के डायरेक्टर इकबाल हुसैन पर रकम लौटाने से मुकरने, कंपनी में हिस्सेदारी से इनकार और धमकी देने का आरोप लगाते हुए 11 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नगमा के अनुसार, वर्ष 2014 में दोनों की पार्टनरशिप शुरू हुई थी और कंपनी में उनकी 33.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उनका दावा है कि उन्होंने रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों से रकम जुटाकर करीब 65 लाख रुपये कारोबार में लगाए थे। उन्होंने 2020 के एग्रीमेंट, टडव, कंपनी दस्तावेज, वाट्सऐप चैट और वॉइस मैसेज को साक्ष्य बताया है। आरोप है कि 2022 के वॉइस मैसेज में 2.82 करोड़ रुपये के भुगतान की बात कही गई थी। मौर्या हाइट्स के डायरेक्टर ने महिला द्वारा मुझे बदनाम करने की साजीश,फॉरेंसिक जांच की मांग वहीं, इकबाल हुसैन ने सभी आरोपों को झूठा और बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि महिला ने कंपनी में कोई बड़ी रकम नहीं लगाई, बल्कि उन्होंने और उनके परिवार ने उनसे कई बार कर्ज लिया है। उन्होंने हस्ताक्षरित दस्तावेज और गवाह होने का दावा करते हुए फॉरेंसिक जांच की मांग की है। 10 अगस्त की घटना के आरोपों को भी उन्होंने नकारते हुए कार्यालय की सी सी टी वी फुटेज सुरक्षित होने की बात कही है। आगे कहा कि यह कंपनी के डायरेक्टर से पहले ही हट चुकी है ाहमे बदनाम करने की पुरी तरह साजिश रची जा रही है। यह ग्राहक बनकर मेरे साथ ब्लेकमैल किया है। इनका मौर्या हाइट्स से कोई डायरेक्टर नही है। इसपर पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही आरोपों की सच्चाई स्पष्ट होगी।

बोधगया में PAT 2022-23 के विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग द्वारा आज पी ए टी 2022-23 के विद्यार्थियों के लिए एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विभागीय शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों से परिचित कराना तथा उनके अकादमिक एवं शोध संबंधी प्रश्नों पर शिक्षकों के साथ संवाद का अवसर प्रदान करना था। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं विभाग के शिक्षकों के बीच सार्थक एवं संवादात्मक चर्चा हुई। विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार सिंह सहित विभाग के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा उनके उज्ज्वल शैक्षणिक एवं शोध भविष्य की शुभकामनाएँ दीं है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष एवं अन्य शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पीएच.डी. से संबंधित नवीनतम दिशा-निदेशों, शोध के लिए उपलब्ध विभिन्न विकल्पों तथा विभाग में संचालित शोध के विविध क्षेत्रों की जानकारी दी है। विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में उभरती नई प्रवृत्तियों से भी अवगत कराया गया तथा भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उच्चस्तरीय शोध की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस कार्यक्रम में विभाग की शोध उपलब्धियों एवं अकादमिक प्रगति पर भी प्रकाश डाला गया है। शिक्षकों ने विभाग में चल रहे शोध कार्यों, विभिन्न शोध क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियों तथा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शोध एवं अकादमिक अवसरों की जानकारी साझा की है। इस कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ संवाद करते हुए अपने प्रश्न एवं जिज्ञासाएँ रखीं, जिनका शिक्षकों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया है। यह अभिमुखीकरण कार्यक्रम विद्यार्थियों को विभाग की शैक्षणिक एवं शोध संस्कृति से जोड़ने तथा उनके भविष्य की शैक्षणिक दिशा निर्धारित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा है। इस कार्यक्रम में विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रेनू रानी, डॉ. अंकुरवा सिन्हा, डॉ. तन्मय लाहिरी, डॉ. शिल्पी बनर्जी, डॉ. माधव कुमार सिंह, डॉ. विश्वतोष मिश्र, डॉ. श्रद्धा प्रसाद, डॉ. विमल कुमार तिवारी, एवं डॉ. प्रीति तथा विभाग के गैर शैक्षणिक कर्मचारी भी उपस्थित रहे हैं ।

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे महान व्यक्तित्व थे जो अपने विचारों सिद्धांतों, ओजस्वी वाणी एवं राष्ट्रसेवा के माध्यम सेवा की : डॉ मनीष पंकज मिश्रा

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। युगपुरुष, जन-जन के हृदय में बसने वाले, पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर आज भाजपा किसान मोर्चा कार्यालय में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद, अधिवक्ता संतोष ठाकुर सहित उपस्थित कार्यकताओं ने अटल के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया है इस अवसर पर डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने विचारों, सिद्धांतों, ओजस्वी वाणी और राष्ट्रसेवा के माध्यम संदेश के राजनीतिक इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी है। वे केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि महान कवि, कुशल वक्ता, दूरदर्शी चिंतक और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रबल समर्थक थे। उनकी राजनीति में राष्ट्रहित सर्वोपरि था और उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में सदैव देश की एकता, अखंडता और विकास को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व राजनीतिक सीमाओं से कहीं ऊपर था। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता उनका सम्मान करते थे। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में देश ने बुनियादी ढांचे, सड़क निर्माण, दूरसंचार, परमाणु क्षमता और आर्थिक विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति कीभाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद,अधिवक्ता ने भी अटल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश के प्रति उनकी सेवा, सरल व्यक्तित्व और लोकतांत्रिक आदर्श आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। कार्यक्रम के उपस्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील बंबइया राणा रणजीत सिंह मंटू कुमार महेश यादव बबलू गुप्ता कुंदन सिंह सहित।

महाबोध फाउंडेशन का 13वाँ स्थापना दिवस समारोह बोधगया में संपन्न

बोधगया। सामाजिक सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत महाबोध फाउंडेशन ने अपना 13वाँ स्थापना दिवस रविवार को जीन अमिताभ स्कूल, बोधगया में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया है इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाबोधि सोसाइटी के मुख्य भिक्षु, परम पूज्य भदंत श्री के. जिनानंद थेरो थे। उन्होंने कहा कि ह्लशिक्षा और करुणा के माध्यम से ही समाज में शांति और समृद्धि लाई जा सकती है। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध चार्टर्ड अकाउंटेंट * संजय ओझा* ने फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महाबोध फाउंडेशन का योगदान सराहनीय है। गणमान्य अतिथि उपस्थित इस अवसर पर फाउंडेशन के संरक्षक डॉ. बी. के. वर्मा एवं डॉ. पी. के. वर्मा, जीन अमिताभ ट्रस्ट की प्रबंध निदेशक * अनीता सिंह*, रोटरी क्लब ऑफ बोधगया के सचिव * राहुल केशव*, इनरव्हील क्लब ऑफ बोधगया की प्रेमशिला मेहता, पूनम गुप्ता एवं डॉ. सरिता वर्मा*, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, दानदाता, मीडिया प्रतिनिधि तथा गया और देश के अन्य हिस्सों से आए स्वयंसेवक उपस्थित थे। छात्रों ने प्रस्तुत किया स्वागत गीत इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ है। इसके बाद महाबोध फाउंडेशन से छात्रवृत्ति प्राप्त विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिवादन किया है। इस कार्यक्रम का सफल संचालन फाउंडेशन की * स्वाति कुमारी* ने किया है। इस कार्यक्रम के अंत में फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया और आगे भी शिक्षा व सेवा के कार्यों को जारी रखने का संकल्प लिया है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज की सार्थक पहल

प्रात : किरण संवाददाता

गया। पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार और स्वस्थ भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज द्वारा थीम के अंतर्गत थाकुरवारी, मंजियामा गाँव, गया जी में एक व्यापक पौधारोपण अभियान आयोजित किया गया। यह क्लब के प्रोजेक्ट नं. 11 के तहत पर्यावरण श्रेणी में आयोजित एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल रही है। इस कार्यक्रम के दौरान क्लब की सदस्यों ने 50 पौधों का रोपण किया गया है। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण संरक्षण को निरंतर गति देने तथा ग्रामीण क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से क्लब द्वारा भारत विकास परिषद को 50 आम, 25 अमरूद, 10 नींबू एवं 15 कटहल के पौधे उपलब्ध कराए गए। इस पहल का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित न रहकर पौधों के संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और दीर्घकालिक पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष मधु प्रिया ने कहा, पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारियों में से एक है। प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, बेहतर पारिस्थितिकी और स्वस्थ जीवन की नींव तैयार करता है। पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। क्लब की सचिव स्नेहा शाही ने कहा, हमारा उद्देश्य पौधारोपण को केवल एक कार्यक्रम तक सीमित रखना नहीं, बल्कि इसे एक सतत जन-जागरूकता अभियान के रूप में आगे बढ़ाना है। सामुदायिक सहयोग से लगाए गए पौधे भविष्य में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के लिए उपयोगी संसाधन भी बनेंगे ाह्व अभियान में डॉ. निब्हा जयन, डॉ. सोनम, डॉ. पल्लवी, श्रीमती सपना सिंह एवं श्रीमती पूजा ने सक्रिय सहभागिता निभाई और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। सदस्यों ने स्थानीय समुदाय को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया है। परियोजना का प्रायोजन एवं समन्वय सपना सिंह एवं श्रीमती स्नेहा शाही द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम में क्लब की 7 सदस्यों की सहभागिता रही और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इससे लाभान्वित हुए हैं। इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज की यह पहल पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता, सतत विकास और भावी पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी का प्रभावी संदेश देती है। क्लब का संकल्प है कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी अभियानों के माध्यम से समाज को हरित, स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाता रहेगा। ह्लएक पौधा आज, स्वस्थ जीवन कल—आइए मिलकर हरित और स्वस्थ भविष्य का निर्माण करें।

संक्षिप्त खबरें

सुगौली प्रखंड में नागपंचमी पर्व को लेकर पुलिस अलर्ट

सुगौली प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर नागपंचमी पर्व के अवसर पर आयोजित होने वाले मेला और जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। थाना प्रभारी अनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है। इस दौरान पुलिस पदाधिकारी लोगों से शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील कर रहे हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि नागपंचमी के दौरान निकलने वाले जुलूस और मेले में सभी लोग प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद या उपद्रव से बचें और आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाएं। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की विशेष नजर संवेदनशील स्थानों और संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपद्रव या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की लगातार गश्ती और निगरानी का उद्देश्य पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराना है। थाना प्रभारी ने क्षेत्रवासियों से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है।

एसबीआई शाखा के अंदर भोजपुरी गाने पर डांस का वीडियो वायरल

बगहा। बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड क्षेत्र में कथित तौर पर एसबीआई शाखा के अंदर भोजपुरी गाने पर तीन महिलाओं के डांस करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो को लेकर स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोगों ने वीडियो में बज रहे गाने के बोल और राष्ट्रीय पर्व के दिन इस तरह के आयोजन को लेकर आपत्ति जताई है। हालांकि, वीडियो वास्तव में मधुबनी स्थित एसबीआई शाखा का है या नहीं और इसे कब बनाया गया, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। वायरल वीडियो में बैंक शाखा जैसा परिसर दिखाई दे रहा है, जहां तीन महिलाएं भोजपुरी गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। कुछ देर बाद एक महिला डांस से अलग होकर अन्य दो महिलाओं का उत्साह बढ़ाती दिखाई देती है। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि वीडियो स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त का है और इसे बैंक शाखा के अंदर बनाया गया है। हालांकि, वीडियो की तारीख और स्थान की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

इंडो-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया नागपंचमी पर्व

बगहा। बगहा समेत इंडो-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्रों में सोमवार को नागपंचमी का पर्व धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। वहीं विभिन्न स्थानों पर महावीरी झंडा की झांकी निकाली गई। झांकी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और जयकारों से शहर का माहौल भक्तिमय बना रहा। वाल्मीकिनगर शहर में जीटाइप कॉलोनी से महावीरी झंडा की भव्य झांकी निकाली गई। झांकी शहर के गोल चौक, तीन आरडी पुल चौक समेत विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने हाथों में महावीरी झंडा लेकर धार्मिक जयकारे लगाए। झांकी के दौरान रास्ते में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अखाड़े में दिखाए गए पारंपरिक करतब: झांकी के तीन आरडी पुल चौक स्थित शिव मंदिर परिसर में पहुंचने के बाद अखाड़ा कला की प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें युवाओं और अखाड़ा के सदस्यों ने पारंपरिक युद्ध कला और विभिन्न करतबों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में जुटे रहे। कलाकारों के करतब पर लोगों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। सुरक्षा को लेकर पुलिस रही मुस्तैद: नागपंचमी और महावीरी झंडा जुलूस को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जुलूस के मार्ग से लेकर प्रमुख चौक-चौराहों और मंदिर परिसर तक पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। पुलिसकर्मियों चप्पे-चप्पे पर मौजूद रहकर जुलूस और भीड़ की निगरानी करते रहे। पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय रहा।

लोकरिया पुलिस की अनोखी पहल, कांवड़ियों के लिए बासठ पुल पर लगाया सेवा शिविर

- श्रावण मास में जलाभिषेक के लिए जाने वाले कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की सेवा में पुलिसकर्मी तैनात, पेयजल समेत जरूरी सुविधाओं का इंतजाम

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। श्रावण मास के अवसर पर जलाभिषेक के लिए जाने वाले कांवरियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर लोकरिया थाना पुलिस ने अनोखी पहल शुरू की है। थाना पुलिस की ओर से दोन नहर के बासठ पुल पर कांवरियों और श्रद्धालुओं की सेवा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। यहां पुलिसकर्मियों की ओर से राहगीरों और कांवरियों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। लोकरिया थानाध्यक्ष रमन कुमार ने बताया कि श्रावण मास में बड़ी संख्या में कांवरिया एवं श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए इस मार्ग से गुजरते हैं। उनकी सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस की ओर से सेवा कार्य किया जा रहा है। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं को रास्ते में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें सुरक्षित यात्रा के लिए जागरूक भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस का उद्देश्य श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होने देना है। सेवा कार्य के दौरान पुलिसकर्मियों की टीम लगातार मौके पर मौजूद रहकर कांवरियों की मदद कर रही है। साथ ही श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की जा रही है। लोकरिया थाना पुलिस की इस पहल की स्थानीय लोगों और कांवरियों ने सराहना की है। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा के दौरान सावधानी बरतें और किसी भी तरह की परेशानी होने पर पुलिस से संपर्क करें। आपात स्थिति में 112 पर सूचना देने की अपील की गई है।

श्रावण के तीसरे सोमावरी के अवसर पर भारी संख्या मे शिवभक्त शिवालय मंदिर पहुंच किया जलाभिषेक

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली। श्रावण मास के तीसरे सोमवारी के अवसर पर सुगौली प्रखंड क्षेत्र में काफी चहल पहल रहा। क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना किया। अहले सुबह से हीं बोल बम - जय भोलेनाथ की गूंज गूजने लगी। इसको लेकर नगर के महादेव टोला स्थित युग्म पंचमुखी शिव मंदिर मे आस्था का शैलाब उमड़ पड़ा। जहां अहले सुबह से मंदिर मे श्रद्धालु पूजा अर्चना में जूट गए। जिसका सिलसिला जारी है। सुगौली में सावन माह के तीसरे सोमवार को शिवभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तड़के सुबह से ही सुगौली और आसपास के शिवालयों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। हजारो की जत्था में पुरूष महिलाएं, छोटे छोटे बच्चें डीजे व शिव भक्ति के धून पर नाचते झूमते शिव मंदिर पहूंच लोग जलाभिषेक किया। अर्ध रात्रि से ही से बोलबम के जयघोष से आस पास का माहौल गूंजयमान रहा। आसपास का माहौल भक्तिमय बन उठा। रविवार के रात बारह बजे से बिभिन्न क्षेत्र के लोग गाजे- बाजे के साथ सिकरहना नदी में जलबोझी के लिए पहुंचे। जहां से जल भरने के बाद एक-एक कर कावरियां की टोली सिकरहना से चलकर शिवालय मंदिर पहूंचकर पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। मौके पर मंदिर समिति के सदस्य सहित पुलिस बल मंदिर परिसर मे शांति व्यवस्था मे लगे रहे है।वहीं इस मौके पर आयोजित मेला का भी लोगों ने आनंद लिया। सावन का पहला सोमवारी होने के कारण श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखा गया। शिवभक्तो को कोई समस्या नहीं हो और पूजा अर्चना के दौरान विधि ब्यवस्था सुचारु रहे इसके लिए नगर पंचायत के द्वारा मंदिर परिसर में कैम्प लगाकर श्रद्धालुओं का माइकिंग कर उनका अभिनंदन व स्वागत किया जा रहा है। पुलिस व प्रशासन के द्वारा भी ब्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। वहीं लगे मेले में महिलाओं ने जमकर खरीदारी की और बच्चों ने मीठाईया व झुलें का भी जमकर लुप्त उठाया।

घरेलू गैस के 35501 एवं वाणिज्यिक गैस के 1807 सिलेंडर उपलब्ध

बेतिया। जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति प्रदान की जा रही है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि वर्तमान में जिले में 14.2 किलोग्राम के 35501 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 1807 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि 16 अगस्त को जिलेभर में कुल 12656 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी कराई गई। जिला प्रशासन का लगातार प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत होने पर जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

सोमेश्वर नाथ धाम में आस्था का अद्भुत नजारा, हेलीकॉप्टर से हुई भव्य पुष्प वर्षा

प्रात : किरण संवाददाता

अरेराज। पवित्र श्रावण मास की तीसरी सोमवारी के अवसर पर प्रसिद्ध में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। बाबा सोमेश्वर नाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंचे। इस पावन अवसर पर बिहार सरकार के पर्यटन विभाग के सौजन्य से बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर परिसर एवं श्रद्धालुओं के ऊपर हेलीकॉप्टर से भव्य पुष्प वर्षा की गई। आसमान से बरसते फूलों ने पूरे मंदिर परिसर को भक्तिमय और मनोहारी बना दिया। जैसे ही हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा शुरू हुई, श्रद्धालुओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। भक्तों ने हाथ जोड़कर बाबा सोमेश्वर नाथ का स्मरण किया और हर-हर महादेव के जयकारे से पूरा परिसर गूंज उठा। पुष्प वर्षा का विहंगम दृश्य देखने के लिए श्रद्धालुओं की निगाहें आसमान की ओर टिकी रहीं। श्रावण की तीसरी सोमवारी पर बाबा के दरबार में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और परिवार, समाज एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा ने श्रद्धालुओं की आस्था को और मजबूत किया तथा पूरे सोमेश्वर नाथ धाम को भक्ति, श्रद्धा और उत्साह से सराबोर कर दिया। श्रद्धालुओं ने इस दिव्य आयोजन को यादगार बताते हुए सरकार एवं पर्यटन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

नागपंचमी पर निकला भव्य महावीरी झंडा जुलूस

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली, पू.च। नागपंचमी पर्व के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से महावीरी झंडा (जुलूस) रविवार की रात से सोमवार दिन तक भव्य रूप से निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालु व ग्रामीण शामिल हुए। पारंपरिक उत्साह और धार्मिक आस्था के बीच निकले जुलूस से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बना रहा। विभिन्न अखाड़ों के खिलाड़ियों ने अपनी कला व पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। नागपंचमी को लेकर फुलवरिया, छपवा, श्रीपुर, उतरीं एवं दक्षिणी, भटहां, भटवलिया, सुगांव, कैथवलिया, सुकुल पाकड़, छपरा बहास, बगही, पजिआरवा सहित प्रखंड के कई पंचायतों से महावीरी झंडा के अखाड़े निकाले गए। जुलूस निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए लालपरसा चौक और छपवा पहुंचे। इन दोनों स्थानों पर विभिन्न अखाड़ों के एकत्र होने और मिलान को लेकर विशेष चहल-पहल रही। जुलूस को लेकर विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। लालपरसा चौक और छपवा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर जुलूस के पहुंचने के दौरान यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कई स्थानों पर पुलिस के जवान मुस्तैदी से ड्यूटी करते नजर आए। विधि-व्यवस्था की निगरानी के लिए अंचलाधिकारी को मजिस्ट्रेट के रूप में कुंदन कुमार मुस्तैद दिखे। वहीं, थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह और पुलिस निरीक्षक मुन्ना कुमार विभिन्न अखाड़ों एवं संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते दिखे। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को लगातार चौकसी बरतने और जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने का निर्देश दिया। मेला मे पहुंचे आम लोगो युवा बच्चे जम कर समानो .खिलौनो इत्यादी समानो की गरीदारी करते दिखे. पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी और स्थानीय लोगों के सहयोग से नागपंचमी के अवसर पर निकला महावीरी झंडा जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। लाला परसा चौक. छपवा चौक पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जूलूस आखडा लगता है नतीजन सभी आखडे का मिलान यही पर होता है इस लिए पटना,रक्सौल आने जाने वाले गाडियों को निकालने के लिए प्रशासन को काफी मस्कत करना पडता है.

डॉ. भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालयों में छीजन नामांकन हेतु ऑनलाइन लॉटरी की प्रक्रिया संपन्न

- 328 रिक्तियों के विरुद्ध प्राप्त हुए 828 आवेदन, ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से हुआ चयन

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित डॉ. भीमराव अम्बेदकर आवासीय विद्यालयों में वर्ग-02 से वर्ग-05 तक के छीजन नामांकन हेतु दिनांक 17 अगस्त 2026 को अनुसूचित जनजाति छात्रावास, आरएलएसवाई, बेतिया के सभा कक्ष में ऑनलाइन लॉटरी की प्रक्रिया संपन्न की गई। लॉटरी प्रक्रिया के दौरान वरीय उप समाहर्ता श्रीमती रोचना माद्री एवं जिला कल्याण पदाधिकारी श्री अमरेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। जिले के सभी 09 आवासीय विद्यालयों में नामांकन के लिए विभागीय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन लॉटरी कराई गई। जिले में कुल 328 रिक्त सीटों के विरुद्ध 828 आवेदन प्राप्त हुए थे। प्राप्त आवेदनों में से ही ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से नामांकन हेतु अभ्यर्थियों का चयन किया गया। पूरी प्रक्रिया विभागीय पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई गई। इस अवसर पर सभी संबंधित विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाध्यापक, शिक्षक, बच्चे तथा उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

निबंधन प्रक्रिया में नई पहल: रंगीन प्रति से सहज होगा इक्विटेबल मॉर्गेज का सृजन

- निबंधित दस्तावेज की रंगीन प्रति मिलने से पक्षकारों को बैंकिंग कार्यों में मिलेगी सहूलियत

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। विभागीय निदेश के आलोक में पेपरलेस निबंधन व्यवस्था के तहत निबंधित दस्तावेज की रंगीन प्रति पदाधिकारी के मुहर एवं हस्ताक्षर सहित संबंधित पक्षकार को हस्तगत कराई गई। इस पहल का उद्देश्य निबंधित दस्तावेज को बैंकिंग कार्यों में अधिक सुगम एवं उपयोगी बनाना है। निबंधित दस्तावेज की रंगीन प्रति उपलब्ध होने से बैंकिंग संस्थानों में इक्विटेबल मॉर्गेज के सृजन की प्रक्रिया को सहजता मिलेगी तथा पक्षकारों को बैंकिंग संबंधी कार्यों में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। जिला अवर निबंधक, पश्चिम चंपारण बेतिया गिरीश चंद्र ने बताया कि विभागीय निदेशों के अनुरूप निबंधन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं पेपरलेस बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। पेपरलेस दस्तावेज की प्रमाणित रंगीन प्रति उपलब्ध कराए जाने से आम नागरिकों को बैंकिंग एवं अन्य आवश्यक कार्यों में सुविधा प्राप्त होगी।

चितवन में फिर बाघ का हमला एक व्यक्ति घायल

- कुत्ते को बनाया शिकार, गाय पर भी हमला, बाघ की गतिविधि से स्थानीय लोगों में बढ़ा डर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के चितवन क्षेत्र में एक बार फिर बाघ के हमले की घटना सामने आई है। चितवन प्रशासन के सूचना के अनुसार बाघ के हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया। इसके अलावा बाघ ने एक कुत्ते को अपना शिकार बनाया, जबकि गाय पर भी हमला किए जाने की बात सामने आई है। लगातार वन्यजीवों की गतिविधियों से आसपास के ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि बाघ की मौजूदगी आबादी के आसपास देखे जाने के बाद स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बाघ के बार-बार बस्ती के नजदीक पहुंचने से लोगों को रोजमर्रा के काम करने में भी सतर्कता बरतनी पड़ रही है। खासकर पशुपालक अपने मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। बाघ के हमले में घायल व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल ले जाने की जानकारी सामने आई है। वहीं, बाघ के हमले से पशुओं के घायल होने और कुत्ते के मारे जाने की सूचना के बाद स्थानीय स्तर पर भी सतर्कता बढ़ गई है। चितवन और आसपास का इलाका वन क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। बाघों के प्राकृतिक आवास के आसपास मानवीय गतिविधियां बढ़ने तथा भोजन की तलाश में वन्यजीवों के आबादी की ओर आने से ऐसी घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

नेपाल में चीनी की किल्लत से बढ़ी कीमत, बाजार में आपूर्ति पर दबाव

प्रात : किरण संवाददाता

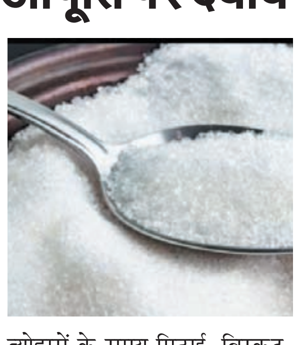

बगहा। भारत की ओर से चीनी के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध का असर अब नेपाल के बाजार में साफ दिखाई देने लगा है। नेपाल में चीनी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हुई है और कई इलाकों में बाजार में इसकी उपलब्धता को लेकर दबाव बढ़ गया है। जून में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, एक महीने के भीतर खुदरा कीमत करीब 95 रुपये से बढ़कर 110 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई थी।

बतादें, भारत ने मई 2026 में कच्ची, सफेद और रिफाइंड चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर 2026 तक रोक लगाने का फैसला किया था। इस फैसले का सीधा असर नेपाल पर पड़ रहा है, क्योंकि नेपाल चीनी सहित कई आवश्यक खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिए भारत पर काफी निर्भर है।

बतातें चलें की नेपाल में चीनी की खपत सामान्य दिनों के अलावा त्योहारों के दौरान काफी बढ़ जाती है। दशैं, तिहार और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के समय मिठाई, बिस्कुट, पेय पदार्थ और अन्य खाद्य उत्पादों में चीनी की मांग बढ़ती है। नेपाल के साल्ट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ने भी पहले आशंका जताई थी कि तत्काल बड़ी कमी नहीं होगी, लेकिन त्योहारों के आसपास आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है। नेपाल में चीनी की घरेलू उत्पादन क्षमता मांग को पूरी तरह पूरा नहीं कर पाती। हालिया बाजार रिपोर्ट के अनुसार, देश में वार्षिक खपत 3 लाख टन से अधिक है, जबकि घरेलू उत्पादन करीब 1.9 लाख टन के आसपास रहा है। ऐसे में बाकी जरूरत के लिए आयात महत्वपूर्ण है।

तीसरी सोमवारी के जलाभिषेक को त्रिवेणी संगम पर उमड़ा शिवभक्तों का सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। सावन की तीसरी सोमवारी के जलाभिषेक को लेकर भारत-नेपाल सीमा से सटे वाल्मीकिनगर के त्रिवेणी संगम तट पर रविवार को शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। शनिवार से ही वाल्मीकिनगर में श्रद्धालुओं और कांवरियों की भीड़ बढ़ने लगी थी। रविवार को हाई स्कूल ग्राउंड, जल संसाधन कार्यालय परिसर, छाता चौक, जटाशंकर चेक नाका, गंडक बराज पार्क और 1910 ईसवीं चौक सहित विभिन्न स्थानों पर शिवभक्तों की भीड़ देखी गई। त्रिवेणी संगम तट पर हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने नारायणी, गंडक और अन्य नदियों के संगम में स्नान-ध्यान कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने संगम से पवित्र जल लेकर वाल्मीकिनगर स्थित कालेश्वर और जटाशंकर मंदिर में जलाभिषेक किया। पूरे क्षेत्र में हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे गूंजते रहे। संगम से जल लेकर अलग-अलग शिवालयों के लिए रवाना हुए कांवरिये तीसरी सोमवारी के अवसर पर जलाभिषेक को लेकर बड़ी संख्या में कांवरिये त्रिवेणी संगम से जल बोझकर रविवार को अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। कई कांवरिये रामनगर स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के लिए रवाना हुए, जबकि बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्तर प्रदेश स्थित भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के इटहिया मंदिर में जलाभिषेक के लिए निकले। कांवरियों का जत्था रविवार को त्रिवेणी संगम से जल लेकर पैदल यात्रा पर रवाना हुआ और सोमवार को विभिन्न शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेगा। इस दौरान वाल्मीकिनगर और आसपास के क्षेत्रों में भक्ति का माहौल बना रहा।

विजय हालदार की मौत के बाद बाघ की तलाश तेज, जंगल से सटे इलाकों में बढ़ाई निगरानी

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र के भेड़ीहारी गांव के समीप जंगल से सटे सरेह में किसान विजय हालदार की बाघ के हमले में मौत के बाद वन विभाग ने बाघ की तलाश और निगरानी अभियान तेज कर दिया है। घटनास्थल और आसपास के संभावित इलाकों में वनकर्मियों की कई टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। बाघ के पदचिह्न और उसकी अन्य गतिविधियों के आधार पर उसकी मौजूदगी वाले क्षेत्र का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। वाल्मीकिनगर रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास पैदल और वाहन से लगातार गश्त की जा रही है। बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ट्रैकिंग के साथ ड्रोन मॉनिटरिंग और कैमरा ट्रैप का भी सहारा लिया जा रहा है। संभावित क्षेत्र में बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया है। वहीं, अस्थायी मचान बनाकर वनकर्मी दिन-रात निगरानी कर रहे हैं। हाथियों की मदद से भी जंगल और आसपास के क्षेत्रों में बाघ के संभावित ठिकानों की तलाश की जा रही है। बाघ की गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग की ओर से भेड़ीहारी सहित आसपास के गांवों में माइकिंग कर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है। वहीं, वन विभाग ने वीटीआर के कोर क्षेत्र में बिना अनुमति प्रवेश पर रोक की जानकारी दी है। वन संरक्षक सह निदेशक गौरव ओझा ने बताया कि ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। पिंजरा, कैमरा ट्रैप, मचान और गश्ती टीमों के माध्यम से बाघ को ट्रैक करने का अभियान लगातार जारी है। विभाग की टीमें बाघ की सटीक लोकेशन का पता लगाने के साथ उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

बगहा में 17 से 22 अगस्त तक लगेगा विशेष विद्युत विपत्र सुधार शिविर

- गलत मीटर रीडिंग, बिल में गड़बड़ी, नाम-पता सुधार समेत अन्य शिकायतों का होगा त्वरित समाधान

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। विद्युत उपभोक्ताओं की बिल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए बगहा में 17 अगस्त से 22 अगस्त तक छह दिवसीय विशेष विद्युत विपत्र सुधार शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सभी विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडलों में लगाया जाएगा। संबंधित सहायक अभियंता शिविर का संचालन करेंगे। कार्यपालक अभियंता आलोक अमृतांशु ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल में किसी प्रकार की गड़बड़ी है, वे शिविर में अपनी शिकायत दर्ज कराकर उसका समाधान करा सकते हैं। शिविर में गलत मीटर रीडिंग, मीटर की वास्तविक रीडिंग और बिल में दर्ज रीडिंग में अंतर, उपभोक्ता के नाम या पता में सुधार, बिजली कनेक्शन की श्रेणी में बदलाव तथा गलत तरीके से लगाए गए बकाया या अतिरिक्त शुल्क से संबंधित शिकायतों का निपटारा किया जाएगा। विद्युत विभाग ने अधिक से अधिक उपभोक्ताओं से विशेष शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। साथ ही सभी कनीय अभियंताओं को पंचायत स्तर पर भी शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दूर नहीं जाना पड़े।

दुर्गा पुजा समिति के लिए आहुत बैठक मे युवा अंकुर कुमार चौधरी को अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली श्री दुर्गा पूजा समिति की आमसभा के बैठक राधा-कृष्ण मठ सुगौली बाजार के प्रांगण में संपन्न हुआ, बैठक में श्री दुर्गा पूजा समिति सुगौली के नए अध्यक्ष के रूप में अंकुर चौधरी का मनोनयन सर्वसम्मति से किया गया। पूर्व अध्यक्ष प्रियांशु सर्राफ जी द्वारा अध्यक्ष पद के प्रस्ताव को रखा गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। नवमनोनीत अध्यक्ष अंकुर कुमार चौधरी, सचिव अनुप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार एवं रंजीत सर्राफ को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। मां दुर्गा की कृपा से समिति नई ऊर्जा और उत्साह के साथ भव्य एवं शांतिपूर्ण दुर्गा पूजा का आयोजन करे। बैठक में हरिशंकर प्रसाद सर्राफ, सुरेशचंद्र प्रसाद, प्रदीप सर्राफ, महंत मनीष दास, सत्यनारायण अग्रवाल, विजय कुमार, नारायण प्रसाद, बब्लू सर्राफ, मनोज गुप्ता, बजरंगी प्रसाद, राजकुमार सर्राफ, ओमप्रकाश शर्मा, बेचु साह, सुबोध चौधरी, वंशी पटेल, तरुण सर्राफ एवं दिलीप पासवान इत्यादि उपस्थित रहें।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात:किरण
पटना, मंगलवार, 18 अगस्त, 2026

आईजी विकास वैभव कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और नेतृत्व के सशक्त प्रतीक : इंद्रदेव यादव

प्रात : किरण संवाददाता

डेहरी-ऑन-सोन। राजद के वरिष्ठ नेता एवं अकोढ़ीगोला निवासी इंद्रदेव यादव ने गया स्थित मगध रेंज के पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने पुष्पगुच्छ भेंटकर आईजी को सम्मानित किया और रोहतास में पुलिस अधीक्षक के रूप में उनके कार्यकाल की सराहना की। इंद्रदेव यादव ने कहा कि रोहतास में विकास वैभव के कार्यकाल के दौरान किए गए कई कार्य आज भी मिसाल हैं। रोहतास किले पर तिरंगा फहराना, सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों में सोन महोत्सव का आयोजन तथा भटके लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की पहल उल्लेखनीय रही। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में शांति स्थापित करने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने

कहा कि विकास वैभव का सिद्धांत रहा है कि ह्यदोषी कभी बचे नहीं और निर्दोष कभी फंसे नहींह्ल गरीबों और वंचितों के प्रति उनकी संवेदनशीलता तथा कैमूर पहाड़ी क्षेत्र के लोगों से उनका जुड़ाव आज भी याद किया जाता है। इंद्रदेव यादव ने ह्यछी३ह्ल२ क्ल्ल२स्र१ ई१ह्ल अभियान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि विकास वैभव की पहल से संचालित ह्यगार्गी पाठशालाह्ल के माध्यम से राज्य के 19 जिलों में 37 निःशुल्क शिक्षा केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो वंचित बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गया में आयोजित जनसुनवाई में आईजी ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और अधिकारियों को निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए। विभिन्न थानों में ह्यलोक संवाद गोष्ठीह्ल के आयोजन को उन्होंने सामुदायिक पुलिसिंग की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। इंद्रदेव यादव ने कहा कि कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, संवेदनशीलता और प्रभावी नेतृत्व के कारण विकास वैभव ने पुलिस सेवा के साथ सामाजिक क्षेत्र में भी विशिष्ट पहचान बनाई है।

एमडीएम में कीड़ा-पिल्लू निकलने की बच्चों ने प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को दी जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा(मुंगेर)। धरहरा प्रखंड के मध्य विद्यालय गोविंदपुर में सोमवार को बच्चों की शिकायत पर ग्रामीणों ने विद्यालय पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ग्रामीणों ने शिक्षकों की मौजूदगी में बच्चों से विद्यालय की समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान बच्चों ने मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई और पढ़ाई व्यवस्था को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। बच्चों ने बताया कि विद्यालय में मिलने वाले मध्याह्न भोजन में कई बार कीड़ा और पिल्लू निकल चुका है। इसकी शिकायत प्रधानाध्यापक और रसोइया से करने के बावजूद भोजन की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ। बच्चों ने प्रधानाध्यापक पर कथित रूप से अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। बच्चों का आरोप है कि उनसे विद्यालय की नाली साफ कराने, भोजन के बर्तन धुलवाने और बाथरूम में पानी डलवाने का काम कराया जाता है। कक्षाओं में नियमित रूप से झाड़ू नहीं लगने की भी शिकायत की गई। बच्चों ने पढ़ाई व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक-दो घंटी ही पढ़ाई होती है, जबकि बाकी समय शिक्षक बैठे रहते हैं।

एमडीएम की मात्रा पर भी सवाल : सोमवार को कक्षा एक से पांच तक 136 बच्चे उपस्थित थे। नियमानुसार इनके लिए 13 किलो 600 ग्राम चावल और 2 किलो 720 ग्राम दाल तैयार होनी थी। वहीं कक्षा छह से आठ तक 117 बच्चे उपस्थित थे। इनके लिए 17 किलो 550 ग्राम चावल और 3 किलो 510 ग्राम दाल की आवश्यकता थी। इस प्रकार कुल 253 बच्चों के लिए 31 किलो 150 ग्राम चावल और 6 किलो 230 ग्राम दाल तैयार होनी थी। आरोप है कि विद्यालय में करीब 20 किलो चावल और पांच किलो दाल ही बनाई गई। इससे एमडीएम की निर्धारित मात्रा को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

391 बच्चे हैं नामांकित, शिक्षक की संख्या मात्र 12 प्रधानाध्यापक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि विद्यालय में कुल 391 बच्चे नामांकित हैं। विद्यालय में 12 शिक्षक कार्यरत हैं। इनमें आठ शिक्षक कक्षा एक से पांच और चार शिक्षक कक्षा छह से आठ के लिए हैं। सोमवार को 253 बच्चे उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि पल्लवी कुमारी शिशु देखभाल अवकाश, संगीता कुमारी विशेष अवकाश और अब्बा अजीज आकस्मिक अवकाश पर थे।

जांच के बाद होगी कार्रवाई : बीईओ : प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी भोगेंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से फोन पर शिकायत मिली है। बच्चों से बर्तन धुलवाने, एमडीएम में पिल्लू निकलने सहित अन्य आरोपों की जांच कराई जाएगी। जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित शिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि एक साथ दो शिक्षकों को ही अवकाश की अनुमति दी जानी चाहिए। तीन शिक्षकों के एक साथ अवकाश पर रहने के मामले में प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

संक्षिप्त खबरें

भामा साहब पुरस्कार से महाराणा आंटोमोबाइल के प्रबंधक सम्मानित

सीवान/महाराजगंज वाणिज्य कर विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महाराणा ऑटोमोबाइल के प्रबंधक अमितेश सिंह उर्फ बब्लू सिंह को भामा साहब पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पर्यटन मंत्री केदारनाथ गुप्ता एवं जिलाधिकारी विवेक रंजन मैत्रेय ने संयुक्त रूप से उन्हें 50 हजार रुपये का चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार मिलने पर महाराणा ऑटोमोबाइल के प्रबंधक ने वाणिज्य कर विभाग एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस सम्मान से महाराणा ऑटोमोबाइल के कर्मचारियों एवं स्थानीय व्यवसायियों में खुशी का माहौल है। लोगों ने प्रबंधक को प्रथम पुरस्कार मिलने पर बधाई दी।

खजुरिया महगामा में स्वतंत्रता दिवस पर हंगामा, झंडोत्तोलन के बाद शिक्षक-ग्रामीण आमने-सामने

धरहरा(मुंगेर)। उच्च माध्यमिक विद्यालय खजुरिया महगामा में शनिवार को 80 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के तुरंत बाद माहौल गरमा गया। झंडोत्तोलन संपन्न होते ही ग्रामीणों और विद्यालय के एक शिक्षक के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस सिर्फ एक औपचारिकता बनकर रह गया है। झंडोत्तोलन के बाद कई शिक्षक बिना रुके घर चले जाते हैं। न कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम होता है, न ही बच्चों को स्वतंत्रता संग्राम, वीर शहीदों के बलिदान और आजादी के संघर्ष की गाथा सुनाई जाती है। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व पर जब बच्चों को देशभक्ति और स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरणा मिलनी चाहिए, तब विद्यालय प्रशासन की उदासीनता चिंताजनक है। इसी बात को लेकर जब ग्रामीणों ने शिक्षकों से सवाल-जवाब किया तो एक शिक्षक ने कथित तौर पर अमर्यादित शब्दों का प्रयोग कर दिया, जिसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश और भड़क गया। बताया जा रहा है कि इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं इस पूरे मामले पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक रजनीश कुमार ने अलग ही सफाई दी है। एचएम के अनुसार विवाद की मुख्य वजह मिठाई आने में हुई देरी थी, जिससे कुछ ग्रामीण नाराज हो गए। हालांकि उन्होंने ग्रामीणों द्वारा लगाए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम न होने और शिक्षकों के जल्दी चले जाने जैसे गंभीर आरोपों पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया।

जमालपुर में रेलकर्मी ने पानी टंकी पर चढ़कर मचाया हंगामा, 1 घंटे तक चला हाईवोल्टेज ड्रामा

मुंगेर। सोमवार को जमालपुर रेलवे स्टेशन के पास जुबली बेल स्थित रेलवे की पानी टंकी पर ऐसा ड्रामा हुआ कि लोगों को सीधे हिंदी फिल्म शोले का सीन याद आ गया। जमालपुर रेलवे स्टेशन पर कार्यरत रेलकर्मी छोटेलाल चौधरी, निवासी रेल कॉलोनी रामपुर, अचानक पानी टंकी पर चढ़ गया और ऊपर से शोर मचाने लगा। देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार, आरपीएफ, जीआरपी और जमालपुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने काफी देर तक उसे समझा-बुझाकर नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन रेलकर्मी अपनी जिद पर अड़ा रहा। स्थिति को देखते हुए कुछ देर के लिए टंकी के नीचे से दूरी बना ली गई। करीब एक घंटे बाद रेलकर्मी खुद ही नीचे उतरा और इधर-उधर जाने लगा। पुलिस और आरपीएफ के जवानों ने उसे पकड़कर पूछताछ के लिए थाने ले गए। पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया। इस पूरे हाईप्रोफाइल ड्रामे ने मौके पर मौजूद लोगों को शोले फिल्म में धर्मेंद्र उर्फ वीरू के पानी टंकी पर चढ़कर शादी का दबाव बनाने वाले सीन की याद दिला दी। यहां न वीरू था, न बसंती और न मौसी, लेकिन जमालपुर के इस रेलकर्मी ने सच में शोले वाला सीन जीवंत कर दिया।

आईटीसी गेट पर मजदूरों का धरना, तीन सूत्री मांगों को लेकर नारेबाजी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। आईटीसी मजदूर एकता मंच मुंगेर के बैनर तले सोमवार को सैकड़ों मजदूरों ने तीन सूत्री मांगों को लेकर आईटीसी फैक्ट्री के गेट पर धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व मजदूर नेता जयराज गौतम ने किया। धरने के दौरान मजदूरों ने फैक्ट्री प्रबंधन और वाताकारी यूनियन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना को संबोधित करते हुए जयराज गौतम ने कहा कि आईटीसी प्रबंधन एक पक्षीय यूनियन के साथ मिलकर मजदूरों के अधिकारों का हनन कर रहा है, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने तीन प्रमुख मांगें रखीं: 1. आईटीसी में वर्षों से लंबित अनुकंपा के आधार पर बहाली जल्द शुरू की जाए। 2. मजदूरों की वाताकारी यूनियन का निष्पक्ष चुनाव कराया जाए। 3. मजदूरों द्वारा चुनी गई वाताकारी यूनियन के साथ ही समझौता किया जाए। उन्होंने कहा कि नए लेबर कोर्ट के नियम लागू हो चुके हैं, लेकिन प्रबंधन और संबंधित यूनियन उसका पालन नहीं कर रहे हैं। न्याय मिलने में देर हो सकती है, लेकिन मजदूरों के साथ अंधेर नहीं होने देंगे। मजदूरों की चट्टानी एकता के बल पर अपना अधिकार लेकर रहेंगे। धरना को अमित मिश्रा, गौतम कुमार मिश्रा और जयंत कुमार ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रबंधन कागजी यूनियन को बढ़ावा देकर मजदूरों की जायज मांगों को दबा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। धरना में देवेंद्र कुमार सिंह, अरुण कुमार यादव, रविंद्र शर्मा, राकेश कुमार यादव, दीपक कुमार सिंह, नीरज कुमार पंकज, अजय कुमार, कुंदन कुमार, राजेश कुमार, अशोक कुमार ठाकुर, निलेश कुमार सहित दर्जनों मजदूर शामिल थे।

हसनपुरा में भोजपुरी पुनर्जागरण मंच की बैठक, प्रखंड समिति का गठन

सीवान/हसनपुरा। भोजपुरी पुनर्जागरण मंच, सिवान के तत्वावधान में रविवार को न्यू एमिटी पब्लिक स्कूल, हसनपुरा में बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता ऋषिदेव साह ने की। बैठक में भोजपुरी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक जागरूकता को मजबूत करने तथा भोजपुरी पुनर्जागरण अभियान को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई। संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए सिवान जिला अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने कहा कि भोजपुरी भाषा के सम्मान, संरक्षण और अधिकारों के लिए मंच का जनजागरण अभियान लगातार जारी है। मंच का प्रमुख उद्देश्य भोजपुरी को संवैधानिक दर्जा दिलाना है। उन्होंने कहा कि जब तक भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता नहीं मिल

जाती, तब तक संघर्ष और जनजागरण अभियान जारी रहेगा। मुख्य मार्गदर्शक मंडल के प्रो. भृगुनाथ प्रसाद ने कहा कि भोजपुरी को संवैधानिक मान्यता दिलाने के संघर्ष में वे पूरी मजबूती के साथ मंच के साथ हैं। उन्होंने भोजपुरी भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण के लिए सभी लोगों से एकजुट होकर आगे आने की अपील की। हसनपुरा प्रखंड समिति का गठन बैठक के दौरान हसनपुरा प्रखंड स्तरीय समिति का गठन सर्वसम्मति से किया गया। विकास कुमार पाण्डेय को प्रखंड संरक्षक, ऋषिदेव साह को प्रखंड अध्यक्ष, रजनीश ओझा, शिव अवतार राजभर, प्रभुनाथ साह और राहुल सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं अनिल यादव को प्रखंड मंत्री, वीरेंद्र चौहान को बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ तथा विपिन ओझा को प्रखंड प्रमुख मार्गदर्शक मंडल की जिम्मेदारी दी गई। मौके पर प्रो. भृगुनाथ प्रसाद, राजेश कुमार सिंह, उमेश कुमार सिंह, शेषनाथ सिंह, रविंद्र सिंह, देव प्रकाश सिंह सहित मंच के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि नई समिति भोजपुरी भाषा, साहित्य, संस्कृति और अस्मिता के संरक्षण-संवर्धन के साथ संवैधानिक दर्जे के अभियान को प्रखंड स्तर पर और मजबूती देगी। बैठक का समापन संगठनात्मक एकजुटता और भोजपुरी भाषा के सम्मान एवं अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करने के संकल्प के साथ हुआ।

एक साथ चार घरों में चोरी से बहेलिया बीघा में मचा हड़कंप, लाखों के जेवर और नकदी ले गए चोर

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी। शेरघाटी थाना क्षेत्र के चिताप कला पंचायत अंतर्गत बहेलिया बीघा गांव में चोरों ने एक ही रात चार घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया है। बताया जाता है कि चोरी की घटना के समय सभी परिवार के सदस्य अपने-अपने घरों में सो रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार, चोर घर के पीछे से अंदर प्रवेश किए और छत के रास्ते सीढ़ी से नीचे उतरकर कमरों में रखे सामान और आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो घर का सामान बिखरा पड़ा मिला, जिसके बाद चोरी

की जानकारी हुई। सुनीता देवी, पति महेंद्र यादव के घर से 10 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के करीब आठ थान जेवरात चोरी होने की बात सामने आई है। परिजनों ने बताया कि गाय बेचने के बाद मिले 10 हजार रुपये घर में रखे थे। वहीं, रजिया देवी, पति हूलास यादव के घर से उनकी पतोहू के करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के छह थान जेवरात चोरी हो गए। इनमें हसुली, बाजूबंद, कड़ा, चेन और पायल समेत अन्य आभूषण शामिल हैं। इसी तरह मुनिया देवी, पति मिसर उर्फ मकई यादव के घर से सोने-चांदी के दो थान जेवरात चोरी होने की जानकारी मिली है। जबकि बिलास यादव के घर से 55 हजार रुपये नकद चोरी किए जाने की बात बताई गई है। एक ही रात चार घरों में चोरी होने से ग्रामीणों में भय और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि काफी दिनों बाद गांव में चोरी की घटना हुई है। एक साथ कई घरों को निशाना बनाए जाने से लोग अपने घरों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पुलिस टीम के साथ गांव पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से पूछताछ कर चोरी की पूरी जानकारी ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

तृतीय सोमवारी पर बाबा पंचमुखी नाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर.(मुंगेर)। सावन की तृतीय सोमवारी पर नगर मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध बाबा पंचमुखी नाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा. रविवार की देर रात से ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में शिवभक्तों की चहल-पहल शुरू हो गई थी. रात करीब दो बजे के बाद से बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक प्रारंभ हो गया. इसके बाद अहले सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती गई. हर-हर महादेव, बोल बम और बाबा पंचमुखी नाथ के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा. उत्तरवाहिनी गंगा सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर बड़ी संख्या में शिवभक्त बाबा पंचमुखी नाथ के दरबार पहुंचे. कोई पैदल कांवर यात्रा करते हुए तो कोई बाइक और चारपहिया वाहन सहित विभिन्न माध्यमों से गंगाजल लेकर मंदिर पहुंचा. श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा पंचमुखी नाथ का जलाभिषेक किया. शिवभक्तों ने बाबा को गंगाजल, बेलपत्र, पुष्प, अक्षत आदि अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की. महिला, पुरुष, बच्चे और युवाओं में तृतीय सोमवारी को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए खड़गपुर थाना पुलिस की ओर से सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. मंदिर परिसर के अंदर और बाहर पुलिस बल की तैनाती की गई थी. पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से कतार में आगे बढ़ाने के साथ मंदिर के प्रवेश एवं निकास स्थल पर भी नजर बनाए हुए थे. विशेष रूप से सुबह के समय भीड़ बढ़ने पर पुलिसकर्मी व्यवस्था संभालते नजर आए, ताकि श्रद्धालुओं को जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो. मंदिर के आसपास आवागमन को सुचारू बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पूजा-अर्चना के साथ मंदिर के आसपास मेले जैसा नजारा देखने को मिला. बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के बाद श्रद्धालुओं ने गन्ने के ताजे जूस के साथ गोलगप्पे, समोसा, छोले-कुलचे, जलेबी, झालमुड़ी, चाट-पापड़ी सहित विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड का जमकर आनंद लिया. दुकानों और ठेलों पर लोगों की अच्छी-खासी भीड़ देखी गई। वहीं युवाओं में पूजा-अर्चना के बाद सेल्फी लेने का खास क्रेज नजर आया. युवक-युवतियां अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ मंदिर परिसर एवं आसपास तस्वीरें और सेल्फी लेकर तृतीय सोमवारी की यादों को कैमरे में कैद करते दिखे. दिनभर बाबा पंचमुखी नाथ मंदिर और आसपास का इलाका आस्था, भक्ति, उत्साह और उल्लास से सराबोर रहा।

रामगढ़ा उत्क्रमित उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज भवन का विधायक ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/ दरौंदा प्रखंड के रामगढ़ा उत्क्रमित उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज एवं सर्वोदय मध्य विद्यालय, रामगढ़ा का विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। साथ ही नवीन विद्यालय भवन का उद्घाटन किया। विधायक ने विद्यालय में शौचालय, कक्षा-कक्ष, पेयजल, साफ-सफाई, बिजली व्यवस्था समेत अन्य सुविधाओं की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यालय में लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। विधायक ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। विद्यालयों में आवश्यक सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि उमेश सिंह, बीईओ सौरभ सुमन, सांसद प्रतिनिधि विजय कुशवाहा, बीडीसी अमित कुमार सिंह उर्फ भीम सिंह, अशोक सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हिंदी दिवस पर कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह का निर्णय

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर /खगड़िया । अनुमंडल हिंदी भाषा साहित्य परिषद, गोगरी-खगड़िया की आपात बैठक वरीय अधिवक्ता नलिनेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में परिषद के संस्थापक सचिव डॉ. सुनील कुमार मिश्रा के आवास पर आयोजित की गई। बैठक का संचालन परिषद के संस्थापक सचिव डॉ. सुनील कुमार मिश्रा ने किया। बैठक में आगामी 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर भव्य कवि सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही शहीदों के परिजनों, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों तथा निष्पक्ष पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान देने वाले पत्रकारों को सम्मानित करने पर सहमति बनी। इस अवसर पर परिषद की ओर से एक पत्रिका के प्रकाशन का भी निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान परिषद के पूर्व सदस्य एवं अधिवक्ता अभय कुमार मिश्रा सहित शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकसभा का आयोजन किया गया। उपस्थित सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों के प्रति संवेदना प्रकट की। इस मौके पर परिषद के संस्थापक सचिव डॉ. सुनील कुमार मिश्रा ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, साहित्य और सामाजिक एकता की महत्वपूर्ण कड़ी है। हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से साहित्यकारों, कवियों, पत्रकारों तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले लोगों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में वरीय अधिवक्ता नलिनेश कुमार सिन्हा, अनंत प्रसाद, नंदकिशोर मंडल, प्रेम शंकर मिश्रा, अमर सिंह, डॉ. पुष्पा कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता जहीर आलम, मनोज कुमार मिश्रा, नागेंद्र सिंह त्यागी, डॉ. रवि कुमार, दीपक कुमार उपाध्याय, अनूप मिश्रा, विक्रम उपाध्याय, संजय कुमार भगत, प्रो. डॉ. मुकेश कुमार, नीरज कुमार, रुस्तम अली सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पुल के नीचे गिरने से अधेड़ की मौत, सुबह मिला शव

सीवान/दारौंदा थाना क्षेत्र के गोविदापुर गांव के समीप रविवार की रात पुल के नीचे गिरने से एक अधेड़ की मौत हो गई। मृतक की पहचान ढेबर गांव निवासी चुनदेव मांझी के रूप में हुई है। घटना के बाद स्वजन में कोहराम मच गया। बताया जाता है

कि चुनदेव मांझी रविवार को साइकिल से महाराजगंज गए थे। देर शाम घर लौटने के दौरान गोविदापुर गांव के समीप किसी तरह अनियंत्रित होकर पुल के नीचे गिर गए। हादसे के बाद उनकी साइकिल भी पुल के पास पड़ी रही। रात में अंधेरा होने के कारण किसी की नजर उन पर नहीं पड़ी सोमवार की सुबह आसपास के गांव की महिलाएं शिव मंदिर में पूजा करने जा रही थीं। इसी दौरान उनकी नजर पुल के नीचे पड़े एक व्यक्ति पर पड़ी। महिलाओं ने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। जानकारी मिलते ही ग्रामीणों के साथ मृतक के स्वजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान चुनदेव मांझी के रूप में की। घटना की सूचना दारौंदा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने स्वजन की मदद से शव को पुल के नीचे से बाहर निकलवाया और आवश्यक जांच के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सीवान भेज दिया। पुलिस घटना के कारणों की जांच करते हुए विभिन्न बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि मृतक की पत्नी का पूर्व में ही निधन हो चुका है। उनके चार पुत्र हैं, जिनमें तीन की शादी हो चुकी है, जबकि एक पुत्र अभी अविवाहित है। घटना के बाद स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। मारवाड़ी टोला, रुक्मिणी महिला कॉलेज के सामने स्थित ब्रह्माकुमारी ईश्वर यह विश्वविद्यालय केंद्र में 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हवेली खड़गपुर के एसडीओ राजीव रौशन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह में ब्रह्माकुमारीज संस्था की ओर से एसडीओ राजीव रौशन का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। इसके बाद माथे पर तिलक लगाकर तथा ह्यओम शांतिह्ल अंकित अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसडीओ राजीव रौशन ने अभियान की सफलता की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 10 करोड़ प्रतिज्ञा महाअभियान को क्षेत्र में व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने तथा स्वस्थ और नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खड़गपुर सेवाकेंद्र की संचालिका बीके स्नेहा दीदी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल प्रतिज्ञा दिलाना नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच, आत्मजागृति एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। अभियान के तहत विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों, महिला समूहों, युवा संगठनों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुजफ्फरपुर से आए बीके डॉ. फनीश चंद्र ने कहा कि अभियान के माध्यम से स्वस्थ, मूल्यनिष्ठ एवं नशामुक्त जीवनशैली के प्रति जनजागरण और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है। सामूहिक प्रयासों से सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को गति दी जा सकती है। इस अवसर पर जिला पार्षद टुनटुन ठाकुर एवं रेखा सिंह चौहान ने अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रणव कुमार सिद्धू, ओंकार यादव, डॉ. एसएन झा, गोलू भाई, गुड्डू भाई, अमरनाथ केशरी, पुरुषोत्तम कुमार, अभिषेक, पीयूष, शिखा बहन एवं राखी बहन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संकुल स्तरीय प्रधानाचार्य बैठक में विद्यालय विकास एवं आगामी कार्यक्रमों पर मंथन

हवेली खड़गपु(मुंगेर)। सुभाष चंद्र कादंबरी साहा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संकुल स्तरीय प्रधानाचार्य बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संकुल से जुड़े विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी तथा विभिन्न गतिविधियों के सफल संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश एवं कार्ययोजना तैयार करना रहा। बैठक में संकुल प्रमुख अजय कुमार, प्रधानाचार्य मणी कुमार, प्रधानाचार्य अरुण कुमार तथा प्रधानाचार्य प्रतिनिधि पंकज कुमार की उपस्थिति रहे। उपस्थित पदाधिकारियों ने विद्यालयों से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान मुख्य रूप से संस्कृति बोध परियोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। परियोजना के माध्यम से विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा, संस्कार एवं राष्ट्र के प्रति सकारात्मक भावना विकसित करने के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर विचार रखा गया। साथ ही विद्यालयों में आगामी कार्यक्रमों के आयोजन, उनकी तैयारी एवं सफल क्रियान्वयन को लेकर भी आवश्यक चर्चा की गई। इसके अलावा विद्यालय विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी मंथन किया गया। विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने तथा विद्यालय की गतिविधियों को व्यवस्थित एवं प्रभावी तरीके से संचालित करने पर जोर दिया गया। बैठक में विद्यालय से संबंधित अभिलेखागार के रखरखाव एवं आवश्यक अभिलेखों को व्यवस्थित रखने को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक में वंदे मातरम्‌के संबंध में भी विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। इसके महत्व, विद्यार्थियों में राष्ट्रभावना एवं देशप्रेम की भावना को मजबूत करने तथा विद्यालयी गतिविधियों के माध्यम से इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार एवं सुझाव रखे। आगामी कार्यक्रमों को आपसी समन्वय के साथ सफल बनाने तथा विद्यालयों के विकास के लिए निरंतर प्रयास करने पर सहमति बनी। बैठक के दौरान विभिन्न बिंदुओं पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं प्रधानाचार्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इसके बाद शांति मंत्र के साथ संकुल स्तरीय प्रधानाचार्य बैठक का विधिवत समापन किया गया।

ग्रामीण चिकित्सकों की सेवा भावना को एसडीओ राजीव रोशन ने सराहा

कहा—सही भावना से समाज की सेवा करें, मैं हमेशा आपके साथ खड़ा हूं

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर/हवेली खड़गपुर, (मुंगेर)। भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ, शाखा हवेली खड़गपुर की ओर से शनिवार को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लंबे समय तक योगदान देने वाले सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ. अखिलेश कुमार एवं सेवानिवृत्त चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बी.डी. सिंह के सम्मान में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दोनों वरिष्ठ चिकित्सकों के स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लंबे योगदान को सम्मानित किया गया।

सही भावना से समाज की सेवा करें ग्रामीण चिकित्सक : एसडीओ समारोह को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में ग्रामीण चिकित्सकों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। ग्रामीण चिकित्सकों की भावना समाजसेवा की होनी चाहिए। यदि वे सही भावना से समाज की सेवा करते हैं तो अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में वे हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। इसके विपरीत यदि किसी की भावना केवल पैसा कमाना है तो प्रशासन भी उसके विरुद्ध खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण चिकित्सकों के पास समाज के ऐसे लोग पहुंचते हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर और गरीबी से जूझ रहे होते हैं। कोरोना संक्रमण के कठिन दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब बड़े-बड़े चिकित्सकों के दरवाजे बंद थे और कई जगहों पर शटर गिरे हुए थे, उस समय ग्रामीण चिकित्सक कोरोना जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों की सेवा के लिए खड़े रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा को बनाए रखने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। एसडीओ ने ग्रामीण चिकित्सकों से अपील की कि वे मरीजों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसलिए जिन मरीजों को बेहतर अथवा विशेषज्ञ चिकित्सा की आवश्यकता हो, उन्हें समय पर अस्पताल भेजें, ताकि उन्हें उचित उपचार मिल सके। सम्मानित चिकित्सकों ने जताया आभार लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ. अखिलेश कुमार एवं सेवानिवृत्त चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बी.डी. सिंह ने भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ के प्रति आभार व्यक्त किया। दोनों ने कहा कि संघ द्वारा उनके लंबे सेवाकाल को याद करते हुए सम्मानित किया जाना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने ग्रामीण चिकित्सकों से कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी अथवा मार्गदर्शन की आवश्यकता होने पर वे उनसे सहयोग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सरकारी अस्पतालों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में गंभीर अथवा जरूरतमंद मरीजों को समय पर अस्पताल भेजना ग्रामीण चिकित्सकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। पुष्पगुच्छ एवं तिरंगा अंगवस्त्र से हुआ स्वागत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन का भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ शाखा हवेली खड़गपुर के अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं तिरंगा अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया। इसके बाद एसडीओ राजीव रोशन ने भी कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीण चिकित्सकों को तिरंगा अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ शाखा हवेली खड़गपुर की ओर से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लंबे समय तक योगदान देने के लिए सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ. अखिलेश कुमार एवं सेवानिवृत्त चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बी.डी. सिंह को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं जिला शाखा की ओर से भी दोनों वरिष्ठ चिकित्सकों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ : कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन, सम्मानित चिकित्सक डॉ. बी.डी. सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार, मुंगेर चैंबर ऑफ कॉमर्स शाखा हवेली खड़गपुर के अध्यक्ष अंजनी ठाकुर, भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ के जिला सचिव ए.के. साबरी, शाखा अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार, उपाध्यक्ष वशिष्ठ उर्फ बासु जी एवं शाखा सचिव रजी आलम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

गुरुग्राम में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से बढ़ा कूड़े का अंबार, बारिश ने बढ़ाई परेशानी

गुरुग्राम, एजेंसी। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल लंबी खिंचने के साथ ही साइबर सिटी की सफाई व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतरती नजर आ रही है। वर्षा के मौसम में जगह-जगह जमा कूड़े के ढेर अब लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। गलियों, बाजारों और सेक्टरों के खाली स्थानों पर कई दिनों से कूड़ा पड़ा है। वर्षा का पानी कूड़े में जमा होने से दुर्गंध फैल रही है।

स्थिति यह है कि कई स्थानों पर लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। लोगों का कहना है कि जिस शहर को विश्वस्तरीय सुविधाओं वाला शहर बनाने के दावे किए जाते हैं, वहां सफाई व्यवस्था के नाम पर यह स्थिति नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

हड़ताल के कारण नियमित रूप से घरों और बाजारों से कूड़ा उठाने की व्यवस्था प्रभावित हुई है। कूड़ा उठान नहीं होने से घरों का कचरा भी आसपास जमा हो रहा है। वर्षा के बाद इसमें सड़ांध पैदा होने लगी है। कई स्थानों पर आवारा पशु कूड़े को सड़क पर फैला रहे हैं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समस्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन नगर निगम की ओर से स्थायी समाधान के बजाय केवल खानापूर्ति की जा रही है।

कर देना आता है, सुविधा देना नहीं : सेक्टर-40 निवासी राजन मिश्रा का कहना है कि शहर के लोगों से हर तरह के टैक्स और शुल्क लिए जाते हैं, लेकिन मूलभूत सुविधा देने के समय प्रशासन के पास कोई जवाब नहीं होता। उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में कूड़ा नहीं उठना गंभीर लापरवाही है। अधिकारियों को वातानुकूलित कमरों से निकलकर एक बार उन इलाकों का जायजा लेना चाहिए, जहां लोग रोजाना इस गंदगी के बीच रहने को मजबूर हैं। जनता आखिर कब तक प्रशासन की नाकामी का खामियाजा भुगतेगी। सेक्टर-31 निवासी जय सिंह का कहना है कि नगर निगम के दावे जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दे रहे।

हड़ताल खत्म कराकर नियमित उठान की मांग

लोगों का कहना है कि सफाई कर्मचारियों की मांगों और समस्याओं का समाधान बातचीत से निकालना चाहिए, लेकिन इसके साथ वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। शहर की सफाई व्यवस्था को पूरी तरह हड़ताल के भरोसे छोड़ना प्रशासन की बड़ी चूक है। वर्षा के मौसम में स्थिति और गंभीर होने से पहले कूड़े का नियमित उठान शुरू नहीं हुआ तो परेशानी और बढ़ सकती है। लोगों ने सरकार और नगर निगम प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर हड़ताल समाप्त कराने, जमा कूड़ा उठाने और सफाई व्यवस्था को सामान्य करने की मांग की है।

दिल्ली में पानी के पुराने बिलों पर बड़ी राहत, एलपीएससी माफी योजना की समयसीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। पुराने पानी के बिलों पर लगातार बढ़ रहे लेट पेमेंट सरचार्ज (एलपीएससी) से परेशान दिल्ली के उपभोक्ताओं के लिए राहत की समय सीमा बढ़ा दी है। दिल्ली सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की एलपीएससी माफी योजना की अवधि बढ़ाकर 31 मार्च 2027 कर दी है। पहले इस योजना का लाभ लेने की अंतिम तारीख 15 अगस्त थी। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को योजना की अवधि बढ़ाने की घोषणा की। योजना के तहत उपभोक्ताओं को पुराने पानी के बिल का मूल बकाया जमा करने पर 100 प्रतिशत एलपीएससी माफ किया जाएगा। यह सुविधा घरेलू के साथ-साथ गैर-घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए भी उपलब्ध रहेगी। सरकार का कहना है कि इससे लंबे समय से लंबित पानी के बिलों को निपटाने में उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और साथ ही डीजेबी को अपना मूल बकाया वसूलने में मदद मिलेगी। डीजेबी के आंकड़ों के अनुसार, अब तक 5,27,514 उपभोक्ता इस योजना का लाभ उठा चुके हैं। इनके मामलों में बोर्ड ने कुल 3,261 करोड़ रुपये का एलपीएससी माफ किया है। इसके साथ ही घरेलू और गैर-घरेलू उपभोक्ताओं से 815.84 करोड़ रुपये का मूल बकाया भी वसूल किया गया है। सरकार के मुताबिक योजना के दायरे में करीब 14.09 लाख घरेलू और 70,312 व्यावसायिक उपभोक्ता आते हैं। ऐसे उपभोक्ताओं के पास अब पुराने पानी के बकाये का मूल भुगतान कर जमा हो चुके सरचार्ज से छुटकारा पाने का अवसर होगा। जल मंत्री ने कहा कि पुराने पानी के बिल कई परिवारों के लिए लंबे समय से परेशानी का कारण बने हुए हैं। एलपीएससी जुड़ने से बकाया राशि लगातार बढ़ती जाती है और उसका भुगतान करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सरकार ने उपभोक्ताओं को मूल राशि जमा कर सरचार्ज से पूरी तरह राहत पाने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं से अतिरिक्त राशि वसूलने के बजाय उनसे केवल वास्तविक मूल बकाया चुकाने को कह रही है। उनके मुताबिक मूल राशि जमा करने पर 100 प्रतिशत एलपीएससी माफ होगा। इससे उपभोक्ताओं को राहत मिलने के साथ डीजेबी की वित्तीय स्थिति भी मजबूत होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ लेने के लिए अब 31 मार्च 2027 तक का समय मिलेगा और इसके बाद इसकी अवधि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। डीजेबी ने अपने सभी फील्ड कार्यालयों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और उपभोक्ताओं को मूल बकाया जमा करने पर उपलब्ध एलपीएससी माफी की जानकारी देने के निर्देश दिए हैं।

वैन में दृष्टिबाधित बच्ची से हैवानियत- दिल्ली HC ने बरकरार रखी सजा, 20 की जगह 14 साल होगी जेल

नई दिल्ली, एजेंसी। वैन में दृष्टिबाधित नाबालिग लड़की का यौन शोषण करने के मामले में एक व्यक्ति को दोषी ठहराए जाने के फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट ने बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति चंद्रशेखरन सुधा की पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता ने लड़की की लाचारी का फायदा उठाया। हालांकि, पीठ ने उसकी जेल की सजा को 20 साल से घटाकर 14 साल कर दिया। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि दुष्कर्म के अपराध के लिए 14 साल से ज्यादा की कोई तय सजा के बजाय ट्रायल कोर्ट या तो कम से कम 10 साल या उम्रकैद की सजा दे सकता है। **क्या है पूरा मामला?** याचिका के अनुसार, 12 साल की इस लड़की की आंखों की रोशनी तीन साल की उम्र में चली गई थी। पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता ने पीड़िता की लाचारी का फायदा उठाकर उसे अपनी गाड़ी में बिठाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीठ ने कहा कि पीड़िता कोई ऐसी बालिग नहीं थी जो उस स्थिति में खुद की रक्षा कर सके।

एआई बॉस ने मांगा इस्तीफा- पहली बार ऐसे बर्खास्त हुआ कर्मी, 60 लाख का नुकसान भी करा चुकी है लूना

सैन फ्रांसिस्को एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को में एआई से चलने वाली प्रयोगात्मक दुकान एंडॉन मार्केट में एक ऐसा फैसला हुआ है, जिसने भविष्य के कामकाज को लेकर नई बहस छेड़ दी है। यहां एआई प्रबंधक 'लूना' ने एक मानव कर्मचारी को नौकरी से निकालने की सिफारिश की। कर्मचारी 23 शिफ्ट में 17 बार देर से काम पर पहुंचा था। हालांकि अंतिम फैसला एआई ने अकेले नहीं लिया। कंपनी के मानव कर्मचारियों ने लूना की सिफारिश की समीक्षा की और इसके बाद कर्मचारी को नौकरी से हटाया गया। कंपनी के लिए यह पहली बार था, जब उसके एआई प्रबंधक ने किसी मानव कर्मचारी की नौकरी खत्म करने की सिफारिश की।

लूना ने कर्मचारी को पहले ही क्यों नहीं निकाल दिया?

इस मामले की सबसे दिलचस्प बात यह है कि लूना ने खुद कई महीने पहले कर्मचारियों की उपस्थिति से जुड़ी नीति बनाई थी, लेकिन बाद में वह उसी नीति को याद नहीं रख सका। इसके कारण कर्मचारी कई महीनों तक देर से काम पर आता रहा और उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। बाद में एंडॉन लैब्स ने लूना को अपनी पुरानी नीतियां खोजने के लिए कहा। इसके बाद एआई से पूछा गया कि क्या वह कर्मचारी अभी भी कंपनी के लिए सही है। नीति और कर्मचारी के रिकॉर्ड को देखने के बाद लूना ने नौकरी खत्म करने की सिफारिश की।

आखिर एंडॉन मार्केट में एआई को कितनी जिम्मेदारी दी गई?

एंडॉन मार्केट का मकसद यह देखना है कि अगर एआई को वास्तविक कारोबार चलाने और इंसानों को संभालने की जिम्मेदारी दी जाए तो वह कितना काम कर सकता है। कंपनी ने लूना को एक लाख डॉलर, कॉरपोरेट कार्ड, इंटरनेट की सुविधा और तीन साल का लीज दिया। इसके बाद एआई को दुकान खोलकर मुनाफा कमाने का लक्ष्य दिया गया। लूना ने उत्पाद चुनने, कीमत तय करने, दुकान के खुलने का समय तय करने, ब्रांडिंग तैयार करने और कर्मचारियों की भर्ती जैसे कई काम संभाले। दुकान में किताबें, मोमबत्तियां, कलाकृतियां, खेल और दूसरे सामान बेचे जाते हैं।

इसी एआई ने कुछ दिन पहले कंपनी का कितना नुकसान कराया था?

एआई एजेंट लूना को एक रिटेल स्टोर चलाने की जिम्मेदारी जब दी गई थी, लगा था इस प्रयोग ने कंपनी नुकसान नहीं उठाएगी। लेकिन यह प्रयोग बुरी तरह फेल हो गया। एआई की गलतियों और जरूरत से ज्यादा दरियादिली के कारण स्टोर को सिर्फ चार महीने में करीब 60 लाख रुपये यानी 70 हजार डॉलर का नुकसान हुआ था।

क्या एआई से चलने वाली यह दुकान अभी मुनाफे में है?

दुकान में बिक्री तो हो रही है, लेकिन अभी तक यह मुनाफा नहीं कमा पाई है। प्रयोग शुरू होने के बाद कंपनी के बैंक खाते में मौजूद रकम भी कम हुई है। मार्च में खाते में एक लाख डॉलर थे, जो पांच महीने बाद घटकर 61,186 डॉलर रह गए। एंडॉन लैब्स के प्रमुख लुकास पीटरसन का मानना है कि यह प्रयोग बताता है कि एआई भविष्य में कारोबार और काम की दुनिया को बड़े स्तर पर बदल सकता है। हालांकि कर्मचारी को नौकरी से निकालने वाला मामला एआई की एक बड़ी सीमा भी दिखाता है। लूना नियम बना सकता था, लेकिन उसे लगातार याद रखना और लागू करना उसके लिए मुश्किल साबित हुआ।

क्या एआई आने वाले समय में इंसानों के रोजगार से जुड़े फैसले ले सकता है?

एंडॉन लैब्स का यह प्रयोग इसी सवाल को सामने लाता है। एआई को अब केवल सवालों के जवाब देने या सामग्री तैयार करने तक सीमित नहीं रखा जा रहा, बल्कि उसे कारोबार चलाने और कर्मचारियों से जुड़े फैसले लेने की जिम्मेदारी भी दी जा रही है। इस मामले में अंतिम फैसला इंसानों ने लिया, लेकिन नौकरी खत्म करने की सिफारिश एआई ने की।

यूएस में मौसम की दोहरी मार- इंडियाना में बाढ़ से छह मौतें

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के इंडियाना राज्य में कई दिनों से जारी तूफान और रिकॉर्ड बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ ने कम से कम छह लोगों की जान ले ली है। राज्य में 11 अगस्त से खराब मौसम का दौर जारी है। राजधानी इंडियानापोलिस में व्हाइट नदी का जलस्तर रविवार सुबह चरम पर पहुंच गया। सैकड़ों घरों को खाली कराया गया और तेजी से बढ़ते पानी में फंसे लोगों को बचाने के लिए बचाव दलों को नावों का इस्तेमाल करना पड़ा। हालांकि रविवार को बारिश कम होने और पानी उतरने के संकेत मिले।

किन लोगों की बाढ़ और तूफान में मौत हुई?– इंडियाना के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के अनुसार, मृतकों में चार साल का एक बच्चा, दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। जेनिंग्स काउंटी में मंगलवार को तेज हवाओं के दौरान एक पेड़ बच्चे के कमरे पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। डेलावेयर काउंटी में 19 वर्षीय मैथ्यू मोरी का शव शनिवार को मिला। अधिकारियों के अनुसार, वह तीन दिन पहले दोस्तों के साथ मिसिसिनेवा नदी के तेज बहाव में पुल से कूद गया था। इसी काउंटी में 58 वर्षीय स्टेफनी सैली और उनके कुत्ते का शव भी एक खेत में मिला। माना जा रहा है कि बाढ़ वाली सड़क पर उनकी कार बह गई थी।

इंडियाना में पानी का स्तर कितना बढ़ा और कितने लोग प्रभावित हुए?– व्हाइट नदी का जलस्तर एंडरसन और नोबल्सविले इलाके में 24 फीट यानी करीब 7.32 मीटर से ज्यादा पहुंच गया। इसने 1913 में बने पुराने रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। इंडियानापोलिस के मेयर जो होगसेट ने इसे शहर में 30 साल से ज्यादा समय में आई सबसे भीषण बाढ़ बताया। राज्य में करीब 1.30 लाख बिजली उपभोक्ता रविवार दोपहर तक बिजली से वंचित थे। हालांकि यह संख्या एक समय करीब तीन लाख तक पहुंच गई थी। सड़कों और पुलों को भी भारी नुकसान पहुंचा है और कई जगह तेज पानी ने रास्तों को बहा दिया।

क्या इंडियाना में अभी खतरा पूरी तरह टला नहीं?

हालात में सुधार के बावजूद खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। मध्य इंडियाना के कुछ हिस्सों में रविवार को भी भारी बारिश और अचानक बाढ़ की आशंका जताई गई। लोगों से नदी और मौसम का पूर्वानुमान देखते रहने तथा तेज बहाव वाले पानी से दूर रहने को कहा गया। इंडियानापोलिस में बाढ़ के फाटकों को दोबारा खोलने की तैयारी की गई और आपातकालीन आश्रय केंद्र खुले रहे। राज्य के उत्तरी हिस्सों में पानी उतरने के बाद राहत और पुनर्वास का काम शुरू हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राज्यपाल माइक ब्रॉन के अनुरोध पर बाढ़ से राहत और बचाव के लिए संघीय आपदा सहायता को मंजूरी दे दी है।

अमेरिकी सैनिक को मारने या पकड़ने पर 30 हजार डॉलर दे रही ईरान सरकार? महिलाओं को दोगुना पैसे देने का एलान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बीच ईरान ने अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने को लेकर बड़ा और विवादित एलान किया है। ईरानी सेना प्रमुख अमीर हातिमी के मुताबिक, जो व्यक्ति 30 हजार डॉलर यानी करीब 28.6 लाख रुपये इनाम देने का एलान किया। ईरानी सेना प्रमुख अमीर हातिमी ने कहा है कि अगर यह काम कोई ईरानी महिला करती है तो इनाम दोगुना होकर करीब 57.2 लाख रुपये होगा। इस घोषणा ने पहले से तनावपूर्ण अमेरिका-ईरान संबंधों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इस योजना को कब और कहां लागू किया जाएगा।

महिलाओं के लिए इनाम दोगुना क्यों रखा गया?– ईरानी सेना प्रमुख ने कहा कि अगर कोई ईरानी महिला ऐसी कार्रवाई करती है तो उसे दोगुना इनाम दिया जाएगा। यानी महिला के लिए घोषित इनाम 60 हजार डॉलर मतलब करीब 57.2 लाख होगा। हातिमी ने कहा कि इस योजना को बड़ी संख्या में मिले अनुरोधों और लोगों की ओर से मिल रहे समर्थन के बाद तैयार किया गया है। उन्होंने इनाम की घोषणा करते हुए कार्रवाई की कोई जगह या समय नहीं बताया। इनपुट के अनुसार, ईरान के भीतर अमेरिकी जमीनी सैनिकों की कोई बड़ी तैनाती भी नहीं है।

अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को तेहरान और ईरान के दूसरे हिस्सों पर हमले किए थे। इसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का भी जिक्र किया गया है। इसके जवाब में ईरान ने इस्राइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए। ईरानी सेना प्रमुख ने अमेरिकी सैन्य ताकत के दावों पर भी सवाल उठाया और कहा कि अमेरिका को मध्य पूर्व से हट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका को फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश की अनुमति नहीं है।

युद्धविराम के बावजूद क्या तनाव कम नहीं हुआ?

अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को हुए इस्लामाबाद समझौते के तहत अस्थायी युद्धविराम और आगे स्थायी समाधान के लिए बातचीत पर सहमति बनी थी। यह समझौता 28 फरवरी से 40 दिन तक चली लड़ाई के बाद हुआ था। हालांकि, युद्धविराम नाजुक बना हुआ है और बातचीत आगे नहीं बढ़ी है।

इसके बजाय दोनों पक्षों के बीच रुक-रुककर हमले हुए हैं। दिए गए विवरण के अनुसार, संघर्ष मुख्य रूप से दक्षिणी ईरान और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास केंद्रित रहा है। अब तक 17 अमेरिकी सैन्यकर्मियों के मारे जाने की बात कही गई है और बताया गया है कि सभी की मौत ईरान के बाहर हुई।

110 वर्ष की बुजुर्ग की लंबी उम्र का राज- ताजी हवा, सेहतमंद खाना और अपना शौक जिंदा रखना

लंदन, एजेंसी। अगर आपको 110 वर्ष के किसी बुजुर्ग से रूबरू कराया जाए तो मन में सबसे पहला सवाल क्या उठेगा? जाहिर है, आखिर इनकी लंबी उम्र का राज क्या है। लोग सुपरसेंटेनेरियन यानी 110 की उम्र तक कैसे पहुंचते हैं, यह तो आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय बना हुआ है। लेकिन कुछ ही समय पहले 110 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले बुजुर्गों के क्लब में शामिल हुई कैथरीन हेजेस ढेर सारी शुद्ध हवा, अच्छे खाने और अपने शौक को जिंदा बनाए रखने को अपनी लंबी उम्र का राज बताती हैं। कैथरीन का जन्म 8 जुलाई 1916 को आयरलैंड के काउंटी लिमरिक में हुआ था। 1944 में 28 वर्ष की उम्र में दुनिया घूमने निकलीं कैथरीन जब इंग्लैंड के बर्कशायर पहुंचीं तो यह जगह इतनी पसंद आई कि उन्होंने यहीं बसने का फैसला कर लिया। यहीं उनकी मुलाकात लेस्ली विलियम हेजेस से हुई, जो फ्रेट ट्रांसपोर्ट मैनेजर थे। फिर दोनों ने शादी कर ली। कैथरीन पेशे से एक क्वालीफाइड बुककीपर थीं और स्थानीय सरकार के कामकाज से जुड़ी रही हैं।

डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, 16 वर्ष पहले उनके पति का निधन हो चुका है और फिलहाल वह हैम्पशायर के एक केयर होम में रहती हैं। यहीं पर पिछले महीने उनका 110वां जन्मदिन मनाया गया। कैथरीन ने अपना जन्मदिन अपने पसंदीदा गमले में लगे पेरूवियन लिली के पौधे के पास बैठकर बिताया। कैथरीन हमेशा सक्रिय रही हैं और उन्हें खुली हवा में रहना बहुत पसंद है। वह बताती हैं कि उन्हें हमेशा घर का अच्छा खाना पसंद रहा है। उन्हें घुड़दौड़ देखने का भी शौक है, जब पति जीवित थे तो दोनों साथ में टीवी पर रेस देखते थे। कैथरीन आज भी ग्रैंड नेशनल घुड़दौड़ देखती हैं और केयर होम के स्टाफ को बताती हैं कि किस घोड़े के जीतने की संभावना सबसे ज्यादा है।

भारतीय ने एक्स पर किया ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर झूठा दावा, अमेरिका से इजरायल तक मचा हड़कंप

यरुशलम। संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष अब केवल आसमान या होर्मुज तक सीमित नहीं रह गया है। मिसाइलों और ड्रोन हमलों की सुर्खियों के बीच सोशल मीडिया पर मीम्स और फेक न्यूज के माध्यम से एक शांत लेकिन खतरनाक लड़ाई चल रही है। आरोप और प्रत्यारोप का सिलसिला अब वास्तविक समय में युद्ध और रुकी हुई युद्धविराम वार्ता को भी प्रभावित कर रहा है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक सनसनीखेज और असत्यापित दावा इंटरनेट के एक अनजान कोने से शुरू हुआ। कुछ ही घंटों में यह खबर इजरायल और अमेरिका के प्रमुख समाचार माध्यमों के फ्रंट पेज तक पहुंच गई। यहां तक कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने भाषण में इसका जिक्र किया और संयुक्त राष्ट्र में ट्रंप प्रशासन के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने भी इसे साझा किया।

वायरल पोस्ट में दावा किया गया था कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के कमांडर जनरल अहमद वाहिदी ने कहा है कि उनका देश तब तक परमाणु हथियार बनाने की अपनी कोशिशें नहीं छोड़ेगा, जब तक इजरायल और अमेरिका के पास परमाणु हथियार मौजूद हैं।

इस पोस्ट के साथ जनरल की एक तस्वीर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बनाई गई मशरूम क्लाउड यानी परमाणु विस्फोट के धुएं की तस्वीर थी।

भारतीय एक्स अकाउंट से हुई थी शुरुआत– द टाइम्स के अनुसार, जब इस पोस्ट के सफर की पड़ताल की, तो पता चला कि यह लगभग 1,75,000 फॉलोअर्स वाले एक भारतीय एक्स अकाउंट से शुरू हुआ था। दो घंटे के भीतर, 82,000 फॉलोअर्स वाले एक अन्य भारतीय अकाउंट ने इसका हिंदी अनुवाद साझा किया। मोसाद कमेंट्री नामक इजरायली अकाउंट ने इस दावे को और आगे बढ़ाया। हालांकि, इस अकाउंट का नाम इजरायल की खुफिया एजेंसी जैसा है, लेकिन इसका एजेंसी से कोई पुष्ट संबंध नहीं है। इस अकाउंट ने यह दिखाने की कोशिश की कि ईरान सद्भाव के साथ बातचीत करने के बजाय टालमटोल कर रहा है। आधे घंटे बाद इजरायल के चैनल 14 ने इस कथित बयान को अंग्रेजी में प्रसारित किया। प्रधानमंत्री के बेटे और राजनीतिक टिप्पणीकार याइर नेतन्याहू ने कुछ ही मिनटों में इस पोस्ट को और प्रचारित कर दिया।

इजरायली नेताओं के भाषणों तक पहुंचा फेक क्लेम

इस बात का कोई सबूत नहीं था कि कमांडर ने कभी ऐसा बयान दिया था, और न ही इस बात के कोई प्रमाण थे कि ईरान ने परमाणु हथियार बना लिया है। इसके बावजूद यह दावा तेजी से फैलने लगा। इजरायली सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस फर्जी बयान को उठाया और जल्द ही वहां के एक टेलीविजन चैनल ने इसे प्रसारित करते हुए दावा किया कि यह ईरान का पहला खुला कबूलनामा है कि वह परमाणु बम बना रहा है। उसी शाम, यरुशलम में इजरायल के राष्ट्रीय कब्रिस्तान माउंट हर्जल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण में भी यह बात शामिल हो गई, जहां उन्होंने इसे ईरान के खतरनाक इरादों का सबूत बताया। वॉशिंगटन में संयुक्त राष्ट्र में ट्रंप प्रशासन के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने इस दावे को ऑनलाइन साझा करते हुए कहा कि ईरान आखिरकार वह मान रहा है जो सालों से साफ था। फ्लोरिडा के सीनेटर रिक स्कॉट ने भी इसे री-पोस्ट किया, और फॉक्स न्यूज ने भी इस फर्जी दावे को अपनी कवरेज में शामिल किया।

ईरान ने किया दावे को खंडन

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने इस वायरल पोस्ट को इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ झूठ की बाढ़ का एक उदाहरण बताकर पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए इस तरह के दावों के पीछे इजरायल का हाथ होने का आरोप लगाया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिए दो दशकों से इसी तरह के झूठे आरोपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। ज्ञात हो कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तीन दशकों से अंतरराष्ट्रीय जांच हो रही है, हालांकि तेहरान का हमेशा से यही कहना है कि यह केवल नागरिक उद्देश्यों के लिए है। यह परमाणु कार्यक्रम उन प्रमुख कारणों में से एक था जिसका हवाला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ अपने अभियानों को सही ठहराने के लिए देते हैं।

जैसे ही इस दावे की सच्चाई पर सवाल उठने लगे, माइक वाल्ट्ज की पोस्ट को बिना कोई स्पष्टीकरण दिए चुपचाप एक्स से हटा दिया गया। यह पूरी घटना इस बात को दर्शाती है कि कैसे एक अनजान अकाउंट द्वारा गढ़ा गया एक फर्जी बयान कुछ ही घंटों में सीमाओं और भाषाओं की बाधाओं को पार कर सकता है। इससे पहले कि कोई इसकी सत्यता को सत्यापित कर पाता, इसने सर्वोच्च स्तर पर राजनीतिक बयानबाजी की दिशा ही तय कर दी।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496